3 राजधानी
पानी कम हुआ, मुसीबतें नहीं

6 अभिमत
न्यायिक सक्रियता का विस्तार

10 विदेश
ईरान में इस्लामी पोशाक लागू करने के खिलाफ प्रदर्शन

12 स्पोर्ट्स
भारत 27 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 250
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जुलाई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत है विश्व का उज्ज्वल स्थल

राष्ट्रीय-11

अध्यादेश पर कांग्रेस आई साथ, आप विपक्षी गठबंधन से जुड़ने को तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- संसद में दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश पर विधेयक का विरोध करेगी कांग्रेसः वेणुगोपाल
- आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा- पार्टी बेंगलुरू में आज विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन आकार लेने लगे हैं। भाजपा जहां राजग को मजबूत करने में जुटी है, वहीं कांग्रेस यूपीए के घटक दलों को साथ लाने के साथ-साथ अन्य दलों को इससे जोड़ने की कोशिशें कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने रविवार को साफ किया कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी और देश में संघवाद को ध्वस्त करने के केंद्र सरकार के ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करेगी।

कांग्रेस के इस ऐलान के बाद आम आदमी पार्टी ने बेंगलुरू में होने वाली 26 विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने का ऐलान कर दिया। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबले की रणनीति बनाने के लिए विपक्षी दलों की बैठक सोमवार को बेंगलुरू में होगी, जिसमें 26 विपक्षी दलों के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पटना में बीते 23 जून को हुई इसी तरह की विपक्षी दलों की पहली बैठक में 15 दलों ने भाग लिया था। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी का रुख साफ है कि वह राज्यपालों के जरिए विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में हस्तक्षेप करने के केंद्र के ऐसे किसी भी कदम का विरोध करेगी और उसने संसद में दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश पर विधेयक पेश किए जाने पर इसका विरोध करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हम संघवाद को खत्म करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हम विपक्ष द्वारा शासित राज्यों को राज्यपालों के जरिए चलाने के केंद्र सरकार के रवैए का निरंतर विरोध कर रहे हैं।

हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, हम दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का समर्थन नहीं करने वाले हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस के रुख को स्पष्ट विरोध एक सकारात्मक घटनाक्रम बताया है। आप के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राघव चड्ढा ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का स्पष्ट विरोध करने की घोषणा की है। यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस संसद में आने वाले महत्वपूर्ण मामलों पर फैसला लेने के लिए सत्र से पहले आम तौर पर संसद की अपनी रणनीति समिति की बैठक बुलाती है। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश का समर्थन करेगी या विरोध, इस पर वेणुगोपाल ने कहा कि हमने शनिवार को बैठक की थी और इसमें पहले ही फैसला ले लिया है। उन्होंने कहा, न केवल दिल्ली अध्यादेश, बल्कि देश की संघीय व्यवस्था को नष्ट करने वाला और राज्यपाल का इस्तेमाल कर राज्य के मामलों में दखल देने के किसी भी प्रयास का हम समर्थन नहीं करेंगे। इसी तरह, दिल्ली अध्यादेश का भी हम समर्थन नहीं कर रहे हैं। यह बहुत स्पष्ट है। भाजपा नीत केंद्र सरकार मई में दिल्ली में नौकरशाहों के तबादले और तैनाती पर अध्यादेश लेकर आई थी, जिससे उच्चतम न्यायालय के उस फैसले का प्रभाव खत्म हो गया था, जिसमें सेवाओं पर नियंत्रण निर्वाचित सरकार को दिया गया था।

अध्यादेश में दानिक्स कैडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही और तबादलों के लिए राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण स्थापित करने का प्रावधान है। उच्चतम न्यायालय के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के तबादले और तैनाती का शासकीय नियंत्रण उपराज्यपाल के पास था। इसके खिलाफ आम आदमी पार्टी विपक्षी दलों का समर्थन जुटा रही है और उसने कांग्रेस से भी साथ आने को कहा था। आप ने पटना के बाद अब बेंगलुरू की विपक्षी दलों की बैठक में कांग्रेस के अध्यादेश के खिलाफ खुलकर (शेष पेज 9)

राजभर की सुभासपा राजग के कुनबे में हुई शामिल

- मानसून सत्र से पहले भाजपा नेतृत्व वाले राजग की महत्वपूर्ण बैठक कल, सुभासपा समेत कई छोटे दलों के शामिल होने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/लखनऊ

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ओमप्रकाश राजभर और उनके पुत्र

आगामी लोकसभा चुनावों से पहले छोटे-छोटे दलों को साधने की कोशिश में जुटी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को रविवार को एक और सफलता मिली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई।

राजभर के राजधानी दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के बाद यह घोषणा की गई। शाह ने एक ट्वीट में कहा कि ओम प्रकाश राजभर से दिल्ली में भेंट हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। मैं राजग परिवार में उनका स्वागत करता हूं। इसके साथ ही शाह ने इस मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राजभर के आने से उत्तर प्रदेश में राजग मजबूत होगा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन द्वारा गरीबों व वंचितों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में अब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ-साथ उत्तर पूर्व, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कई क्षेत्रीय दलों के भी शामिल होने की संभावना है। राजग की 18 जुलाई को महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजग की बैठक में एलजेपी (रामविलास) प्रमुख और जमुई से सांसद चिराग पासवान को आमंत्रित किया है। नड्डा ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के मुख्य संरक्षक जीतन राम मांझी को भी बैठक में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया है।

मांझी ने अपने बेटे और हम अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन के साथ हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर एनडीए में शामिल होने की घोषणा की थी। हालांकि, चिराग ने अभी तक राजग की बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। बहरहाल, राजभर ने रविवार को एक ट्वीट में कहा कि भाजपा और (शेष पेज 9)

अजित, राकांपा के अन्य मंत्री शरद पवार से मिले

- पार्टी को एकजुट रखने का आग्रह किया

भाषा। मुंबई

मुंबई में शरद पवार से मिलने के बाद बाहर आते राकांपा के वरिष्ठ नेता

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अपने खेमे के कुछ अन्य मंत्रियों के साथ रविवार को मुंबई में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की और उनसे पार्टी को एकजुट रखने का आग्रह किया। राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने यह जानकारी दी। पटेल ने कहा कि राकांपा प्रमुख ने चुपचाप उनकी बात सुनी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अपने चाचा के खिलाफ बगावत करने और दो जुलाई को एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह और शरद पवार के बीच यह पहली अनिर्धारित बैठक थी। अजित पवार ने राकांपा मंत्रियों-हसन मुशरिफ, छगन भुजबल, अदिति तटकरे और दिलीप वलसे पाटिल के साथ वाई बी चव्हाण सेंटर में शरद पवार से मुलाकात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में राकांपा के राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शरद पवार उन सबके लिए एक आदर्श की तरह हैं और वे आशीर्वाद लेने के लिए उनसे मिले।

अजित खेमे में शामिल पटेल ने कहा, हमने उनसे (शरद पवार से) राकांपा को एकजुट रखने का अनुरोध किया। हमने उनसे अगले कुछ दिनों में हमारे अनुरोध के बारे में सोचने और हमारा मार्गदर्शन करने के लिए भी कहा। उन्होंने चुपचाप हमारी बात सुनी, लेकिन कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि अजित पवार खेमे के मंत्रियों ने शरद पवार से पहले से समय नहीं लिया था, लेकिन जब उन्हें पता चला कि वह (शरद) वहां मौजूद हैं, तो वे सीधे चव्हाण सेंटर आ गए।

बैठक पर टिप्पणी करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा, अजित पवार गुट अभी भी शरद पवार को अपना नेता मानता है। किसी वरिष्ठ नेता से मिलने में कुछ भी गलत (शेष पेज 9)

पाकिस्तान में 150 साल पुराना मंदिर गिराया गया

- दूसरे मंदिर पर किया गया राकेट से हमला

भाषा। कराची

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में करीब 150 साल पुराने एक हिंदू मंदिर को पुराना और खतरनाक ढांचा बताते हुए ध्वस्त कर दिया गया। मंदिर ध्वस्त किए जाने के बाद इलाके में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग दहशत में हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान के ही दक्षिणी सिंध प्रांत में डकैतों के एक गिरोह ने रविवार को एक हिंदू मंदिर पर रॉकेट लांचर से हमला कर दिया।

कराची के सोल्जर बाजार में स्थित मारी माता मंदिर को शुक्रवार देर रात भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया। क्षेत्र में हिंदू मंदिरों की देखभाल करने वाले रामनाथ मिश्रा महाराज ने कहा, उन्होंने (अधिकारियों ने) देर रात मंदिर को गिरा दिया और हमें इसकी कोई जानकारी नहीं थी कि ऐसा होने वाला है। मिश्रा ने कहा कि अधिकारियों ने मंदिर के बाहरी दीवारों और मुख्य द्वार को बरकरार रखा, लेकिन उन्होंने अंदर की पूरी संरचना को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर करीब 150 साल पहले बनाया गया था और कहा जाता था कि मंदिर के प्रांगण में खजाना दबा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंदिर 400 से 500 वर्ग गज क्षेत्र में बना था और वर्षों से मंदिर की भूमि को हड़पने का प्रयास किया जा रहा था।

हिंदू समुदाय के स्थानीय नेता रमेश ने कहा कि मंदिर प्रबंधन पिछले कुछ समय से परिसर खाली करने के दबाव में था, क्योंकि मंदिर के जमीन को जाली दस्तावेजों के आधार पर एक डेवलपर को बेच दिया गया था। उन्होंने कहा कि डेवलपर मंदिर जमीन पर एक व्यावसायिक इमारत बनाना चाहता है। दूसरी ओर पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत के काशमोर इलाके में स्थानीय हिंदू समुदाय द्वारा निर्मित छोटे मंदिर और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों के आसपास के घरों पर (शेष पेज 9)

बाढ़ पीड़ितों को मिलेंगे दस हजार रुपए

- स्कूली बच्चों को दोबारा मुफ्त दी जाएंगीं किताबें और ड्रेस, शिविर में बनेंगे दस्तावेज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजघाट परिसर से पम्प के जरिए पानी निकालते कार्मचारी। फोटोः रंजन डिमरी

बाढ़ पीड़ितों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए सरकार ने उनकी मदद के लिए कई घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि हर बाढ़ पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद के तौर पर 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। साथ ही जिन लोगों के आधार कार्ड आदि दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह गए हैं, उनके ये दस्तावेज विशेष शिविर लगाकर बनाए जाएंगे।

जिन बच्चों की ड्रेस और किताबें नष्ट हो गई हैं, उन्हें भी किताबें और ड्रेस मुफ्त मुहैया कराई जाएंगी। अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मोरी गेट स्थित एक स्कूल में बने बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया और तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यमुना का जलस्तर घटने के साथ-साथ आम जनजीवन भी समान्य होता जा रहा है। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति सामान्य होने पर विशेष शिविर लगवाएंगे। वहां वे लोग अपना आधार कार्ड (शेष पेज 9)

बाढ़ नियंत्रण समिति की दो साल में एक भी बैठक नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना नदी में बाढ़ के कारण राष्ट्रीय राजधानी में लोगों की परेशानी के बीच राज निवास सूत्रों ने रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत बाढ़ नियंत्रण और तैयारी संबंधी शीर्ष समिति की गत दो साल में एक भी बैठक नहीं हुई। हालांकि, आप सरकार ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा कि बाढ़ की तैयारियों पर चर्चा के लिए दिल्ली के मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज की अध्यक्षता में नौ मई को बैठक हुई थी। उसने यह भी कहा कि उचित प्रक्रिया के अनुसार बाढ़ नियंत्रण आदेश जारी किया गया था। राज निवास के सूत्रों ने दावा किया कि दिल्ली सरकार द्वारा जारी बाढ़ आदेश आधे-अधूरे (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

सेल्फी लेने के दौरान चार व्यक्ति झील में डूबे

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में रविवार को चार व्यक्ति सेल्फी लेते समय एक झील में डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 106 किलोमीटर दूर घोडाजेरी झील में शाम करीब साढ़े चार बजे हुई। उन्होंने बताया कि वरोरा तहसील के शेगांव गांव के आठ युवाओं का एक समूह झील के किनारे पिकनिक पर गया था, जहां उनमें से चार युवा सेल्फी लेते समय फिसल गए और डूब गए।अधिकारी ने बताया कि पुलिस और आपदा प्रबंधन टीम ने उन्हें ढूंढने के लिए एक तलाश अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि इन युवकों की पहचान मनीष श्रीरामे (26), धीरज ज़ादे (27), संकेत मोदक (25) और चेतन मंडाडे (17) के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि इलाके में बारिश के कारण झील का जलस्तर बढ़ गया है।चंद्रपुर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीना जनभांडू ने कहा, समूह के बाकी सदस्यों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। लापता लोगों का पता लगाने के लिए घटनास्थल पर तलाश अभियान शुरू किया गया है।

जयशंकर ने म्यांमा के विदेश मंत्री से भेंट की

- भारत-म्यांमा और थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग पर चर्चा की

भाषा। बैंकाक

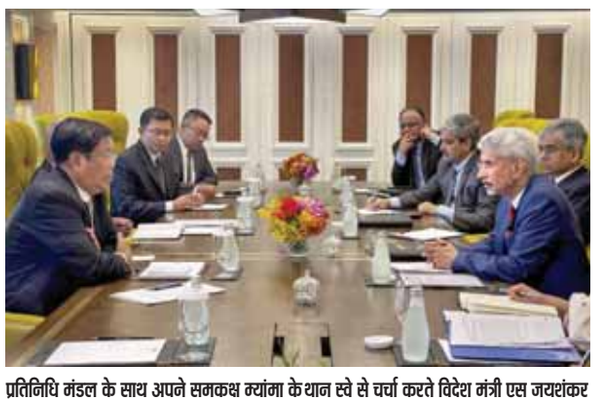

प्रतिनिधि मंडल के साथ अपने समकक्ष म्यांमा के थान स्वे से चर्चा करते विदेश मंत्री एस जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमा के विदेश मंत्री थान स्वे के साथ रविवार को बैठक की और विभिन्न परियोजनाओं खासतौर पर भारत-म्यांमा-थाइलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग का काम तेजी से पूरा करने पर चर्चा के साथ ही सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की जरूरत को भी रेखांकित किया।

जयशंकर इंडोनेशिया की यात्रा के बाद शनिवार को यहां आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे थे। उन्होंने मेकोंग गंगा सहयोग (एमजीसी) तंत्र की बैठक से इतर म्यांमा के विदेश मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, हमारी बातचीत संपर्क पहलों पर केन्द्रित रही, जिसका वृहद क्षेत्रीय महत्व है। दोपहर के समय एमजीसी की बैठक के दौरान भी इन पर चर्चा होगी। विशेष रूप से भारत-म्यांमा-थाइलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना सहित अन्य परियोजनाओं का काम तेजी से निपटाने की जरूरत पर जोर दिया जिन्होंने अतीत में चुनौतियों का सामना किया है।

जयशंकर ने शनिवार को कहा था कि म्यांमा की स्थिति के कारण भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बहुत कठिन परियोजना रही है और इसे फिर से शुरू करने के तरीके ढूंढ़ना सरकार की प्राथमिकता है। भारत, थाईलैंड और म्यांमा लगभग 1,400 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर काम कर रहे हैं, जो तीनों देशों को जमीन के जरिए दक्षिण-पूर्वी एशिया से जोड़ेगा और तीनों देशों के बीच व्यापार, कारोबार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देगा। भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना का 70 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है। यह रणनीतिक राजमार्ग (शेष पेज 9)

बाढ़ क्षेत्रों में फंगल संक्रमण का खतरा अधिक

- डॉक्टरों की सलाह- साफ सफाई और शरीर को सूखा रखने का करें प्रयास
- फंगल संक्रमणों को नजरअंदाज करने से शरीर पर लंबे समय तक पड़ सकता है असर

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

बाढ़ के गंदे पानी के बीच से गुजर कर जाते लोग

देश के कई हिस्सों में इन दिनों बाढ़ और बारिश कहर बरपा रही है। अब तक उत्तर भारत में ही 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच, चिकित्सा विशेषज्ञों ने जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका जताई है।

डॉक्टरों ने संकेत दिया है कि मौसम में नमी, उमस समेत गंदे पानी में छिपे रोग पैदा करने वाले रोगाणु, त्वचा की कई समस्याओं को जन्म दे सकते हैं, जिनमें फंगल संक्रमण प्रमुख चिंता का विषय है। आरएमएल, दिल्ली के त्वचाविज्ञान विभाग के डॉ. भावुक धीर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इन फंगल संक्रमणों को नजरअंदाज किया गया तो स्वास्थ्य पर लंबे समय तक प्रभाव पड़ सकता है। इन फंगल संक्रमण में सबसे आम दाद (टिनिया), एथलीट फुट और कैंडिडिआसिस आदि शामिल हैं। इससे मरीज को खुजली, लालिमा, पपड़ी और बेचैनी की शिकायत होती है। फंगल संक्रमण को रोकने के लिए त्वचा को साफ और सूखा रखना बहुत जरूरी होता है।

खासकर बाढ़ के बाद इनसे बचाव बहुत आवश्यक है जब व्यक्ति के दूषित पानी के संपर्क में आने का खतरा अधिक होता है। त्वचा विशेषज्ञ और त्वचाविज्ञान विभाग के प्रोफेसर और फादर मुलर मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर के डीन डॉ. रमेश भट एम ने कहा कि मधुमेह से पीड़ित लोगों, मोटापा, पैर की विकृति वालों, नंगे पैर चलने वालों, प्रवासी श्रमिकों को विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि उनमें इस प्रकार का संक्रमण विकसित होने (शेष पेज 9)

क्या है उपाय...

किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचाव के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ पैरों को विशेष रूप से पैर की उंगलियों के बीच के स्थान को सूखा रखने पर जोर देते हैं। यदि आप बाढ़ के पानी में चले गए हैं, तो पांवों को गुनगुने पानी से साफ करें और तुरंत सूखे कपड़े से पोछें। डॉ. भट्ट ने कहा कि मधुमेह रोगियों में सेल्युलाइटिस और गैंग्रीन को रोकने के लिए पैरों की स्वच्छता बहुत महत्वपूर्ण है। एजोल्स और टेरबिनाफाइन जैसी सामयिक शुद्ध एंटीफंगल क्रीम संक्रमण से बचाव में सहायक होती हैं। फ्लुकोनाजोल और इट्राकोनाजोल जैसे प्रणालीगत एंटीफंगल को (शेष पेज 9)

बाढ़ के पानी में नहाना दो लोगों को पड़ा भारी, तेज लहरों के साथ बह गए

● तलाश के लिए गोताखोरों की टीम लगाई गई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

घटना की जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के कई गांव के पास बाढ़ का पानी आया हुआ है। रविवार की सुबह बाढ़ के पानी में नहाने गए दो युवक पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवकों के कपड़े और फोनों किनारे पर रखे मिले। पुलिस द्वारा युवकों की तलाश के लिए गोताखोरों की टीम लगाई गई है। गोताखोर टीम द्वारा दोनों युवकों की तलाश की जा रही है लेकिन अभी तक कोई पता नहीं चला है।

ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मकनपुर खादर के रहने वाले दो युवक रविवार की सुबह यमुना नदी के किनारे पानी में नहाने के लिए गए थे। पानी में नहाते समय दोनों युवक तेज बहाव के साथ बह गए।

21 वर्षीय धीरज और 17 वर्षीय संजीत के कपड़े और फोन यमुना के किनारे रखे मिले। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गए।

काफी कोशिश के बाद भी युवकों का कोई पता नहीं चला। थाना दनकौर पुलिस द्वारा बताया गया है कि आज सुबह मकनपुर खादर के रहने वाले दो युवक नहाने के लिए गए थे। दोनों तेज बहाव के चलते बह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंच गई। दोनों युवकों को एनडीआरएफ की टीम वहीं स्थानीय पुलिस द्वारा लोकल गोताखोरों की मदद से तलाशने की कोशिश की जा रही है।

यमुना नदी में तैरता शव बरामद

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के एक्सप्रेस-वे थाना क्षेत्र में नगला नगली गांव के पुस्ते के पास यमुना नदी के पानी में तैरता हुआ एक शव रविवार को बरामद हुआ है। 20 साल का यह युवक दो दिनों से लापता था। एक्सप्रेस-वे थाना की प्रभारी सरिता मलिक ने बताया कि नगला नगली पुस्ते के पास आज सुबह एक युवक का शव यमुना नदी के पानी में तैरता हुआ दिखा। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यमुना डूब क्षेत्र में बने फार्म हाउस के बचाव कार्य में लगी पुलिस।

अलीपुर तटबंध टूटने से बिखरा बाढ़ का पानी

● दो रास्तों पर डायवर्ट हुआ था पानी, रेस्क्यू में जवानों को मिल रहे सांप

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद में आई बाढ़ ने दिल्ली को और डूबने से बचा लिया। यमुना नदी के किनारे रहने वाले लोग ऐसा मान रहे हैं। उनका कहना है कि अल्लीपुर तटबंध टूटने से गाजियाबाद में करीब 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में यमुना की बाढ़ का पानी भर गया है। अगर तटबंध नहीं टूटता तो ये सारा पानी दिल्ली के अंदर घुसता। दिल्ली पहले से पानी से लबालब है। गाजियाबाद के इस पानी से फिर दिल्ली के क्या हालात होते, ये सिर्फ अंदाजा लगाया जा सकता है। 12 जुलाई को गाजियाबाद और बागपत जिले के बॉर्डर पर यमुना नदी का अल्लीपुर तटबंध तेज बहाव की वजह से टूट गया। इस टूटे हुए हिस्से की लंबाई करीब 100 फुट है। ऐसे में यमुना नदी का पानी गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया सहित 9 गांवों में भर गया है। हालांकि जिला प्रशासन के अनुसार, 3 गांव अल्लीपुर, मीरपुर हिंदू और बदरपुर सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां 4 से 5 फुट तक पानी भरा है। अल्लीपुर तटबंध बागपत जिले में आता है और यहीं से गाजियाबाद जिले की सीमा प्रारंभ होती है। गाजियाबाद जिले में यमुना नदी अल्लीपुर तटबंध से प्रारंभ होकर सिग्नेचर सिटी तक है। इसकी लंबाई करीब 6 से 7 किलोमीटर है। ये पूरा एरिया पानी से लबालब है। बीते चार दिन से तटबंध को जोड़ने का काम युद्धस्तर पर जारी है। कंड राकेश कुमार सिंह का कहना है कि रविवार शाम तक तटबंध जुड़ जाने की पूरी उम्मीद है। गाजियाबाद स्थित 8वीं बटालियन की 20 टीमें दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बाढ़ से बचाव-राहत कार्यों में लगी हुई हैं। शनिवार शाम तक इन टीमों ने तीनों राज्यों में 7100 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। वहीं 900 से ज्यादा पशुओं को भी रेस्क्यू किया गया है। इसमें एक करोड़ रुपए की कीमत का बुल प्रीतम भी शामिल है, जिसे नोएडा सेक्टर-135 में आई बाढ़ से सुरक्षित निकाला गया है। कमांडेंट प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया, मथुरा स्थित यमुना नदी में बाढ़ के मद्देनजर लखनऊ और ग्वालियर से एक.एक टीमें वहां भेजी गई हैं। 10 टीमें दिल्ली में हैं। गाजियाबाद के लोनी में 2 टीमें तैनात हैं, जिसमें एक महिला टीम भी शामिल है। इसके अलावा बिजनौर, मुजफ्फरनगर और नोएडा में 6 टीमें रेस्क्यू में लगाई गई हैं। कमांडेंट ने बताया, रेस्क्यू के दौरान जहरीले सांप निकल रहे हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद हमारे जवान मुस्तैदी से ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं।

कंटीले तार, कीचड़ और गड्ढे बने चुनौती

डूब क्षेत्र में बने फार्म हाऊस में फंसे लोगों और जानवरों को बाहर निकाला जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में 48 घंटे से ज्यादा हो चुके है। पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी है। फंसे हुए लोगों को अब भी बाहर निकाला जा रहा है। बड़ी संख्या में मवेशियों को निकाला जा रहा है।

रेस्क्यू ऑपरेशन संभाल रहे एनडीआरएफ के कमांडिंग ऑफिसर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पानी का स्तर अब कम हो रहा है। इसलिए रेस्क्यू अब बोट से नहीं, बल्कि ट्रैक्टर से किया जा रहा है। कोई भी रेस्क्यू हो चुनौतियां रहती ही है। हमारा काम लोगों को बाहर निकलना और सुरक्षित स्थान पर ले जाना है। हमारी टीम हमेशा अलर्ट मोड पर रहती है। आदेश मिलते ही हमने गुरुवार को मोर्चा संभाल लिया। यहां बड़ी चुनौती ये थी हमे नहीं पता कि अंदर कितने लोग फंसे है और कितने मवेशी। वो एक स्थान पर है या अलग.अलग। इसके लिए एक गाइड चाहिए। गांव से लोकल सपोर्ट लिया। उनसे एक एक लोकेशन की जानकारी ली। इसके बाद टीमों को तैयार किया गया। उनके साथ अंदर गए और रास्तों की परख ली।

उन्होंने काफी सहयोग किया। इसके बाद एक अस्थाई कैंप बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंदर बनाया। वहां से लगातार सूचनाएं मिलती रही। नक्शा बनाया और सर्वे के आधार पर टीम बनाकर रेस्क्यू शुरू

किया। पहले लोगों को बाहर निकाला फिर मवेशियों को बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि यहां करीब 1000 फॉर्म हाउस है। कई गौशाला भी है। सबसे बड़ी बाधा इन फार्म हाउस और बाड़ों के चारो ओर लगी कटीले तार और लोहे के ग्रिल थे। रेस्क्यू से पहले इनको हटाया गया, ग्रिल को काटा गया। ताकि एक रास्ता बनाया जा सके।

बहाव में सड़के बह चुकी थी, बड़े.बड़े गढ्ढे थे जिसमें कीचड़ और मलबा भरा था। लोगों का रेस्क्यू करना आसान था। क्योंकि वो हमारी बात समझते है। मवेशियों के झुंड को बाहर निकालना काफी कठिन था। उनको पहले एक तरफलाना फिर उन रास्तों से बाहर लाना जहा गड्ढे न हो। मवेशियों के बच्चों को ट्रैक्टर पर लादकर बाहर लाया गया। पानी कम होने पर अब रेस्क्यू ट्रैक्टर या पैदल करना होगा क्योंकि इसमें बोट नहीं चल सकती। बोट का वजन 100 किलो और 80 किलो की मोटर होती है। इसमें चार लोग बैठते है। 6 से 8 फ ीट पर ये आराम से चलती है। इससे कम होने पर नहीं। नोएडा के सेक्टर.135 क्षेत्र में यमुना का पानी भरने के बाद शनिवार को भी बड़ी संख्या में मवेशियों को रेस्क्यू किया। इसमें एनडीआरएफ की टीम ने प्रीतम नामक गौवंश का रेस्क्यू किया। जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए है।

इसकी कीमत को लेकर ये चर्चा में है और अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। ये यहां एक गौशाला में तीन दिन से फंसा हुआ था। एनडीआरएफ ने ट्वीट कर इसके बारे में जानकारी दी। उसके बाद से यह इंटरनेट मीडिया पर चर्चा का विषय बना रहा। इसकी फोटो इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रसारित की गई। यमुना के किनारे बड़ी संख्या में अवैध फार्म हाउस बने हुए हैं।

यहां पर बड़ी संख्या में पालतू पशु व पक्षी फंसे हुए है। यहां बाहर आने और अंदर जाने के लिए एक ही रास्ता है। इसलिए सबसे पहले रास्तों की मार्किंग की गई। ताकि रेस्क्यू के दौरान कोई भी भटक न जाए। हमने 3 किमी रेडियस का एरिया कवर किया। यमुना नदी के मुहाने तक गए। एक मार्किंग रास्ता तैयार किया। जिससे पैदल और ट्रैक्टर के जरिए लोगों को रेस्क्यू किया गया। इसके इधर-उधर कोई न जाए इसका ध्यान रखा गया।

सरकारी खजाने में 200 करोड़ की सेंधमारी वाले गिरोह का एक गुर्गा दबोचा

● डाकखाने घोटाले का मास्टरमाइंड अभी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के सरकारी खजाने में 200 करोड़ रुपये की सेंधमारी के प्रकरण में नोएडा पुलिस को एक और सफ लता मिली है। बैंक से 200 करोड़ रुपये उड़ाने की साजिश करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को पुलिस ने दबोच लिया है।

यह जालसाज पहले डाक विभाग में नौकरी करता था। डाक विभाग में भी इसने एक बड़ा घोटाला कर रखा हैं। आपको बता दें कि नोएडा कमिश्नरी पुलिस नोएडा प्राधिकरण के बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 3.90 करोड़ रुपये निकालने के मामले में पांचवें जालसाज को भी शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार जालसाज मास्टरमाइंड मनु पोला का करीबी है। सेक्टर.59 मेट्रो स्टेशन के पास से आरोपी गिरफ्तार दिल्ली निवासी राजेश कुमार पांडेय को जालसाजी की रकम में से पांच फीसदी मिलना था। नोएडा जोन के डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि आरोपी राजेश कुमार पांडेय के पास से प्राधिकरण के दो फ र्जी पत्र बरामद हुए हैं। पूछताछ में राजेश ने बताया कि नोटबंदी के दौरान उसकी मुलाकात इस मामले में फरार चल रहे त्यागी और मिश्रा से हुई थी। इन्हीं दोनों ने राजेश से प्राधिकरण के खाते से पैसे निकालने के लिए डील की थी।

बाद में राजेश मनु पोला के करीब हो गया था। इस मामले में राजेश ने अपनी पहचान वाले सुधीर चौधरी से बात की। सुधीर की पहचान के बैंक में कुछ लोग मिल गए। इसके बाद से प्लानिंग हुई और खाते से पैसे निकाले गए।

नोएडा प्राधिकरण का नए दफ्तर के बनने में लगा ग्रहण

● विशेषज्ञों ने बताया घटिया माल से हो रहा निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के नए दफ्तर पर ग्रहण लग गया है। सीधे सीधे कहें तो नोएडा प्राधिकरण के नए बन रहे कार्यालय की इमारत के निर्माण में बड़ा घोटाला हुआ है।

इस घोटाले में सरकारी धन के 300 करोड़ रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए हैं। आपको बता दें कि नोएडा प्राधिकरण का कार्यालय नोएडा शहर के सेक्टर 6 में स्थित है। वर्ष 2015 में प्राधिकरण के अफसरों ने पांच सितारा सुविधाओं से लैस नया दफ्तर बनाने का फैसला लिया था। इस दफ्तर के लिए उस समय 219 करोड़ रुपये का टेंडर छोड़ा गया था। यह दफ्तर सेक्टर 96 में बन रहा है। इस दफ्तर के कंप्लीट निर्माण का स्ट्रक्चर पूरी तरह से तैयार हो चुका है।

इसी बीच यह रिपोर्ट आ गई है कि इस दफ्तर के निर्माण की क्वालिटी बेहद घटिया स्तर की है। इस बिल्डिंग की मजबूती निर्धारित मापदंड के मुकाबले केवल 50 प्रतिशत ही पाई गई है। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के किनारे सेक्टर 96 में बन रही प्राधिकरण के भवन का काम पूरा होने से पहले इसकी गुणवत्ता व मजबूती सवालों के घेरे में आ गई है।

नोएडा प्राधिकरण ने बिल्डिंग में बीम और कॉलम की नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग एनडीटी जांच कराई थी। इसमें सैंपल की मजबूती 50 प्रतिशत के करीब ही मिली है।

इस परिणाम का परीक्षण प्राधिकरण ने कंसल्टेंट एजेंसी से कराया था। एजेंसी ने भी इसे गंभीर माना है। साथ ही बिल्डिंग में चल रहे निर्माण को रोकने और आईआईटी जैसी किसी एजेंसी से गहराई के साथ जांच कराने की सिफारिश कर दी है। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण के इंजीनियरिंग विभाग में हड़कंप मचा है। प्राधिकरण की कंसल्टेंट एजेंसी डिजाइन एसोसिएटस आईएनसी की तरफ से इसका पत्र इंजीनियरिंग विभाग समेत एसीईओ को भेजा गया है। 12 जुलाई को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि बिल्डिंग में चल रहा काम रोका जाना देरी का कारण बनेगा, लेकिन इसकी स्ट्रक्चरल मजबूती उससे ज्यादा जरूरी है।

एजेंसी ने सैंपल परीक्षण के परिणाम को गंभीर बताया है। एजेंसी ने मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व प्लंबरिंग के काम फिलहाल रोकने के लिए कहा है।

शिव मंदिर में मामूली बात को लेकर कांवड़ियों में मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में दिल्ली मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के सामने स्थित शिव मंदिर में रविवार सुबह मामूली बात को लेकर कांवड़ियों के दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों ने एक दूसरे पर धारदार हथियार से वार किए।

इस संघर्ष में कई कांवड़िया घायल हुए हैं। दो घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली मेरठ मार्ग पर मेन रोड स्थित शिव मंदिर में कांवड़ियों के रुकने का इंतजाम किया गया है। हरिद्वार से जल लेकर पहुंचे कांवड़ियां ने देर रात से ही मंदिर परिसर में ही आराम कर रहे थे। मंदिर परिसर में मोनू, अमित, गौरव वाल्मीकि निवासी मुरादनगर आराम कर रहे थे। सुबह सात बजे के आसपास किसी बात को लेकर कांवड़ियों के बीच कहासुनी हो गई। मोनू पाल के पेट में चाकू मारकर घायल कर दिया।

इस संघर्ष में घायल हुए मोनू पाल, गौरव वाल्मीकि व अमित को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालात गंभीर होने पर मोनू पाल को गाजियाबाद रेफर कर दिया गया।

महिला बोली- पति पुलिस की वर्दी पहनकर करता है वसूली

नोएडा। गौड़ सिटी की 14 एवेन्यू सोसयटी में रहने वाला तनुज सिंह पर पुलिस ने आरोप लगाया है कि वह पुलिस की वर्दी पहनकर अवैध वसूली करता है। नोएडा पुलिस कमिश्नरी के बिसरख थाने के एसएचओ अनिल राजपूत ने बताया कि गौड़ सिटी 14 एवेन्यू निवासी तनुज सिंह ने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पत्नी निशा से विवाद के कारण वह होटल में रुका हुआ था।

पत्नी ने 12 जुलाई को कॉल कर बात करने के बहाने उसे घर पर बुला लिया। यहां निशा ने अपने परिवार व परिचित निजामुल, नरेश, सबनूर, समीमा, सिमरन व दो अन्य अज्ञात लोगों को बुलाकर उसे बुरी तरह पीटा। पुलिस ने मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। लेकिन जांच के लिए पुलिस जब घर पहुंची तो मिशा ने अपने पति की ही पोल खोल दी। पुलिस का कहना है कि उसने घर से दरोगा की वर्दी बरामद की। निशा का कहना है कि वह लोगों पर फर्जी दरोगा बनकर रौब गालिब करता है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है।

लाचित बरफुकन की प्रतिमा देखने पहुंचे असम के सीएम

● गाजियाबाद में बन रही है 125 फुट ऊंची मूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पूर्वोत्तर में मुगलों को धूल चटाने वाले वीर योद्धा लाचित बरफुकन की 84 फुट ऊंची प्रतिमा उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद में तैयार हो रही है। 40 फुट का इसका बेस तैयार होगा।

इस प्रकार जमीन से इस प्रतिमा की कुल ऊंचाई करीब 125 फु ट होगी। इस कांस्य प्रतिमा और संग्रहालय के निर्माण पर करीब 120 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। ये प्रतिमा असम राज्य में जोरहाट के हॉलोंगापार स्थित उनके स्मारक पर स्थापित की जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने 15 जुलाई को गाजियाबाद के साहिबाबाद में रामसुतार फ इन आर्ट प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया, जहां पर इस प्रतिमा का निर्माण हो रहा है। असम सरकार ने यह प्रतिष्ठित परियोजना पद्मभूषण पुरस्कार विजेता रामवनजी सुतार को सौंपी है। मुख्यमंत्री ने 98 वर्ष की उम्र के बावजूद इतने जुनूनी होने के लिए प्रख्यात मूर्तिकार की सराहना की है।

माना जा रहा है कि इस साल के आखिर तक प्रतिमा का निर्माण कार्य पूरा हो सकता है। पिछले साल नवंबर में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महान योद्धा की 400वीं जयंती के समापन समारोह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के बाद असम सरकार ने लाचित बरफु कन की एक विशाल प्रतिमा स्थापित करने का मिशन शुरू किया था। प्रतिमा और संग्रहालय के लिए असम के हॉलोंगापार में 50 बीघा जमीन ली गई है। इस प्रतिमा को लाचित बरफु कन के लिए एक श्रद्धांजलि भी कहा जा सकता है, जिनकी वीरता ने राज्य को मुगल हाथों में जाने से बचाया था। असम सरकार ने लाचित बरफुखान पर एक डॉक्यूमेंट्री भी जारी की है। लाचित बरफू कन आहोम साम्राज्य के एक सेनापति और बरफू कन थे, जो सन 1671 में हुई सराईघाट की लड़ाई में अपनी नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने असम पर कब्जे के लिए प्रयास कर रहीं मुगल सेनाओं को धूल चटा दी थी।

लाचित बरफू कन के पराक्रम और सराईघाट की लड़ाई में असमिया सेना की विजय का स्मरण करने के लिए संपूर्ण असम राज्य में हर साल 24 नवंबर को लाचित दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के सर्वश्रेष्ठ कैडेट को लाचित मैडल से सम्मानित किया जाता है, जिसका नाम लाचित बरफू कन के नाम पर रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

जैतपुर गोलचक्कर का निरीक्षण करते एसीपी ट्रैफिक पुलिस।

ग्रेनो में 31 हफ्ते से घर खरीदारों का प्रदर्शन जारी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में घर खरीदार पिछले 31 हफ्ते से हर रविवार को प्रदर्शन करते हुए आ रहे हैं। इस रविवार भी घर खरीदारों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बिल्डरों और प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। घर ख़रीदारों का प्रदर्शन हर रविवार को जारी है। मौसम की परवाह किए बिना बड़ी संख्या में जुटे घर खरीदारों ने सरकार से रजिस्ट्री और घरों के पजेशन की मांग की। घर खरीदारों का कहना है कि लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से भरोसा मिला है, लेकिन ज़मीन पर अभी भी कुछ नहीं हुआ है। उनका कहना है कि जब तक रजिस्ट्री शुरु नहीं होंगी और घरों के निर्माण का काम पूरा नहीं होगा तब तक वो शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ उठाते रहेंगे। नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा है कि 31 हफ्ते से शांतिपूर्ण प्रदर्शन ये बताता है कि घर खरीदार कितने अनुशासित हैं। विरोध प्रदर्शन में सुबोध, शिव, अभिषेक जैन, सुहैल ख़ान, अमित, राजेश, राहुल सहित कई घर ख़रीदार शामिल हुए। वहीं इको विलेज 1, 2, 3, एक्रा गार्डन, कासा ग्रीन्स 1, ऐपैक्स गोल्फ़ एवेन्यू, देविका गोल्ड होम्ज, अजनारा होम्स सहित कई सोसाइटियों के घर खरीदार पहुंचे।

मोदीनगर में घर बुलाकर छात्रा से दुष्कर्म का आरोप

गाजियाबाद। मोदीनगर में कक्षा दस की छात्रा को घर से बुलाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। देर रात कांवड़ लेकर आए परिजनों को छात्रा ने आपबीती बताई। परिजन छात्रा को लेकर रावली चौकी पर शिकायत करने पहुंचे तो उन्हें डांटकर भगा दिया गया। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस कमिश्नर से न्याय की गुहार लगाई। जिसके बाद मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए गए। एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि वह अपनी पत्नी व पुत्र के साथ कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार चले गए थे। घर पर उनकी 16 वर्षीय बेटी अकेली थी। रात को वह कांवड़ लेकर गांव के मंदिर पहुंचे। जब उन्होंने अपनी पुत्री को मंदिर में बुलाने को कहा तो उसने इंकार कर दिया। इसके बाद वह घर पहुंची तो छात्रा रो रही थी। जब परिजनों ने रोने का कारण पूछा तो छात्रा ने परिजनों को बताया कि 12 जुलाई की युवक ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर पीट कर घायल कर दिया। किसी को यह बात बताने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

कंपनी के कर्मचारी की मौत बनी रहस्य

नोएडा। मूल रुप से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के रहने वाले एक होनहार युवक की मौत बड़ा रहस्य बन गई है। यह युवक गाड़ियों के पार्टस बनाने वाली प्रसिद्ध कंपनी मदरसन सुमी सिस्टम का कर्मचारी था। इस युवक की अचानक हुई मौत पर बड़ा सवाल उठ रहा है। सवाल यह है कि युवक की हत्या हुई या उसने आत्महत्या की है। युवक के परिजन नोएडा कमिश्नरी पुलिस से न्याय की मांग कर रहे हैं। मूल रुप से यूपी के हरदोई जिले की संडीला तहसील के गांव मसूडा का रहने वाला 23 वर्षीय हर्षवर्धन उर्फसानू मदरसन सुमी सिस्टम के नोएडा सेक्टर 84 में स्थित प्लांट में ढाई वर्ष से नौकरी कर रहा था। उसने अपने रहने की व्यवस्था ग्रेटर नोएडा के ?सुथियाना गांव में एक किराये के मकान में कर रखी ?थी। विगत 4 जुलाई 2023 को हर्षवर्धन उर्फसानू का शव उसके किराये के मकान में पड़ा मिला था। जब इस बात की जानकारी उसके परिजनों को मिली तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

SBFC
SBFC Finance Limited
Address Unit No. 103, First Floor C&B Square, SangamComplex, 127, Andheri-Kurla Road, Village Chakala,Andheri (East), Mumbai 400059 | Telephone: +91 22 67875300 | Fax: +91 22 67875334 | www.sbfc.com | Corporate Identity Number: U67190MH2008PTC178270

सार्वजनिक सूचना

जनता को यह सूचित किया जाता है कि उपयोग किये गए सोने के गहनों की नीलामी एसबीएफसी फायनैन्स लि. द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली जिला शाखा ए–86, प्रथम तल, अर्जुन नगर, भीष्म पितामह मार्ग, अपोजिट डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024ए फरीदाबाद जिला: शाखा डी–2, पहली मंजिल, एन.आई.टी., 1–2 चौक के पास, फरीदाबाद, हरियाणा–121001 गौतम बुध नगर जनपद : प्लाट नंबर-5,ग्राउंड फ्लोर,वाइट कैसल होटल के सामने, डबरी रोड, सलारपुर, भंगेल, सेक्टर-101, जनपद गौतम बुध नगर, नॉएडा-201304 गाजियाबाद जनपद शाखा 2बी, RDC राज नगर, गाजियाबाद नजदीक SBI ब्रांच, हापुड़ जनपद पहली मंजिल, पीसी ज्वैलर्स के ऊपर, गढ़ परगना, पक्का बाग,गढ़ रोड़, हापुड-245101 पर की जाएगी।

नीलाम किए जाने वाले सोने के गहने उन सभी अतिदेय ग्राहक खातों से संबंधित है जो अपना बकाया देने में असमर्थ है। उधारकर्ताओं को नीलाम की नोटिस पंजीकृत डाक द्वारा विधिवत् जारी की गई है। नीलाम किए जाने वाले सोने के गहने नीचे दिये गये शाखा के अतिदेय ग्राहक खातों से संबंधित है।

नीलाम किये जाने वाले स्वर्ण आभूषण शाखा विवरण के साथ नीचे उल्लेखित विभिन ग्राहकों के ग्राहक ID के सभी लिंक किये गए खातों से सम्बंधित हैं।

GURUGRAM: AP00173985, AP00186216, AP00188023, AP00274465, AP00305183, AP00315442, AP00370518, AP00401107, AP00429999, AP00430161, AP00448159, AP00475348, AP00505578, AP00520172, AP00530746, AP00530967, AP00533431 **KOTLA MUBARAKPUR:** AP00016182, AP00407255, AP00430773, AP00432092, AP00485932, AP00507117, AP00527146, AP00529847, AP00533266 **LAXMI NAGAR:** AP00270759, AP00393631, AP00430622, AP00431015,AP00431068, AP00431912, AP00432284, AP00432619, AP00433590, AP00433633, AP00438290, AP00441006, AP00458553, AP00459734, AP00461518, AP00469582, AP00476455, AP00488723, AP00495312, AP00513894, AP00518775, AP00518928, AP00529914 **ROHINI:** AP00112174, AP00168196, AP00271216, AP00431151, AP00525233, AP00529883, AP00530947 **NOIDA:** AP00399246, AP00431118, AP00467422, AP00475420, AP00480197, AP00532577, AP00545675, AP00545963, AP00551802, AP00555437 **FARIDABAD:** AP00175965, AP00191203, AP00192718, AP00193067, AP00197822, AP00200219, AP00202503, AP00203473, AP00209555, AP00256718, AP00265297, AP00274977, AP00281365, AP00290438, AP00309303, AP00309794, AP00314469, AP00320560, AP00333795, AP00338411, AP00339524, AP00342764, AP00350321, AP00351942, AP00359809, AP00365860, AP00370316, AP00372069, AP00413072, AP00415443, AP00421434, AP00431503, AP00431716, AP00432791, AP00437731, AP00437827, AP00437847, AP00447536, AP00458071, AP00466896, AP00467602, AP00467752, AP00468956, AP00472920, AP00476319, AP00479593, AP00488260, AP00501614, AP00504480,AP00507878,AP00510561, AP00511523, AP00519804, AP00522410, AP00522429, AP00527865, AP00529070, AP00529112, AP00529122, AP00529232, AP00529437, AP00529543, AP00529667,AP00530092, AP00530184, AP00530528,AP00530924, AP00531435, AP00531657, AP00531685, AP00534310, AP00550011, AP00557282 **GHAZIABAD:** AP00330554, AP00345506, AP00378539,AP00413189, AP00422822, AP00431486, AP00431620, AP00443177, AP00520716, AP00531518 **HAPUR:** AP00348933,AP00351008,AP00362484, AP00378826, AP00384627,AP00428333, AP00433133,AP00437422, AP00447757, AP00467192, AP00519089, AP00528347,AP00528658 अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

एसबीएफसी फायनैन्स लिमिटेड
संपर्क सं.: लाजपत नगर 1800-102-8012 / 011- 40305228 / 207, फरीदाबाद 01294314725/4104450, और गुरूग्राम शाखा 0124-4276037 नॉएडा: 8368589407,

एसबीएफसी फायनैन्स लिमिटेड को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलाम किए जाने वाले खातों की संख्या में परिवर्तन/निलंबन/निरस्तीकरण करने का अधिकार है

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही जिंदगी, कई दिन बाद देखा अपना घर

बाढ़ से बंद हुआ चंद्रावल जल शोधन संयंत्र फिर शुरू, पानी की सप्लाई हुई सामान्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना का गुस्सा कुछ कम हुआ है। बाढ़ का पानी उतर रहा है और जिंदगी धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। सड़कों को खोलने का काम तेजी से चल रहा है। जिन इलाकों से पानी पूरी तरह या आंशिक रूप से उतर गया है, वहां लोग अपने घरों को लौट रहे हैं। ऐसे अनेक लोगों ने कई दिन बाद अपना घर देखा तो आंखों में आंसू आ गए। उन्हें नए सिरे से जिंदगी शुरू करने के लिए तिनका-तिनका जोड़ना पड़ेगा।

कुछ लोग कश्मीरी गेट के पास मॉनेस्ट्री बाजार में अपनी दुकानों का जायजा लेने के लिए लौटे, जहां पिछले हफ्ते भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई थी और निवासियों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी थी। बाढ़ के कारण प्रशासन को आईटीओ बैराज के जाम हो चुके द्वारों को खोलने के लिए नौसेना की मदद लेनी पड़ी। नौसेना ने शुक्रवार को बैराज का एक द्वार खोल दिया, जबकि 32 में से चार द्वार अब भी जाम हैं। रविवार को यमुना नदी का जलस्तर 205.98 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को रात आठ बजे यह 208.66 मीटर पर था।

यमुना नदी में जलस्तर शनिवार को घटना शुरू हुआ था, लेकिन देर शाम को बारिश के कारण कई सड़कों पर जलभराव से स्थिति और बिगड़ गई। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि चंद्रावल जल शोधन संयंत्र ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है, जो बाढ़ आने के बाद से बंद था। यमुना नदी में जलस्तर में कमी आने के संकेत मिलने के बाद ओखला जल शोधन संयंत्र ने शुक्रवार को काम करना शुरू कर दिया था। केजरीवाल ने रविवार को ट्वीट कर बताया कि चंद्रावल जल शोधन संयंत्र ने भी फिर से काम करना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिन से हरियाणा के यमुनानगर के हथिनीकुंड बैराज से जल प्रवाह कम होने के कारण यमुना में जलस्तर में कमी आई है। जल शोधन संयंत्रों में बाढ़ आने के कारण शहर में सामान्य जल आपूर्ति बाधित हो गई थी। जल आपूर्ति रविवार को सामान्य होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि वजीराबाद और चंद्रावल में जल शोधन संयंत्र रविवार से फिर से काम करना शुरू कर देंगे। इस बीच मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की है। इस दौरान उनके साथ शिक्षा मंत्री आतिशी मौजूद थी। मुख्यमंत्री ने लोगों की आश्वासन दिया है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद की जाएगी। इस दौरान पीड़ितों ने मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द की राजधानी में बाढ़ की स्थिति सामान्य हो जाएगी।

बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व साथ मंत्री आतिशी।

यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन आवाजाही के लिए खुला

● यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण बृहस्पतिवार को स्टेशन प्रवेश और निकास के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया था

नई दिल्ली। यमुना नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए फिर से खुल गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी दिया गया था। दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश रोक दिया था क्योंकि जलभराव के कारण स्टेशन तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने ट्वीट किया था, यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण मेट्रो की ब्लू लाइन पर यमुना बैंक स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश व निकास अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। स्टेशन पर मेट्रो बदलने की सुविधा उपलब्ध है

यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण बृहस्पतिवार को स्टेशन को यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए अस्थाई रूप से बंद कर

पानी कम हुआ, लेकिन मुसीबतें नहीं

● झुग्गी-झोपड़ी के लोग तिरपाल के नीचे सोने और खुले में शौच को मजबूर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना नदी का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है लेकिन लोगों की मुसीबतें नहीं। मयूर विहार और पुराना यमुना पुल के आस-पास के इलाके में बाढ़ से प्रभावित झुग्गी-झोपड़ी के बहुत से लोग सिर्फ तिरपाल डालकर खुले में सोने, शौच करने को मजबूर हैं। निचले इलाकों में बाढ़ के पानी में जलमग्न हुई झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले इन लोगों ने दावा किया कि उन्हें पहले से सतर्क नहीं किया गया, जबकि कई अन्य लोगों का आरोप है कि इस वक्त भी उन्हें प्रशासन से मदद नहीं मिल रही है।

यमुना पुल के नीचे डूबी हुई झुग्गी की ओर इशारा करते हुए महिला सीमा ने दुख जताया और बताया कि कैसे उसकी 20 साल की मेहनत सिर्फ तीन दिनों में बेकार हो गई। सीमा ने रोते हुए कहा, वह पिछले 20 वर्षों से घरों में जा-जाकर काम कर रही है और अपनी कमाई का एक-एक पैसा अपने घर और अपने बच्चों पर खर्च करती है। 20 वर्षों का प्रयास और कड़ी मेहनत सिर्फ तीन दिनों में बेकार हो गई। सीमा ने दावा किया कि उन्हें सरकार की तरफ से प्लास्टिक की तिरपाल और दूध के एक पैकेट के अलावा कोई और मदद नहीं मिली। उन्होंने कहा कि यमुना के बढ़ते जल स्तर के बारे में भी उन्हें पहले से सतर्क नहीं किया गया था। सीमा से मीडिया से बातचीत में बताया, अतीत में पुलिस हमें बाढ़ आने से पहले ही सचेत कर दिया करती थी, लेकिन इस बार किसी ने भी हमें घरों से बाहर निकलने के लिए नहीं कहा और अब पूरी बस्ती पानी में डूब गई है।

सरकार कहती बहुत कुछ है लेकिन हमें देती कुछ नहीं। हमें केवल एक तिरपाल और दूध का एक पैकेट मिला है। उन्होंने कहा कि वह (सरकार के अधिकारी) शनिवार को आए और हमारा नाम लिखा, सारी जानकारी ली, लेकिन अभी तक कुछ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार झुग्गीवालों को मकान देने की बात करती है, लेकिन वह हमें यहां से हटाने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली में वर्ष 2013 में आई बाढ़ को याद करते हुए मयूर विहार में यमुना नदी के किनारे रहने वाले 45 वर्षीय अशोक ने सरकार से किसी भी तरह की सहायता ना मिलने का आरोप लगाया। वर्ष 2013 में भी बाढ़ आई थी, लेकिन उस वक्त हालात इतने बुरे नहीं थे।

पिछले साल भी दिवाली के बाद हमारे घरों में पानी घुस गया था, लेकिन जल्द ही कम भी हो गया। लेकिन इस बार पानी का स्तर इतना ज्यादा था कि पानी पुल को भी छू गया। सभी झुग्गियां जलमग्न हो गई हैं और पीने का पानी तक नहीं है।

उन्होंने कहा कि लोगों को सरकार की ओर से ना भोजन, ना राशन और ना ही पानी मुहैया कराया जा रहा है। उन्हें तिरपाल तक नहीं मिला। अशोक ने कहा कि पानी कम होने के बाद उन्हें वहां (बस्ती) वापस जाना होगा और खुद से सब कुछ ठीक करना होगा।

बेजुबानों को बचाने के लिए एनजीओ आगे आए

● दिल्ली के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 900 से अधिक जानवरों को बचाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना के जलस्तर में रिकॉर्ड वृद्धि के बाद जनजीवन अस्त-व्यस्त है। बाढ़ की वजह से दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है।

जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में संपत्तियों को नुकसान हुआ है तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए जटिल स्थिति पैदा हो गई है। यमुना में आई बाढ़ के बाद बचावकर्मियों की प्राथमिकता ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रभावित इलाकों से निकालने की रही। हालांकि, कई मामलों में आवारा कुत्तों, बेसहारा गायों, सांड़ और बिल्ली जैसे जानवरों को वहीं छोड़ दिया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) पिछले कुछ दिनों में दिल्ली और नोएडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 900 से अधिक जानवरों को बचाने के लिए आगे आया।

इसके अलावा, दो गैर सरकारी संगठनों ने भी 400 से अधिक कुत्तों को इन इलाकों से सुरक्षित निकाला। फ्रेंडिकोज और नोएडा स्थित हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स नामक गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने शहर के विभिन्न हिस्सों में अभियान चलाया और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से प्रभावित निचले इलाकों में फंसे सैकड़ों कुत्तों को बचाया। दिल्ली में कहर बरपाने के बाद यमुना का जलस्तर शनिवार सुबह से कम होने लगा, लेकिन यह अभी भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से दो मीटर ऊपर बह रही है। फ्रेंडिकोज के एक सदस्य ने बचाव अभियान के बारे में बताया कि उनके स्वयंसेवक समूह ने पिछले तीन दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित इलाकों से 150 से अधिक कुत्तों और 10 से अधिक गायों तथा अन्य संबंधित जानवरों को बचाया।

उन्होंने कहा कि फ्रेंडिकोज़ स्वयंसेवक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फैले हुए हैं और बचाव अभियान चला रहे हैं। संबंधित संगठन के सदस्य ने कहा, हमने मयूर विहार, डीएनडी रोड, पूर्वी दिल्ली, नोएडा सेक्टर-135 से कुत्तों को बचाया।

हमने जितना संभव हो सका, दिल्ली-एनसीआर में यमुना के पूरे हिस्से को कवर करने की कोशिश की। पिछले तीन दिनों में 150 से अधिक कुत्तों को बचाया गया है। हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स नामक एनजीओ ने राष्ट्रीय राजधानी के निचले इलाकों में फंसे संकटग्रस्त जानवरों को बचाने के लिए अभियान चलाया और कम से कम 300 कुत्तों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। एनजीओ ने बचाए गए जानवरों के लिए नोएडा के सेक्टर 135 में एक चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया है।

एनजीओ के संस्थापक संजय महापात्र ने कहा, हमने निचले इलाकों में फंसे जानवरों को बचाया और कम से कम 300 कुत्तों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हमने नोएडा सेक्टर 135 से 10-12 भैंसों को भी बचाया।

बचाए गए जानवरों के इलाज के लिए एक चिकित्सा शिविर स्थापित किया गया है। मौसम विभाग ने दिल्ली में और अधिक बारिश की संभावना व्यक्त की है।

विशेषज्ञों की मानें तो अधिक बारिश की वजह से यमुना विकराल रूप ले सकती है और बाढ़ का पानी निकलने में सामान्य से ज्यादा समय लग सकता है तथा सड़कों पर जलभराव से दिल्लीवासियों की समस्या और भी बढ़ सकती है। दिल्ली पिछले एक सप्ताह से बाढ़ और जलभराव से जूझ रही है।

स्थिति सामान्य होने तक जारी रहेंगे राहत शिविर: कांग्रेस

● दिल्ली सरकार ने कोई तैयारी नहीं की: जय प्रकाश अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मजनु का टिला राहत शिविर कैंप का दौरा किया और पीड़ितों को खाना वितरित किया।

मीडिया को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि दिल्ली में बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों की स्थिति जब तक सामान्य नहीं हो जाती कांग्रेस के राहत शिविर जारी रहेंगे। पीड़ितों को राहत पहुंचाने में दिल्ली सरकार के फेल होने के दावा करते हुए पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान में दिल्ली में जो भयावह परिस्थिति बनी हुई है उसमें दिल्ली कांग्रेस तू-तू मैं मैं में नहीं पड़ना चाहती। पूर्व मंत्री अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि वर्तमान में दिल्ली चार राजनीतिक पार्टियां हैं एक बीजेपी, एक आम आदमी पार्टी और एक कांग्रेस के साथ एक नई पार्टी है जो अफसरों की पार्टी है। हारून युसूफ ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने भाजपा और आम आदमी पार्टी ने फुटबॉल बना दिया है। अनिल भारद्वाज ने कहा कि सरकार से मांग करते हुए कहा कि सरकार तुरंत बाढ़ पीड़ितों के बैंक खाते में दस-दस हजार रुपए डाले।

भाजपा ने लगाया आप पर लापरवाही का आरोप

● केजरीवाल अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं, वह हर आपदा का राजनीति तौर पर इस्तेमाल करते हैं : लेखी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाढ़ से दिल्ली वालों का बुरा हाल है। लोगों के घर डूब गए हैं, सडकें दरिया बन चुकी हैं। इस पर अब सियासत भी शुरू हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि बाढ़ की स्थिति अगर आई है तो वह सिर्फ अरविंद केजरीवाल की लापरवाही का नतीजा है।

केजरीवाल अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं और वह हर आपदा को राजनीति तौर पर इस्तेमाल करते हैं। भाजपा मांग करती है कि केजरीवाल की लापरवाही के कारण जो 25000 से अधिक लोग सड़कों के किनारे रात गुजारने को मजबूर हैं उन्हें सरकार जल्द आर्थिक मदद देने की घोषणा करें। मीनाक्षी लेखी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कोरोना के समय को याद करते हुए कहा कि लोगों ने देखा कि किस तरह से जब कोरोना का समय था उस वक्त केजरीवाल ऑक्सीजन, भोजन, दवाईयां से लेकर हर जरुरत की चीजे केंद्र सरकार से मांगते दिखे थे जबकि अपनी तरफ से उन्होंने कोई व्यवस्था नहीं की थी।

उन्होंने हथिनी कुंड बैराज से 1978 से अब तक यमुना में छोड़े गए पानी की पूरी डिटेल साझा करते हुए कहा कि अब तक दिल्ली में सबसे ज्यादा 2013 (8.06 लाख क्यूसेक) और 2019 में (8.2 लाख क्यूसेक) पानी आया है लेकिन आज तक ऐसी स्थिति नहीं हुई जबकि इस बार सिर्फ 3.6 लाख क्यूसेक पानी से ही कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति आ गई। केजरीवाल ने अपने ट्वीट में खुद इस बात को स्वीकारा है जिसमें उन्होंने लिखा था कि गोताखोर टीम ने पानी के नीचे से सिल्ट कंप्रेसर द्वारा निकाली, फिर हाईड्रा क्रेन से गेट को खींचा गया। जल्द ही पाँचों गेट खोल दिए जाएँगे। उन्होंने मांग की कि यमुना की सफाई पर फ्लड कंट्रोल द्वारा खर्च किए गए 6,800 करोड़ रुपये की जांच होनी चाहिए।

यमुना कार्य योजना-तीन पर 1,011 करोड खर्च : डीजेबी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने कहा है कि उसे पिछले आठ साल में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत 1071.37 करोड़ रुपए मिले हैं और उसने यमुना कार्य योजना-तीन पर इस अवधि में 1011.67 करोड़ खर्च किए। आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में डीजेबी ने कहा कि उसे अतिरिक्त 205 करोड़ रुपए एनएमसीजी से पिछले पांच साल के दौरान प्राप्त हुए और यह पूरी रकम नमामि गंगे परियोजना के तहत खर्च कर दी गई। डीजेबी ने कहा कि एनएमसीजी के तहत मिले पैसे की मदद से वर्ष 2015-16 से नौ प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गईं हैं। इनमें से सबसे महंगी परियोजना के अंतर्गत 431.40 करोड़ रुपए की लागत से यमुना कार्य योजना-तीन के तहत ओखला में 564 एमएलडी जल-मल शोधन संयंत्र का निर्माण था।

राजधानी में पीने योग्य पानी के वितरण के साथ-साथ घरेलू कचरे के संग्रह और उसके निपटारे के लिए डीजेबी जि मेदार है। आरटीआई कार्यकर्ता अमित गुप्ता के सवाल के जवाब में आंकड़े साझा किए हैं।

प्रोफेसर संजय रॉय बने नए विभागाध्यक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित समाज कार्य विभाग के नए विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रोफेसर संजय रॉय ने संभाली । वह विभाग के इतिहास में अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने वाले सबसे कम उम्र के प्रोफेसर हैं।

भारत के प्रमुख सामाजिक वैज्ञानिकों में से एक प्रोफेसर रॉय, स्वदेशी सामाजिक कार्य अभ्यास की वकालत करते रहे हैं । उन्होंने विभिन्न संदर्भित पत्रिकाओं/पुस्तकों आदि में 80 से अधिक लेख/शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। विभाग के प्रमुख का कार्यभार संभालने के बाद, प्रोफेसर रॉय ने विभाग के गतिशील विकास की कल्पना करते हुए विभिन्न नई समितियों का गठन किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह में प्रोफेसर रॉय को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सरकार दिल्ली-एनसीआर में 80 रुपये किलो बेचेगी टमाटर

बाजार में ऊंचे भावों को देखते हुए केंद्र सरकार ने लिया फैसला, आम लोगों को मिलेगी राहत

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर और कुछ अन्य क्षेत्रों में रविवार से टमाटर 80 रुपए किलोग्राम के भाव पर बेचने की घोषणा की है।

टमाटर की ऊंची कीमतों से आम लोगों को राहत देने के लिए पहले सरकार इसकी बिक्री 90 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर कर रही थी। सरकार ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल वैन के जरिए रियायती 90 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। शनिवार को कुछ अन्य शहरों में सरकार ने रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, सरकार के हस्तक्षेप के बाद टमाटर की थोक कीमतों में कमी आई है। सरकार ने देश में कई स्थानों पर 90 रुपए की रियायती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। बयान में कहा गया है कि देश में 500 से अधिक स्थानों से मिली सूचनाओं के आधार पर सरकार ने स्थिति का आकलन किया है। अब सरकार ने रविवार 16 जुलाई से 80 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर टमाटर की बिक्री करने का फैसला किया है। मानसूनी बारिश और कम उत्पादन के सीजन की वजह से देश के प्रमुख शहरों में खुदरा बाजारों में टमाटर के दाम ऊंचाई पर पहुंच गए हैं।

कई शहरों में तो यह 250 रुपये किलो के भाव पर बिक रहा है। सरकार के अनुसार, शनिवार को टमाटर का अखिल भारतीय औसत दाम लगभग 117 रुपये प्रति किलोग्राम था।

उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, टमाटर की औसत अखिल भारतीय खुदरा कीमत शनिवार को 116.86 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि अधिकतम कीमत 250 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम 25 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

शास्त्री पार्क में व्यक्ति का शव मिला

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला, जिसके शरीर पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति की पहचान का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है और इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने कहा कि (रविवार) सुबह करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति का शव यहां शास्त्री पार्क इलाके के बेला फार्म में पड़ा है।

मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस दल ने एक व्यक्ति का शव बरामद किया, जिसकी गर्दन और पेट पर चोट के निशान थे। उपायुक्त ने कहा माना जा रहा है कि चोट किसी धारदार हथियार से लगी है। उन्होंने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति को किसी और स्थान पर मारा-पीटा गया और बाद में शव फेंक दिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के सभी स्कूल 18 तक रहेंगे बंद

● 7 जिलों के स्कूल खोलने का फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाढ़ प्रभावित 6 जिलों के सभी सरकारी और निजी स्कूल सोमवार और मंगलवार को बंद रहेंगे।

शिक्षा निदेशालय ने पूर्वी उत्तर पूर्वी, नॉर्थ वेस्ट-ए, सेंट्रल और साउथ ईस्ट जिले के सभी स्कूल बंद रखने के आदेश दिए हैं। दिल्ली के बाकी सभी 7 जिलों के स्कूल खोलने का फैसला किया है। स्कूल न खुलने का कारण कई इलाकों में भरा पानी बताया जा रहा है। पानी निकालने का काम लगातार जारी है। लेकिन, कई इलाके ऐसे हैं जहां से अभी भी पानी पूरी तरह नहीं निकल पाया है या काफी भरा हुआ है। दिल्ली सरकार के आदेश में कहा गया कि बाढ़ को देखते हुए यमुना नदी की सीमा से लगे इलाकों के स्कूलों में राहत शिविर चलते रहने की संभावना है।

सभी सरकारी, सरकारी डीओई के प्रभावित जिलों - पूर्व, उत्तर पूर्व, उत्तर पश्चिम-ए, उत्तर, मध्य और दक्षिण पूर्व में सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त स्कूल 17 और 18 जुलाई को छात्रों के लिए बंद रहेंगे।

वहीं दिल्ली नगर निगम ने अब वर्तमान में बाढ़ की स्थिति में सुधार होने के चलते निगम ने अपने सभी विद्यालयों में कक्षाओं के परिचालन करने के आदेश जारी कर दिया हैं।

निगम के आदेशानुसार 13 विद्यालय जिनमें राहत शिविर चल रहे हैं एवं 4 विद्यालयों जलभराव के कारण दो दिन 17 एवं 18 जुलाई 2023 को विद्यालय बंद रहेंगे। निगम के नरेला क्षेत्र में स्थित एक विद्यालय, सिविल लाइंस क्षेत्र के 3 विद्यालय, मध्य क्षेत्र के 3 विद्यालय, शाहदरा (उत्तरी) क्षेत्र के 4 विद्यालय एवं शाहदरा (दक्षिणी) क्षेत्र के 2 विद्यालयों में राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं।

इसके साथ ही जलभराव के कारण करोलबाग क्षेत्र का एक विद्यालय, मध्य क्षेत्र के 2 विद्यालय एवं सिविल लाइंस क्षेत्र का 1 विद्यालय बंद रहेंगे। दिल्ली नगर निगम ने बंद 17 विद्यालयों के शिक्षकों को ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को पढ़ाने संबंधी आदेश भी दिए हैं। दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना है। हालांकि बीते 24 घंटे में इसमें गिरावट आई है और यह 207.46 मीटर से गिरकर 205 मीटर के आस-पास पहुंत गया है।

खेल स्टेडियम में तीज मेला का लगने से पहले विरोध, खिलाड़ियों की भावना से खिलवाड़

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में खेलों का अभ्यास करते युवा पीढ़ी। खेल स्टेडियम मैदान की हरियाली को बनाएं रखनें के लिए कड़ी मेहनत करते हुए कर्मचारी।

शहर के ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में लगने वाले हरियाली तीज मेले के विरोध में स्थानीय समाज सेवी नागरिकों से लेकर खेलों से जुड़े खिलाड़ी इस बार विरोध जता रहे है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मेला लगने से स्टेडियम के मैदान गड्ढों का रुप ले लेता है। जिन्हें भरने में और मैदान को सुन्दर बनाने में दो से तीन माह का समय लग जाता है।

स्थानीय ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में पिछले करीब 15 वर्षों से लगता आ रहा हरियाली तीज मेला का पहली बार विरोध लगने से पहले होने लगा है। मेला की ठेका बोली 18 जुलाई को इसी मैदान के परिसर में खेल कमेटी अध्यक्ष एसडीएम की अध्यक्षता में लगनी है। इसलिए स्थानीय नागरिक मेला का स्थान स्टेडियम को छोड़कर बदला जाने की मांग करने लगे हैं। खेल से जुड़ने वाले खिलाड़ियों से लेकर सामाजिक कार्यकर्ता मेला को स्टेडियम से बाहर लगाने के पक्ष में आगे आ रहे है। समाज सेवी बिजेन्द्र का कहना है कि स्टेडियम में मेला लगने से मैदान की हरियाली समाप्त हो जाती है।

मैदान में टेंट और मनोरजन के संसाधनों को लगाने के लिए खोदे जाने वाले गड्ढों से शक्ल सूरत खराब हो जाती है। तरुण लठ का कहना है कि सोमवार को मेला का विरोध करने वाले शहरवासी एसडीएम को मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें तीज मेला को स्टेडियम में न लगाने की मांग की जाएगी।

क्या कहते हैं खिलाड़ी : स्थानीय स्टेडियम में दौड़ का अभ्यास करने वाले अमित सैनी का कहना है कि करीब एक माह का समय मेला लगने से समाप्त होने तक बीत जाता है। उसके बाद मैदान में बनें गड्ढ़ों को भरने में दो से तीन माह का समय लगता है। खिलाड़ियों को करीब चार माह तक खेल के अभ्यास करने में बाधा आती है। जबकि सर्दी के मौसम में किसी भी खेल का अभ्यास अच्छे से होता है। साक्षी का कहना है कि मैदान व उसके आस पास गड्ढे होने से सुबह शाम व्यायाम करने व चहल कदमी करने के लिए आने वाले आम नागरिकों को बहुत परेशानी होती है।

संक्षिप्त समाचार

लायंस क्लब ने पौधारोपण कर हरियाली बढ़ावा का दिया संदेश

सोहना। लायंस क्लब सोहना ने रविवार को पर्यावरण शुद्धीकरण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण की शुरुआत की। क्लब का यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। जिसके तहत 600 पौधे लगाएं जाएंगे। रविवार को लायंस क्लब सोहना शहर के दमदमा मार्ग पर बना स्वर्ग आश्रम में पौधारोपण की शुरुआत की। क्लब के नवनियुक्त प्रधान विजय अरोड़ा से लेकर क्लब के पीआरओर लायन राकेश संदूजा, लायन सुरेश मदान, लायन बिजेन्द्र जैन, लायन डॉक्टर सुरेश कालड़ा, लायन प्रदीप गुप्ता, लायन प्रकाश भटेजा आदि ने इस पौधारोपण में भाग लिया। क्लब के नवनियुक्त प्रधान विजय अरोड़ा ने बताया कि स्वर्ग आश्रम में 75 गमले लगाएं गए है। पौधारोपण की शुरुआत से करते हुए 31 जुलाई तक किया जाएगा। इस दौरान क्लब के माध्यम से 600 पौधे लगाएं जाएंगे। प्रधान ने बताया कि क्लब हर बार बरसात के मौसम में पर्यावरण शुद्धीकरण और हरियाली के उद्देश्य से यह अभियान चलाता है। क्लब के पीआरओ लायन राकेश संदूजा ने बताया कि उनके द्वारा पौधारोपण से अन्य सामाजिक संगठन, सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है। उनकी इस प्रेरणा से प्रत्येक प्राणी को फायदा होता है। उनके द्वारा लगाएं गए पौधों में आक्सीजन देने वालों से लेकर औषधिय, छायादार और फल देने वाले है। जिसमें पक्षियों के पंसद फल वाले पौधें अधिक है।

रसोई गैस की कालाबाजारी करने वाले आरोपी पर केस दर्ज

सोहना। भोंडसी थाना पुलिस ने मारुति कुंज निवासी के खिलाफ अवैध रुप से रसोई गैस की कालाबाजारी करने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। खाद्य आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर द्वारा आरोपी के घर से बरामद रसोई गैस के खाली सिलेंडर पुलिस को सौंप दिए है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है। भोंडसी थाना पुलिस को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एएफएसओ विजय कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि श्याम कुंज कॉलोनी निवासी श्याम तिवारी के घर में से 34 रसोई गैसे के सिलेंडर बरामद किए है। जिनमें 5 किलो ग्राम से लेकर 14 , 15 और 19 किलो ग्राम वाले शामिल थे। उक्त सिलेंडरों में रसोई गैस भरवाकर कॉलाबाजारी का गौरख धंधा चला रहा था। एएफएसओ ने पुलिस को बताया कि एक सिलेंडर 5 किलोग्राम गैस भरने वाला मौके पर फटा हुआ पड़ा मिला। जिससे यह साबित होता है कि आरोपी आबादी क्षेत्र के अंदर रसोई गैस की कालबाजारी करने के दौरान स्थानीय नागरिकों जीवन से खिलवाड़ करता रहा है।

ग्रेटर फरीदाबाद बीपीटीपी आरडब्लूए-एफ ब्लॉक ने पौधे लगाए

फरीदाबाद। रविवार को ग्रेटर फरीदाबाद के बीपीटीपी आरडब्लूए-एफ ब्लॉक सेक्टर-88 ने लगभग 150 छायादार और फलदार पौधे लगाकर ईश्वर द्वारा दी गई प्राणवायु को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की एक छोटी सी कोशिश की। इसमें आरडब्लूए प्रधान अजीत यादव, उपप्रधान रविंद्र चौधरी, कुलजीत मेहरा, कुलप्रीत साहनी, जेपी शर्मा, सुधीर दूबे, धर्मेश यादव, जयचंद अग्रवाल व स्वाति यादव, आलिया सुल्ताना, अर्पणा, नीतू मेहरा, शिखा शर्मा, काजल लखेरा, नीलम दूबे, मिनी ने भाग लिया। इस अवसर पर अजीत यादव ने कहा कि प्रकृति की हरियाली हमारे जीवन का मूल आधार है। यदि प्रकृति की हरियाली नष्ट हो गई तो धरती पर जीवन संभव नहीं होगा।

समाज की सेवा में सदा अग्रणी रहता है संत निरंकारी मिशनः सुधीर सिंगला

विधायक सुधीर सिंगला ने किया रक्त दान शिविर का शुभारंभ

शिविर में 234 निरंकारी श्रद्धालुओं ने किया रक्त दान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पटौदी चौक के पास संत निरंकारी मिशन सत्संग घर में रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते विधायक सुधीर सिंगला।

मानवमात्र के कल्याणार्थ सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं उनके दिव्य मार्गदर्शन से संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बसई रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में निरंकारी मिशन के भक्तों द्वारा नि:स्वार्थ भाव से रक्त दान किया गया। इस शिविर का उद्घाटन गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने किया। शिविर में 234 निरंकारी भक्तों ने रक्त दान किया।

इस अवसर पर संत निरंकारी मंडल दिल्ली से मेंबर इंचार्ज जोगिंदर मनचंदा, जेएस चावला, सीपीएबी कन्वीनर एसएल गर्ग, गुरुग्राम की संयोजक निर्मल मनचंदा, बसई रोड भवन के मुखी राजीव नागपाल, सेक्टर-31 भवन के मुखी संजय चुघ, पटौदी से सतीश कुमार, चकरपुर से कंवर सिंह यादव, सेवा दल संचालक कुलदीप, नंदकिशोर अग्रवाल, आरपी सिंह, कपिल, शिक्षक पुष्पेंद्र समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विधायक सुधीर सिंगला ने रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। जनकल्याण को समर्पित उनकी निस्वार्थ सेवा एवं बहूमूल्य योगदान के लिए मुक्त कंठ से प्रशंसा की। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि निरंकारी भक्तों में रक्त दान के लिए बहुत ही उत्साह है। उन्होंने रक्तदान के लिए महिलाओं की बढ़ती संख्या के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा, मानवता की सेवा में संत निरंकारी मिशन सदा अग्रणी रहता है।

शिविर में 234 रक्त दाताओं ने रक्त दान किया। इसमें 54 महिलाएं भी रक्तदान में शामिल हुई। रेड क्रॉस सोसायटी दिल्ली की टीम ने 142 यूनिट और गुरुग्राम सिविल अस्पताल ब्लड बैंक की टीम ने 92 यूनिट ब्लड एकत्र किया। वर्षा के बावजूद भी बहन भाइयों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। 294 रक्तदान करने वालों ने अपना पंजीकरण करवाया था। गुरुग्राम संयोजक बहन निर्मल मनचंदा द्वारा रक्तदान शिविर में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, रक्तदाताओं, डॉक्टर एवं उनकी टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया।

जलभराव की निकासी के लिए पानी में खड़े होकर किया प्रदर्शन

सेक्टर-40 में जलभराव की निकासी के लिए पानी में खड़े होकर प्रदर्शन करते लोग।

गुरुग्राम। सेक्टर-40 में जलभराव व अन्य समस्याओं को लेकर लोगों ने बरसात के पानी में खड़े होकर प्रदर्शन किया। नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी करते मूलभूत सुविधाओं की मांग की।

सेक्टर-40 में आरडब्ल्यूए के प्रधान भूपेंद्र यादव व उनके सहयोगियों अभिमन्यु, एसके जैन ने कहा कि उनके सेक्टर में सीवरों का बुरा हाल है। सीवर जाम की समस्या सदैव बनी रहती है। उनकी मांग है कि सीवर की समस्या समाप्त कर स्टॉर्म वाटर लाइन डाली जाए और उसकी सफाई कराई जाए, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई कराई जाए, पार्कों की हालत ठीक कराई जाए, कम्युनिटी सेंटर में मरम्मत का कार्य किया जाए, सेक्टर में वॉटर बूस्टर की व्यवस्था की जाए, सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए, सडक़ों में जो गहरे गड्ढे हो गए हैं उन्हें भरा जाए, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराई जाए।

लोगों ने सड़क पर भरे बरसाती पानी में खड़े होकर प्रदर्शन किया और पानी की निकासी की मांग की। लोगों ने कहा कि इन सब समस्याओं को लेकर वे कई बार नगर निगम के उच्चाधिकारियों से भी मिल चुके हैं और उन्हें अवगत भी करा चुके हैं। फिर भी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। यहां सड़कों पर दोपहिया वाहन चालकों व पैदल चलने वाले लोगों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। छोटे बच्चों की तो हालत ही खराब है। वे सड़कों पर हुए गड्ढों में गिरकर कई बार चोटिल भी हो चुके हैं। इन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराया जाए।

मानव आवाज संस्था ने विधि-विधान से कराई दो बेटियों की शादी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के जैन बिरादरी में आयोजित सामूहिक विवाह में वर-वधू को आशीर्वाद देते आयोजक व अतिथि।

विवाह कार्यक्रम में जैन समाज समेत अन्य संस्थाओं के लोगों ने भी किया सहयोग

जैन बारादरी, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में पाठशाला प्रणेता मुनि अनुमान सागर जी महाराज के सानिध्य व आशीर्वाद से मानव आवाज संस्था द्वारा रविवार को दो कन्याओं का विवाह किया गया। इसमें जैन समाज समेत कई समाजसेवी लोगों ने सहयोग करते हुए नवयुगलों को आशीर्वाद दिया।

मानव आवाज संस्था के संयोजक अभय जैन एडवोकेट ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से यह सब संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि राखी संग राजू और सुमन संग अनुज कुमार का विवाह पूरे विधि-विधान के साथ कराया गया है। जैन समाज के पुरुषों व महिलाओं ने दोनों तरफ के परिवारों के साथ मिलकर सभी रस्में पूरी करवाई। बैंड-बाजों के साथ दोनों दूल्हों की घोड़ी पर बारात निकाली गई। दोनों तरफ के परिवारजन, रिश्तेदार नाचते हुए यहां जैन बारादरी में बारात लेकर पहुंचे। जैन बारादरी के गेट पर ही दोनों की स्वागत रस्म की गई। मानव आवाज संस्था के सभी सदस्यों, जैन समाज के सदस्यों व अन्य सामाजिक संस्थाओं से आए लोगों में खुशी का उत्साह था। अपने परिवार की बेटी की शादी की तरह ही सभी इस शादी समारोह में शामिल हुए।

दूल्हे जब जैन बारादरी के वातानुकूलित हॉल में मंच पर पहुंचे तो उन पर पुष्प वर्षा की गई। फिर उनकी रिंग सेरेमनी और जयमाला की रस्म कराई गई। इस विवाह समारोह में अभय जैन एडवोकेट, मुकेश सिंघल, संदीप जैन, श्रेयांश जैन, संजय जैन, पीपी मेहता ने इस सामूहिक विवाह समारोह में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल, समाजसेवी बनवारी लाल सैनी, देवेंद्र जैन, श्रेयांस जैन, नरेश जैन, डा. वीके जैन, रिटायर्ड आईआरएस कल्याण सिंह शर्मा, एडवोकेट रविंद्र जैन, राकेश जैन, बिजय बोहरा, मुनेश जैन, विरेंद्र जैन, पूर्णचंद जैन, सुनील जैन, सचिन, संदीप जैन, देव जैन, विपिन जैन, राजीव जैन, पीपी मेहता, अशोक जैन, संदीप जैन, एमके लोढा, विजय वर्मा, गगन गोयल, बाली पंडित, संजय, मुकेश सिंघल, नरेश कालिंदी, महिलाओं की ओर से नीरा जैन, मंजू जैन, निर्मला जैन, निशि सिंघल, पूजा जैन, अर्चना जैन, प्रतिमा जैन, स्नेह गुप्ता, निशा गुप्ता, कविता सरकार का आयोजन में सहयोग रहा। दोनों जोड़ों को घरेलू उपयोग का सारा सामान व सोने-चांदी की ज्वैलरी दी गई।

प्रत्येक व्यक्ति 10 पौधे अडॉप्ट करके उनका पोषण करें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-12 में पौधारोपण करते नवीन गोयल व अन्य लोग।

रविवार को सेक्टर-12 से पर्यावरण संरक्षण की जंग नवीन भाई के संग विषय पर पौधारोपण समारोह का आयोजन किया गया। सेक्टर-12 आरडब्ल्यूए की ओर से सुंदर योग वाटिका में समारोह में पहुंचे अतिथियों व सभी सदस्यों ने पौधारोपण करके इस अभियान को निरंतर जारी रखने की बात कही।

कार्यक्रम में कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल, सेक्टर-12 आरडब्ल्यूए के प्रधान अशोक सैनी, महासचिव गजराज सिंह यादव, एमएस रोहिल्ला सहसचिव, पूर्व प्रधान ओपी कटारिया, सतबीर सिंह, गजेंद्र गुप्ता (बॉबी), पारस बक्शी, जयदेव शर्मा समेत काफी लोग मौजूद रहे। पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने कहा कि हम सबके प्रयासों से पर्यावरण में काफी सुधार हुआ है। जिस तरह से सभी लोग प्रकृति और पर्यावरण में सुधार करने के लिए हरियाली को बढ़ा रहे हैं, भविष्य में इससे कई गुणा ज्यादा काम करने की जरूरत है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति 10 पौधे अडॉप्ट करके उनका पोषण करें। 10 में से 8 पौधे अगर पेड़ बन जाते हैं तो हमारा प्रयास सार्थक होगा।

नवीन गोयल ने सेक्टर-12 आरडब्ल्यूए की नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा कि पूर्व सांसद डा. सुधा यादव और भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष ओप्रकाश धनखड़ के मार्गदर्शन में हरियाणा को हरा-भरा करने की मुहिम शुरू की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं, आरडब्ल्यूए को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हरियाली बढ़ाने पर जोर देना होगा। यह काम किसी व्यक्ति का निजी काम नहीं है।

पेड़ जीवनदायी होते हैं। यह हमें शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं। बदले में अगर कुछ लेते हैं तो वह कार्बन डाईऑक्साइड ही लेते हैं, जो कि हमारे लिए हानिकारक होती है। सेक्टर-12 आरडब्ल्यूए प्रधान अशोक सैनी ने नवीन गोयल के पर्यावरण के प्रति प्रयासों में सदा साथ रहने की बात कही।

तीन वार्डों को जोड़ने वाले मार्ग पर बनें जान लेवा गड्ढे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना में चुंगी नंबर दो से बालूदा जाने वाला मार्ग पर बनें गड्ढे।

शहर के तीन वार्डों को जोड़ने वाला बालूदा मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गया है। इस मार्ग पर बाइक-स्कूटी लेकर छोटें-बड़े वाहन रैंगते हुए चल रहे हैं। नगर परिषद की उक्त मार्ग को स्मार्ट बनाने की योजना भी अधर में लटक गई है।

राष्ट्रीय मार्ग गुरुग्राम-अलवर की चुंगी नंबर दो से बालूदा जाने वाला मार्ग पर नगर परिषद का एक तरफ वार्ड 4 लगता है। दूसरी तरफ वार्ड 5 और 6 लगता है। इस मार्ग पर तीन वार्डों की करीब 15 कॉलोनियों रहने वाले नागरिक आते व जाते है। इसके अलावा यह मार्ग ग्रामीण क्षेत्र के गांव खरौदा, दौला, हरचंदपुर, चूहड़पुर, पलवल आदि क्षेत्र को निकल जाता है। हाल ही में हुई बारिश ने इस मार्ग की हालत खस्ता कर दी है। मार्ग पर जगह-जगह बनें गड्ढ़ों के कारण वाहन 10 से 20 की गति से ही चलते है। मार्ग पर हल्की बारिश होने पर पानी जमा हो जाने कूड़ा कचरा सड़क के ऊपर आ जाने से गंदगी फैल जाती है। जिससे नागरिकों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

मार्ग के साथ बनें नालों की सफाई नहीं : बरसात का मौसम शुरु होने के बाद से नगर परिषद की तरफ से एक बार भी मार्ग के दोनों तरफ बनें नालों की सफाई नहीं की गई है। जिससे बरसाती पानी निकासी की सुविधा सही न होने से सड़क पर जमा हो जाता है। सड़क के साथ-साथ हरीनगर कॉलोनी में बनें मकानों के आगे बरसाती पानी जमा होने से नागरिक अपने ही घरों में कैद हो जाते है।

> **नगर** परिषद जहां तक मार्ग कंकरीट का बना है। परिषद वही तक उक्त मार्ग को स्मार्ट बनाएगीं। जिसकी तैयारियां शुरु कर दी है।
>
> **(दिगम्बर सिंह-जेई नगर परिषद)**

स्मार्ट मार्ग बनाने की योजना फेल : नगर परिषद ने उक्त मार्ग को शहर के अन्य सड़कों की भांति स्मार्ट बनाने की सूची में शामिल किया था। लेकिन परिषद स्मार्ट मार्ग बनाने की योजना को भूलकर बैठ गया है। वार्ड 6 के पार्षद राकेश रोहिल्ला ने बताया कि परिषद प्रशासन इस मार्ग की करीब 20 कॉलोनियों में रहने वाले नागरिकों को स्मार्ट मार्ग बनाने का मात्र सपना दिखाया है।

सीवर लाइन बिछाने के बाद खस्ता हुई सड़क : इस मार्ग पर करीब दो साल पहले जनस्वास्थ्य विभाग ने मार्ग के साथ-साथ सीवर लाइन ठेकेदार के माध्यम से डलवाई थी। लेकिन वर्तमान सीवर लाइन के ऊपर ठेकेदार द्वारा बनाई गई सीवर लाइन ऊपर सड़क का नामूनिशान तक मिट गया है।

बाढ़ से बचाव के कार्यों में युद्ध स्तर पर जुटे डेरा के सेवादार

घग्गर के पानी से गांवों को बचाने में कर रहे मदद

प्रवीन शर्मा। सिरसा

घग्गर में जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा हैं। जिस कारण जिले के कई गांव में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिला प्रशासन के आह्वान पर रविवार शाम को डेरा सच्चा सौदा के शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग के सैकड़ों सेवादार गांव पनिहारी व फरवाई में पहुंचे और बाढ़ राहत कार्य शुरू किया। सेवादारों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गांव के साथ लगते तटबन्धों को मिट्टी के गट्टे डालकर मजबूत किया। इस दौरान सेवादारों ने मिट्टी के गट्टे भरकर बांधों पर लगाया। डेरा सच्चा सौदा की ओर से हजारों खाली कट्टे भी ग्रामीणों को उपलब्ध करवाए गए, ताकि उन्हें मिट्टी डालकर गांव की फिरनी ऊपर पानी को आने से रोका गया। वही सेवादारों ने ग्रामीणों को लंगर ,भोजन, चाय, पानी का भी प्रबन्ध किया। इसके अलावा डेरा सच्चा सौदा के साथ संगत ने ग्रामीणों व प्रशासन को हर संभव सहायता देने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर पनिहारी की सरपंच नीतू ने मदद के लिए पहुंचे डेरा सच्चा सौदा की साध संगत का आभार जताया।

सिरसा के गांवों को घग्गर के पानी से बचाने के काम में जुटे डेरा सच्चा सौदा के सेवादार।

हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत खेलो गुरुग्राम मुहिम का हुआ आगाज

नाथूपुर गांव में डीसी निशांत यादव ने किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में नाथूपुर के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में खेलो गुरुग्राम मुहिम के तहत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों से परिचित होते डीसी निशांत कुमार यादव।

आजादी के अमृत काल में रविवार को हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत जिला में खेलो गुरुग्राम महोत्सव का शुभारंभ हुआ। डीसी निशांत कुमार यादव ने गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल नाथूपुर के ग्राउंड में गुरुग्राम खण्ड की क्रिकेट प्रतियोगिता का खुद क्रिकेट खेलकर शुभारंभ किया। डीसी निशांत कुमार यादव ने प्रतियोगिता में शामिल टीम के खिलाड़ियों से परिचय लिया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बीती 21 मई को गुरुग्राम में आयोजित राहगीरी कार्यक्रम के दौरान हरियाणा उदय कार्यक्रम लांच किया था। मुख्यमंत्री की इस पहल पर आगे बढ़ते हुए जिला प्रशासन गुरुग्राम ने खेलो गुरुग्राम व ग्रीन गुरुग्राम मुहिम को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। इन मुहिम से जुड़ने के लिए गुरुग्राम जिलावासियों ने अच्छा उत्साह दिखाया। खेलो गुरुग्राम मुहिम से जिला के करीब पांच हजार खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण कराया है।

पहले दिन 48 टीमों के बीच हुए 24 मुकाबले : खेलो गुरुग्राम अभियान के तहत रविवार को गुरुग्राम, पटौदी व फरूखनगर ब्लॉक में विभिन्न गांवों की 48 क्रिकेट टीमों के बीच कुल 24 मैच खेले गए। गुरुग्राम ब्लॉक में रविवार को गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल नाथूपुर, पटौदी ब्लॉक में गांव भौड़ा कलां स्थित मैत्री इंटरनेशनल स्कूल व फरूखनगर ब्लॉक में गांव खंडेवला स्थित राजीव गांधी खेल परिसर में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जिला में कुश्ती के लिए 276, एथलेटिक्स के लिए 643 खिलाड़ियों के आवेदन प्राप्त हुए है। वहीं समूह प्रतियोगिता में वॉलीवाल के लिए 136, रस्सा कस्सी के लिए 103 व क्रिकेट के लिए 152 टीमों ने पंजीकरण कराया है।

पौधरोपण कर दिया हरियाली को प्रोत्साहन का संदेश : डीसी ने कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर में पौधरौपण करते हुए जिलावासियों को हरियाली के लिए प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम जिला में हरियाली को प्रोत्साहन देने के लिए हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत ग्रीन गुरुग्राम मुहिम भी चलाई जा रही है। इस अवसर पर गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र यादव, खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग के उप निदेशक गिर्राज सिंह, जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी संधूबाला के साथ ही लीलू सरपंच नाथूपुर व क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

खट्टर सरकार ने दिल्ली डुबोने की साजिश में हरियाणा भी डुबो दिया : सुशील गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आप प्रदेश अध्यक्ष ने फरीदाबाद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया

प्रदेश में बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। लोगों को परेशानी को सामना करना पड़ रहा है और किसानों की फसल जलमग्न हो गई है। इस आपदा के कारण प्रदेश के कई लोग जान भी गवां चुके हैं।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता लगातार जनता के बीच हैं, लोगों की मदद कर रहे हैं। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने फरीदाबाद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों अजय नगर, अजय नगर पार्ट-2, बसंतपुर समेत कई कॉलोनियों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ग्राउंड जीरो पर पीड़ितों की हर संभव मदद कर रहे हैं और जरूरतमंद लोगों को भोजन व दवाइयां मुहैया करवा रहे हैं।

डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि बारिश की वजह से प्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों पर पानी आने से सड़कें टूटने लगी हैं। कई गांवों का संपर्क दूसरे इलाकों से कट रहा है। कई दिन से बिजली नहीं है, घरों में पीने का पानी भी खत्म हो गया है। लेकिन खट्टर सरकार का कोई व्यक्ति गांवों में नहीं पहुंच रहा, न ही कोई सरकारी मदद गांवों में मिल रही है। खट्टर सरकार आपदा प्रबंधन में फेल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री, स्थानीय सांसद, मंत्री, विधायक इस मुश्किल की घड़ी में कोई भी जमीन पर नजर नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की गठबंधन सरकार की अनदेखी के चलते आज पूरे प्रदेश में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। मानसून से पहले खट्टर सरकार ने नदी, नालों और ड्रेनेज की साफ - सफाई नहीं की। वहीं सरकार के स्मार्ट सिटी के सभी दावे फेल साबित हुए हैं। सड़कों पर पानी के तालाब बन गए हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते प्रदेश सरकार ने बंदोबस्त किए होते तो बाढ़ जैसे हालात नहीं पैदा होते। प्रदेश सरकार के पानी निकासी के दावों की हवा निकल चुकी है।

उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार हथिनी कुंड बैराज का पानी केवल दिल्ली की तरफ छोड़कर दिल्ली को डुबाना चाहती थी। जबकि उत्तर प्रदेश की कैनाल सूखी पड़ी है। इससे वॉटर लेवल कम हो सकता था और बाढ़ ग्रस्त एरिया को राहत मिलती, बहुत सारे गांव पानी की चपेट में आने से बच जाते। एक साजिश के तहत दिल्ली को डुबोने के कारण हरियाणा के सैकड़ों गांव भी बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ पीड़ितों तक तुरंत मदद पहुंचाए। वहीं आपदा प्रबंधन विभाग को एक्शन में लाकर लोगों तक मदद पहुंचाने का काम करे। उन्होंने कहा कि बारिश की वजह से लोगों के घरों और खेतों में पानी घुस गया है। इस समय प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को मदद की जरूरत है। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, शहरी जिला अध्यक्ष हरेंद्र भाटी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष दिनेश मलिक, अमन गोयल, संतोष यादव, आभाष चंदेला, राकेश भड़ाना, संजय फौजी, विजय बहादुरपाल सिंह और निरंजन सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ योद्धाओं को सैल्यूट : पं. सुरेंद्र शर्मा बबली

फरीदाबाद। यमुना नदी में आई भयंकर बाढ़ मे कई गांव जलमग्न हो रहे है। पं. सुरेंद्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर लोगों का हालचाल जाना, राहत टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरा प्रशासन इस कार्य में मुस्तैद है, स्वयं जिला उपायुक्त विक्रम, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा नेतृत्व कर रहे हैं। इस दौरान पता चला एसएचओ तिगांव ने टीम के साथ मिलकर आधी रात को 90 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। पंडित सुरेंद्र शर्मा बबली ने इंस्पेक्टर दलबीर सिंह, सब इंस्पेक्टर सज्जन सिंह, एनडीआरएफ, पुलिस फायर ब्रिगेड प्रशासन की पूरी टीम का माला पहनाकर सम्मान किया और कहा इन्होंने सैंकड़ों लोगों की जान बचाई है। ये बाढ़ योद्धा भगवान के रूप मे जनसेवा कर रहे है, इन्हें हम सैल्यूट करते हैं। इस अवसर पर पं. हरीश पाराशर एडवोकेट, पं. कृष्ण पाराशर एडवोकेट, पं. करण पाराशर इंजीनियर, पं. कुलदीप पाराशर, योगेश अग्रवाल, राजेश, रामजीलाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

बाढ़ के पानी में उतरकर विधायक नरेंद्र गुप्ता ने लिया जायजा

फरीदाबाद। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नरेंद्र गुप्ता ने यमुना नदी के जलस्तर के बढ़ने से आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान विधायक स्थिति को देख इतना भावुक हो गए कि स्वयं बाढ़ के पानी में उतरकर उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। नरेंद्र गुप्ता ने बाढ़ पीड़ितों से बातचीत की और उन्हें राहत सामग्री व भोजन के पैकेट वितरित किए। इस दौरान उनके साथ भाजपा उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, मंडलाध्यक्ष नीरज मित्तल, श्रीचंद गौतम, मनोज मंगला सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने बाढ़ पीड़ित लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से बाढ़ पीड़ितों के लिए गंभीर है तथा शासन व प्रशासन लगातार उनकी ममद के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा में सरकार का हर संभव प्रयास है कि भारी बारिश के कारण यमुना नदी में अचानक बढ़े जल स्तर से फरीदाबाद में किसी भी जान और माल की कोई हानि न हो। विधायक ने राहत शिविरों में लोगों से बातचीत की। उन्होंने आमजन से भी आह्वान किया कि वे प्राकृतिक आपदा में अपना योगदान अवश्य दें। उन्होंने नाव में यमुना नदी के जलस्तर बढ़ने का निरीक्षण किया और अधिकारियों को लोगों को जरूरत के अनुसार रहने, खाने, पीने व अन्य सुविधाओं के बारे में दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने ग्राम वासियों से अपील करते हुए कहा कि बारिश में बिजली की तारों से करंट लगने का खतरा बना रहता है। इसलिए बिजली की तारों से दूर रहें। इसके साथ ही अपने पशुओं का ध्यान रखें, कहीं वह यमुना के पास न चले जाएं और प्रशासन द्वारा चिन्हित किए गए स्थानों पर ही रहें।

मंत्री व पृथला, पलवल के विधायक बाढ़ पीड़ितों से मिले

फरीदाबाद। प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नयनपाल रावत और विधायक दीपक मंगला मोहना गांव पहुंच कर यमुना नदी के तटीय क्षेत्रों में बाढ़ ग्रस्त इलाके का जायजा लिया। इस दौरान प्रशासनिक तथा पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि गांव की फिरनी में आना यमुना का पानी आना शुरू हुआ। जहां परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा सरकार हर संभव प्रयास कर आमजन की मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस के सहयोग से एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। वही प्रशासन भी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। इस मौके पर विधायक नयनपाल रावत, विधायक पलवल दीपक मंगला, पलवल की एसडीएम शशि वसुंधरा, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, पलवल से तहसीलदार प्रेम कुमार, डीडीपीओ पलवल उपमा अरोड़ा, मोहना गांव के पूर्व सरपंच दानी पहलवान, रघुवीर पंडित सहित गांव के किसान व गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

लाडलियां भारी संख्या में जोश के साथ लगा रहीं पौधे

फरीदाबाद। बेटी बचाओ अभियान ने लाडली पौधारोपण के अंर्तगत जलघर जवाहर कॉलोनी में समाजसेविका जसविंद्र कौर की अध्यक्षता में 20 पौधे लगाये गये। इनेलो नेता जगजीत कौर ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर सुखमनी कौर, सीरत कौर, अवनीत कौर, अश्मीत कौर, सिमरत कौर, प्रभजौत कौर, रवलीन कौर और हर्षप्रीत कौर ने पौधे लगाए। अगला लाडली पौधारोपण का कार्यक्रम पुलिस लाइन सेक्टर 31 वाली रोड पर बेटी बचाओ अभियान की ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सतीजा की अध्यक्षता में किया जायेगा। संस्थापक व राष्ट्रीय संयोजक हरीशचंद्र आजाद ने कहा कि बेटी बचाओ अभियान के लाडली पौधारोपण में लाडलियां भारी संख्या में जोश के साथ पौधे लगा रही हैं और उन पौधों को पालने का जिम्मा भी ले रही हैं। चेयरमैन जगजीत कौर ने कहा कि पौधों और बेटियों के बिना सृष्टि की रचना करना भी असंभव है। इसलिये अगर सृष्टि को बचाना है तो ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहियें और उनकी देखभाल बच्चों की तरह करनी चाहिये, ताकि वे पौधे वृक्ष का रूप धारण कर सकें। चेयरमैन वासुदेव अरोड़ा और शीतल लूथरा ने कहा कि इतने ज्यादा पौधे लगायें कि धरती मां हरी-भरी होने के साथ-साथ प्रकृति में संतुलन बना रहे। जिससे आज देश में जो प्राकृतिक आपदा आ रही है, उससे बचा जा सके।

रेडक्रॉस द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में की जा रही खाने की व्यवस्था

फरीदाबाद। यमुना में बढ़े जलस्तर के बाद आसपास के गांवों में जलस्तर बढ़ने के बाद जिला प्रशासन व एनडीआरएफ की टीम द्वारा लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित शेल्टर होम पहुंचाया गया है तथा निरंतर यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसी के चलते गांव मंझावली तथा अकबरपुर से करीब 342 बाढ़ में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर सेफ होम पहुंचाया गया। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को खाने व पीने की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसलिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी व रोटरी क्लब के सहयोग से प्रशासन द्वारा स्थापित किये गए सभी 14 शेल्टर होम में अस्थाई रसोई स्थापित की गई हैं जिससे लोगों को खाना पहुंचाने में देरी न हो और लोगों को समय पर भोजन प्राप्त हो सके। लोगों को दिक्कत न हो इसके लिए मौके पर ही खाना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

विकास कार्यों को पूरा करने में नहीं आने दी जाएगी कमी : जगदीश नायर

विधायक ने चार करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विकास कार्यों के लिए धन का पिटारा खोल रखा है। विकास कार्य करवाने के लिए किसी भी विधानसभा क्षेत्र में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जा रही है। यह बात रविवार को होडल के विधायक जगदीश नायर ने विभिन्न गांवों की सड़कों के सौंदर्यकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य के शिलान्यास करने के उपरांत ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कही।

हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन व होडल के विधायक जगदीश नायर ने रविवार को विधानसभा होडल में लगभग चार करोड़ रुपए के विकास कार्यों के शिलान्यास किए। जगदीश नायर ने विधानसभा क्षेत्र में लोहिना से सेवली, सेवली से सराय तक की सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इन दोनों पीडब्ल्यूडी सड़कों को लगभग एक करोड़ 88 लाख रुपए की लागत से दुरुस्त किया जाएगा। इसी प्रकार 95 लाख की लागत से गांव सराय से गुदराना और एक करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से औरंगाबाद से मानपुर तक की सड़क का सौंदर्यकरण व सुधारीकरण किया जाएगा। विधायक ने कहा कि इन सड़कों के बनने से गांव सराय, लोहिना, मानपुर, औरंगाबाद, मित्रोल, गुदराना के लोगों सहित दर्जनभर के गांवों को आवागमन में बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इन सड़कों की बहुत पुरानी मांग थी, जिनके शिलान्यास किए गए हैं। यह कार्य पीडब्ल्यूडी द्वारा आगामी छह महीने में पूरा हो जाएगा। विधायक ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में इतने विकास कार्य कराए गए हैं, जितने पिछले 70 वर्षों में भी कभी नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष में और भी करोड़ों रुपए के विकास कार्य पूर्ण करवा दिए जाएंगे। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार किसान हितैषी सरकार है। केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेको योजनाएं बनाई गई है, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने सभी के लिए अनेक तरह की योजनाएं बनाई है।

आपदा में बाढ़ कंट्रोल रूम व अधिकरियों के नंबर पर करें संपर्क

बाढ़ बचाव कार्यों के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

पलवल। यमुना में पानी का जलस्तर बढ़ने से नदी के साथ लगते हुए जिला पलवल के गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। ग्रामवासियों की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ की टीम बचाव कार्यों में लगी हुई है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि इन बाढ़ प्रभावित गांवों से मोबाइल/दूरभाष के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने के लिए सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं, जिसमें प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लोगों से संपर्क करके उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की कार्रवाई करने के लिए विभिन्न अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

उपायुक्त द्वारा जारी आदेशानुसार गांव बागपुर खुर्द और बागपुर कला के लिए उप जिला शिक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह (9813043536) व खंड शिक्षा अधिकारी मामराज रावत (9466444561), गांव सोलडा और भोलडा के लिए बीडीपीओ पृथला परविंदर सिंह (9582740761) व ग्राम सचिव वेदपाल (9812375375), गांव शेखपुर और दोस्तपुर के लिए बीडीपीओ पलवल नरेश कुमार (9911315762) व एसईपीओ अंशुल डागर (9813607098), गांव गुरवाडी और चांदहट के लिए हरियाणा रोडवेज पलवल के महाप्रबंधक नवनीत सिंह (8860445460), इंद्रानगर और मोहबलीपुर के लिए बीडीपीओ हसनपुर प्रवीण कुमार (8860400275), गांव फाटस्कोनगर व बली मोहम्मदपुर के लिए मार्केट कमेटी हसनुपर के सचिव संदीप कुमार (7015290044), गांव मुर्तजाबाद और माहौली तथा हसनपुर के लिए हथीन के नायब तहसीलदार श्रवण कुमार (8814007772) व खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर अमर सिंह (9466286299) को नियुक्त किया गया है। यह अधिकारी सूचना प्राप्त होते ही बचाव में लग जाएंगे।

करोड़ों के आईफोन चुराने वाले आरोपी गिरफ्तार

चेन्नई से दिल्ली लाते समय ट्रक ड्राइवरों ने किया हाथ साफ, राजस्थान में छिपाए

पलवल। पुलिस ने चेन्नई से दिल्ली लाते समय 27 करोड़ रुपए कीमत के 3700 आईफोन लेकर गायब होने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उनके कब्जे से चोरी के चार फोन भी बरामद किए है, जिनकी कीमत करीब तीन लाख रुपए है।

डीएसपी सज्जन सिंह ने बताया कि राजस्थान के चूरू जिला के नोरंगापुर गांव निवासी राकेश ने 14 जुलाई को शिकायत में कहा था कि वह गुडगांव (मानेसर) स्थित एनआरवी लॉजिस्टिक लिमिटेड कंपनी में काम करता है। उनकी कंपनी की गाड़ी में 27 करोड़ रुपए कीमत के 3700 आईफोन लोड कर 11 जुलाई को आलीमेव गांव निवासी जफरूदीन व जिला नूंह के साढावाडी गांव निवासी शाहबदीन चेन्नई से दिल्ली के लिए चले थे, लेकिन समय पर दिल्ली माल नहीं पहुंचा। जिसके बाद उन्होंने पता किया तो गाड़ी होडल स्थित करमन बार्डर के पास मोबाइल चोरी कर लिए गए। पुलिस टीम ने आरोपी साहबदीन और जफरूदीन उर्फ जफरू को अंधोप मोड़ सोंदहद गांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से दो-दो एप्पल आईफोन-14 बरामद किए हैं।

आरोपियों ने बताया कि उनके हिस्से में आए बकाया फोनों को गढ़ी भरतपुर (राजस्थान) और तिजारा (राजस्थान) में रखा हुआ है। जिसके लिए दोनों को रिमांड पर लिया है।

अलग अलग हादसों में तीन लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पैदल व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, बाइक के आगे पशु आया, फोर व्हीलर से टकराई बाइक

जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर जिला नागरिक अस्पताल भिजवाया। शवों को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, असावटा गांव निवासी जितेंद्र ने शिकायत में बताया कि उसके चाचा जयचंद पलवल अनाज मंडी से अपने गांव असावटा के लिए आ रहा था। करीब साढ़े 11 बजे जब उसके चाचा जयचंद रेलवे फाटक के पास पहुंचे तो असावटा से पलवल आ रहे फोरव्हीलर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसके चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि आरोपी अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित तुरंत अपने चाचा को लेकर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचा, जहां से हालत गंभीर होने के चलते उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया। दिल्ली सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान उसके चाचा की मौत हो गई।

दूसरी दुर्घटना में शहर थाना प्रभारी तेजपाल के अनुसार, आल्हापुर गांव निवासी मनोज ने शिकायत दी कि उसके पिता मनोहर रात करीब आठ बजे हनुमान मंदिर पर कांवड़ियों का कार्यक्रम देखने के बाद सड़क क्रॉस करके वापस अपने घर लौटकर आ रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनके पिता को टक्कर मार दी। टक्कर लगने उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में वह अपने पिता को लेकर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इसके अलावा शहर थाना प्रभारी तेजपाल के अनुसार, अगवानपुर निवासी नीरज बाइक पर हाईवे से होता हुआ किसी निजी कार्य से पृथला गांव की तरफ जा रहा थाद्ध लेकिन जब उसकी बाइक आल्हापुर फ्लाईओवर के निकट पहुंची तो बाइक के आगे पशु आ गया और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ी, जिससे नीरज को गंभीर चोटें लगीं। उसे उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फरीदाबाद के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान नीरज की मौत हो गई।

युवती से छेड़छाड़ कर वीडियो सोशल मीडिया पर डाली

पलवल। एक युवक ने स्कूटी सवार लड़की से छेड़छाड़ करते हुए उसकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दी। साथ ही उसने युवती को तेजाब फेंक कर जिंदगी खराब करने की भी धमकी दी। महिला थाना पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। महिला थाना प्रभारी सुशीला देवी के अनुसार, शहर थाना अंतर्गत एक मोहल्ले निवासी 17 वर्षीय लड़की ने शिकायत दर्ज करवाई है कि वह और उसकी बहन 15 जुलाई की शाम को साढ़े पांच बजे स्कूटी पर मोहल्ले में स्थित मंदिर से घर आ रही थी। उसी दौरान रास्ते में मन्नू नामक युवक मिला, जिसने उस पर अश्लील टिप्पणी की। उसने स्कूटी रोक कर इसका विरोध किया तो आरोपी वीडियो बनाने लगा और उसके साथ छेड़छाड़ की।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की वर्ल्ड क्लास लैब शुरू

विश्व युवा कौशल दिवस के मौके पर हुआ पायलट रन, कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा नवाचार को मिलेगी गति

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में विश्व युवा कौशल दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मामलों में मुख्यमंत्री के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) जेएस नैन ने मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ. राज नेहरू की उपस्थिति में वर्ल्ड क्लास सीएनसी लैब का पायलट रन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए ई व्हीकल पर विशिष्ट अतिथि स्वामी निजामृतानंद, एसडीआईटी के निदेशक सुशील सारवान और कुलपति डॉ. राज नेहरू के साथ सवारी कर इसका लोकार्पण किया। अतिथिमंडल ने विश्वविद्यालय के नवाचार के लिए कुलपति डॉ. राज नेहरू को बधाई दी। यह ई व्हीकल स्क्रैप से तैयार किया गया है। इसका डिजाइन और निर्माण सब विद्यार्थियों ने स्वयं किया है।

विश्व युवा कौशल दिवस के मौके पर विद्यार्थियों ने विभिन्न मॉडल और आयामों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया। अतिथियों ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल की प्रशंसा की। तकनीक और कौशल पर आधारित यह प्रदर्शनी आकर्षण का बड़ा केंद्र बनी। इस अवसर पर जेएस नैन ने कहा कि सॉफ्ट स्किल मानव और मानवता के लिए बहुत आवश्यक है। युवा वर्ग अपने मौलिक प्रयासों से इसे हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें युवा का अर्थ सही मायनों में समझना होगा। नवीन करने के संकल्प, ललक और नवाचार ही भारत को विश्व का कौशल केंद्र बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को कौशल की धुरी बनाने के उद्देश्य से ही श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है। यह विश्वविद्यालय ही कुलपति डॉ. राज नेहरू के नेतृत्व में कौशल अभियान को क्रियान्वित करने में सक्षम है। उन्होंने युवा शब्द को परिभाषित करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरित किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज नेहरू ने कहा कि जिसके भीतर इच्छाएं पलती हैं और संकल्पों के साथ विकसित होती हैं, वही सही मायने में युवा हैं। युवावस्था का उम्र से संबंध नहीं है। नेहरू ने कहा कि सीखने की ललक और नवाचार की दृढ़ता हमें सफल बनाती है। उन्होंने कहा कि जॉब खत्म भी हो रहे हैं और नए स्वरूप में उनका सृजन भी हो रहा है। इसलिए कौशल और नवाचार का महत्व बढ़ रहा है। कुलपति ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय एक जुनून के साथ अद्वितीय गति से अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है।

कौशल विकास एवं औधोगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक सुशील सारवान ने कहा कि कौशल युवाओं के लिए आवश्यक है। जब तक युवाओं को पूर्ण रूप से कौशल नहीं देंगे और उन्हें इंडस्ट्री तक नहीं लेकर जाएंगे, तब तक वह आगे नहीं बढ़ सकते। डॉ. राज नेहरू दिन रात इस काम में लगे हैं। वह तकनीक और कौशल को आगे बढ़ा रहे हैं। इस विश्वविद्यालय की ओर से आने वाले हर प्रोजेक्ट को स्वीकृति दी जाएगी।विशिष्ट अतिथि के रूप में अमृता अस्पताल के प्रबंध निदेशक स्वामी निजामृतानंद पुरी ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण का एक मिशन है। यहां आकर लगा कि मैं विद्यार्थियों से नहीं उद्यमियों से मिल रहा हूं। यह विद्यार्थी एक न एक दिन दुनिया में जरूर छा जाएंगे। स्वामी निजामृतानंद पुरी ने कहा कि यदि हमारे पास संकल्प है तो हम कुछ भी करने में सक्षम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के स्किल सेट की सराहना की। मुख्य वक्ता व्हीलबॉक्स के सीईओ निर्मल सिंह ने कहा कि हर व्यवसायिक संस्थान को भाषा और ज्ञान पर केंद्रित होना होगा। विद्यार्थियों में सीखने की इच्छा और प्रॉब्लम सॉल्विंग एप्रोच विकसित करनी होगी। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण काम कर रहा है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा ने विवि के विजन और मिशन पर समग्रता से प्रकाश डाला।

चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण

उल्लेखनीय उपलब्धि

चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से स्पष्ट है कि भारत अंतरिक्ष खोज में बहुत आगे निकल गया है। इस बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो की भी असाधारण प्रगति हुई है और यह एक लड़खड़ाते संगठन से बढ़ कर आज वैश्विक स्तर पर स्वीकृत अंतरिक्ष एजेंसी बन गया है। यह भारत की वैज्ञानिक क्षमता तथा अडिग प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपने चंद्र मिशनों के माध्यम से इसरो ने न केवल चंद्रमा के बारे में हमारी जानकारियों को विस्तार दिया है, बल्कि उसने करोड़ों लोगों की कल्पना को पंख लगा दिए हैं। उसने वैज्ञानिकों व इंजीनियरों की नई पीढ़ी को प्रेरणा दी है। आज भारत सितारों पर पहुंच रहा है। दुनिया चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के परिणामस्वरूप होने वाली खोजों और प्रगति की प्रतीक्षा कर रही है। अंतरिक्ष खोज के वैश्विक मंच पर भारत एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है और वह लगातार अपनी सीमाओं को विस्तार देते हुए उम्मीदें और बढ़ा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो के तीसरे चंद्र मिशन में शामिल चंद्रयान-3 का बहु-प्रतीक्षित प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक बड़ी छलांग है। हर मिशन के साथ भारत न केवल अपने वैज्ञानिक ज्ञान का विस्तार कर रहा है, बल्कि अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका भी मजबूत कर रहा है। चंद्रयान-3 का महत्व पूरी तरह समझने के लिए इसरो की उल्लेखनीय यात्रा पर गौर करना जरूरी है। 1969 में अपनी छोटी सी शुरुआत के बाद से भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने लंबा रास्ता तय किया है, उसने अनेक

चुनौतियों का सामना किया है तथा अभूतपूर्व सफलतायें प्राप्त की हैं। इसरो की दृढ़ता एवं प्रतिबद्धता ने भारत की अंतरिक्ष संबंधी महत्वाकांक्षाओं को यथार्थ में बदल दिया है। इसरो की शुरुआती उपलब्धियों में 1975 में भारत के पहले उपग्रह 'आर्यभट्ट' का प्रक्षेपण शामिल है जिसने भावी पहलों की नीव रखी थी। पिछले वर्षों में संगठन ने बहुत कम कीमत में तकनीकी रूप से उत्कृष्ट मिशनों को सफल बना कर गरिमापूर्ण स्थान प्राप्त किया है। इसमें 2013 में प्रक्षेपित मार्स आर्बिटर मिशन-एमओएम शामिल है। पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुंच कर इसरो ने अंतरिक्ष खोज में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की है। 2008 में इसरो ने भारत के पहले चंद्र मिशन में शामिल चंद्रयान-1 को प्रक्षेपित कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की थी। चंद्रयान-1 ने भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को स्पष्ट किया था और देश को चंद्रमा की खोज करने वाले देशों की विशिष्ट बिरादरी में शामिल कर दिया था। इस सफलता के आधार पर इसरो ने लंबी छलांग लगाते हुए 2019 में चंद्रयान-2 प्रक्षेपित किया। चुनौतीपूर्ण लैंडिंग प्रयास के बावजूद इस मिशन ने अनेक उपलब्धियां प्राप्त कीं जिनमें चंद्रमा की कक्षा में आर्बिटर का सफल प्रवेश तथा विक्रम लैंडर का छोड़ना शामिल हैं। हालांकि, लैंडर को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, पर आर्बिटर अभी चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगाते हुए मूल्यवान डेटा और चित्र भेज रहा है। चंद्रयान-3 भारत के चंद्रमा खोज कार्यक्रम की निरंतरता तथा अंतरिक्ष खोज के प्रति इसरो की अडिग प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस मिशन का उद्देश्य पिछली उपलब्धियों पर आगे कदम बढ़ाना, सहज लैंडिंग पर ध्यान देना तथा चंद्रमा की सतह पर खोज के लिए रोवर संचालित करना है। चंद्रयान-3 का भारत के लिए बड़ा प्रतीकात्मक महत्व है। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष खोज में प्रमुख पक्ष बनने की देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है और यह केवल राष्ट्रीय गरिमा के लिए न होकर मानवता की बेहतरी के लिए भी है।

न्यायिक सक्रियता का विस्तार

न्यायिक सक्रियता के विस्तार ने हमारे संवैधानिक ढांचे को प्रभावित किया है और यह प्रशासन में हस्तक्षेप करता है जो बिल्कुल अलग क्षेत्र है।

सुरेश कुमार संजीव शर्मा

वर्ष 1950 में लागू होने के बाद भारत के संविधान में समाज की बदलती महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप अनेक संशोधन हुए हैं। हालांकि, इनमें से अनेक संशोधनों पर शुरुआत में ध्यान नहीं दिया गया, पर 1975 में आंतरिक आपातकाल के दौरान हुए 42वें संविधान संशोधन ने ऐसे महत्वपूर्ण परिवर्तन किए जिनका प्रभाव कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर पड़ा। इसने राज्यों तथा केन्द्र के बीच शक्तियों के विभाजन में परिवर्तन कर समवर्ती सूची का विस्तार किया। हालांकि, इन परिवर्तनों के बावजूद अंतत: संविधान व राष्ट्र की रक्षा की गई। संविधान ने न्यायिक व गैर-न्यायिक कार्यों के बीच अंतर करते हुए सरकार की तीन शाखाओं-विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के कामकाज को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है। इन शाखाओं के काम परस्पर पूरक हैं। जहां कार्यपालिका की शक्ति विधायिका से प्राप्त होती है, वही न्यायपालिका उसके कामों को प्रभावी रूप से पूरा करती है। लेकिन हालिया वर्षों में न्यायपालिका के विस्तार या न्यायिक सक्रियता के बारे में बहस तेज हो रही है। 1971 में हुए भारतीय संविधान के 24वें संशोधन ने संविधान में संशोधन की संसद की शक्तियों पर विचार किया। इसने अनुच्छेद 368 में संशोधन किया जिसका संबंध संशोधन प्रक्रिया से है। संशोधन ने किसी प्राविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति का विस्तार किया जिसमें मूलाधिकार भी शामिल हैं। इसने अनुच्छेद 13 में एक धारा भी जोड़ी जिसके अनुसार अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संशोधनों को न्यायिक समीक्षा के बाहर करते हुए कहा कि इनको मूलाधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

24वें संविधान संशोधन का लक्ष्य सर्वोच्च न्यायालय के गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य तथा केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य में दिए फैसलों को बदलना था। इन फैसलों ने 'मूलभूत संरचना' सिद्धान्त की पुष्टि की थी जिसमें संविधान संशोधन करने की संसद की शक्तियों को सीमित किया गया था। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती मामले में 24वें संशोधन को आंशिक रूप से शून्य घोषित कर दिया। अदालत ने मूलभूत संरचना सिद्धान्त को स्थापित कर संसद की संशोधन शक्तियों को और सीमित कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 24 अप्रैल, 1973 में दिए केशवानंद भारती फैसले में कहा गया था कि अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संविधान संशोधन की संसद की शक्तियां असीमित नहीं हैं। उसने कहा कि संविधान के कुछ प्रमुख सिद्धान्त और तत्व 'मूलभूत संरचना' हैं, ये अनुल्लंघनीय हैं और इनमें संशोधन नहीं किया जा सकता है। हालांकि, निर्णय में इसकी कोई सूची नहीं दी गई थी कि मूलभूत संरचना क्या है, पर इसने संविधान की सर्वोच्चता, सरकार के गणतांत्रिक व लोकतांत्रिक स्वरूप, पंथनिरपेक्ष चरित्र, शक्तियें के पृथक्करण, संघीय चरित्र, न्यायिक समीक्षा तथा कानून के शासन जैसे तत्वों को परिभाषित किया था। पिछले वर्षों में 'मूलभूत संरचना' अवधारणा का विस्तार कर कहा गया है कि यदि नागरिकों के अधिकार प्राप्त नहीं होते हैं तो बिना मूलाधिकारों का उल्लंघन किए कार्यपालिका की जिम्मेदारी उनको प्रदान करना है। न्याय प्रदान करने में विस्तार का यह काम जनहित याचिकाओं-पीआईएल के माध्यम से किया गया जो संवैधानिक अदालतों के कामकाज का विस्तार गैर-न्यायिक कामों तक करती हैं। इस प्रकार मूलभूत संरचना की व्याख्या ने उन कार्रवाइयों व निर्णयों को समाहित किया जो न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत न्यायिक जांच से अलग थे।

संविधान की मूलभूत संरचना की सुरक्षा की प्रक्रिया में न्यायपालिका ने वे शक्तियां प्राप्त कर ली जो मूलभूत रूप से उसे नहीं दी गई थीं और इस प्रकार उसने कथित रूप से कार्यपालिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप किया। इस हस्तक्षेप के अनेक कारण हो सकते हैं जिनमें सेवानिवृत्ति-पश्चात लाभ तथा संभवत: कुछ निर्णय प्रभावित करने की इच्छा शामिल हैं। इस प्रकार के हस्तक्षेप से न्यायपालिका की निष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा शक्ति संतुलन के बारे में चिन्ता पैदा होती है। अनेक मामलों में न्यायपालिका ने अपने फैसलों के माध्यम से कार्यपालिका को एक खास तरीके से कानून व नियम बनाने को मजबूर किया है। कार्यपालिका भले ही आदेशों का पालन करे, पर इससे यह सवाल भी उठता है कि निर्देशों के अनुसार विधायन कैसे हो सकता है। इससे विधायिका की स्वतंत्रता भी प्रभावित होती है जिसे विधायन करना चाहिए तथा वह किसी असंवैधानिक प्राविधान की न्यायिक समीक्षा के दायरे में आती है। निर्वाचित सरकार की विचारधारा से प्रभावित विधायन का उद्देश्य न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। जब नीतियां और विधायन अस्पष्ट हो या विकसित हो रहा हो तब विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच टकराव के अनेक मामले सामने आते हैं। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग-एनजेएीसी मामला इसका एक उदाहरण है। 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने 99वें संविधान संशोधन कानून तथा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून को खारिज कर दिया था जिसमें न्यायिक नियुक्तियों व स्थानान्तरण के प्राविधान थे। अदालत ने कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया था क्योंकि यह न्यायिक स्वतंत्रता तथा शक्तियों के पृथक्करण सिद्धान्त का उल्लंघन करता था। जजों द्वारा जजों की नियुक्ति व उनके स्थानान्तरण का मुद्दा आलोचना का विषय रहा है। सालों तक जजों की पदोन्नति या स्थानान्तरण के मुद्दे लंबित रहने के कारण कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच टकराव स्पष्ट रूप से सामने आता है। चूंकि कोई व्यवस्था संपूर्ण नहीं होती है, इसलिए सुधारों की आवश्यकता पड़ती है।

इसी प्रकार 'आधार' कार्ड मामले में सरकारी सेवाओं में आधार प्रयोग को अनिवार्य बनाने के मामले में न्यायपालिका व कार्यपालिका के बीच मतभेद सामने आए। अदालत द्वारा निजता अधिकारों पर जोर देने तथा सीमायें आरोपित करने के बावजूद कार्यपालिका बिना उपयुक्त निजता संरक्षण कानूनों के आधार डेटा प्रस्तुत करने को अनिवार्य बना रही है। संसद सदस्यों-एमपी तथा विधानसभा सदस्यों-एमएलए के आपराधिक मामलों में दोषसिद्ध होने पर अयोग्यता पर भी टकराव पैदा हुआ है। जहां न्यायपालिका दोषसिद्ध होने पर अयोग्यता के प्राविधान उचित मानती है, वहीं कार्यपालिका कभी-कभी कानून के अनुसार काम करने से इनकार कर देती है। शैक्षिक संस्थानों तथा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मामले में विधायिका व न्यायपालिका के बीच टकराव सामने आए हैं। न्यायपालिका उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहती है, जबकि कार्यपालिका को इस संबंध में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राज्यों व केन्द्र के स्तर पर एक कानून होने से टकराव कम होगा। शासन के तीनों अंगों के बीच पर्यावरण मुद्दों एवं नियमनों पर भी टकराव हुआ है। पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में कुछ उद्योगों या गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के मामले में न्यायपालिका के हस्तक्षेप को कभी-कभी कार्यपालिका द्वारा न्यायपालिका के विस्तार के रूप में देखा जाता है। इसके साथ ही विधायिका द्वारा बनाए कानूनों में कुछ खाली स्थान छूट जाते हैं जिनके प्रति कार्यपालिका आंखें बंद कर लेती है या उनके दुरुपयोग की अनुमति दे देती है। ऐसे मामलों में उचित व न्यायोचित प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी हो जाता है। न्यायिक फैसलों के माध्यम से नीतिगत कमियां दूर करने या उनमें सुधार करने के अवसर मिलते हैं।

हालांकि, भारत के संविधान में अक्सर संशोधन हुए हैं, पर उसने समाज की आकांक्षाओं को पूरा किया है। लेकिन न्यायिक विस्तार या न्यायिक सक्रियता ने वैसे इस गैर-विवादास्पद विषय पर नकारात्मक छाया छोड़ी है। जहां देश की मूलभूत संरचना बनाए रखने में न्यायपालिका महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, वहीं सरकार के तीनों अंगों-विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। इस संतुलन से हर शाखा को अपना कामकाज करने में सुविधा होती है और संवैधानिक ढांचे के प्रति निष्ठा से छेड़छाड़ भी नहीं होती है। प्रभावी प्रशासन इस प्रकार सुनिश्चित हो सकता है कि कार्यपालिका संवैधानिक रूप से स्वीकृत व समर्थित नीतियां बनाए जिससे न्यायपालिका पर बोझ कम हो तथा लोकतंत्र व कानून के शासन के सिद्धान्तों को प्रमुखता मिले एवं शक्तियों का संतुलन बना रहे।

शोध के लिए उपहार है राष्ट्रीय शोध संस्थान विधेयक

एनआरएफ विधेयक की स्वीकृति के बाद विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही बढ़ गयी है।

केएन सिंह
(लेखक, दक्षिण बिहार केंद्रीय विवि गया के कुलपति हैं)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक महत्वपूर्ण एवं समसायिक संस्तुति, एन.आर.एफ. यानि नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना संबंधित विधेयक की स्वीकृति, केंद्रीय कैबिनेट द्वारा होने के बाद शोध एवं अनुसन्धान से जुड़े संस्थानों एवं व्यक्तियों में नई आशा की किरण जगी है। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अमृत काल खंड की समाप्ति पर 2047 में विकसित भारत के प्रण को पूर्णता प्रदान करने में राष्ट्रीय अनुसन्धान संस्थान की स्थापना की निर्णायक भूमिका होगी।

जातव्य है कि भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री के अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रीय अनुसन्धान संस्थान की स्थापना विधेयक 28 जून को स्वीकृत हो गया। इस चिर प्रतिक्षित घोषणा से शोध से जुड़े लोग उत्साहित हैं एवं नि:संदेह इससे शोध एवं नवाचार में गुणात्मक एवं सृजनात्मक परिवर्तन होगा। स्वतंत्र भारत में अभी तक शोध को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया, जिससे शोध परख वातावरण का सृजन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है की अभी तक भारत अपनी सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 0.59 प्रतिशत शोध एवं नवाचार पर निवेश करता है, जबकि तुलनात्मक रूप में यह संयुक्त राज्य अमेरिका में 28 प्रतिशत, इजराइल में 4.3 प्रतिशत एवं दक्षिणी कोरिया में यह 4.2 प्रतिशत है। इस न्यून निवेश के चलते उच्च स्तरीय शोध प्रपत्र प्रकाशन एवं पेटेंट के मामले में हम विकसित देशों की तुलना में पिछड़ते गए।

शोध नवाचार एवं पेटेंट में पिछड़ने का कारण भारत में प्रतिभा का अभाव नहीं अपितु शोध के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा का भाव रहा। शोध एवं नवाचार के प्रति चली आ रही उदासीनता से उबरने एवं वैज्ञानिकों को उत्साहित करने हेतु भारत के वर्तमान प्रधान मंत्री ने जालंधर में 10 वी इंडियन साइंस कांग्रेस के उद्घाटन भाषण में नए संकल्पों को आयाम दिया। इस दिशा में उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री द्वारा दिये गए नारा जय जवान जय किसान, स्वर्गीय अटल जी द्वारा इसमें जोड़े गए नारे जय विज्ञान! से आगे बढ़कर इसमें जय अनुसन्धान का नारा जोड़ दिया। प्रधानमंत्री के उक्त व्याख्यान के बाद शोध कर्ताओं एवं शोध संस्थानों में आशा जगी, कि अब शोध हेतु सरकार द्वारा अभूतपूर्व प्रयास होंगे। एन.आर.एफ. की स्थापना की घोषणा से शोध एवं नवाचार के अच्छे दिनों की शुरुआत हो गयी है।

राष्ट्रीय अनुसन्धान संस्थान यानि एन.आर.एफ़. विधेयक की कैबिनेट द्वारा मंजूरी के बाद शिक्षा एवं शोध के बीच विद्यमान खाई पटेगी। शिक्षा और शोध के बीच समन्वय एवं परिपूरकता का भाव जागृत होने से शोध अनुकूल वातावरण का सृजन होगा। यह भी उल्लेखनीय है कि एन आर एफ का विशेष केन्द्रीयकरण केंद्रीय नियंत्रण के चलते देश में विद्यमान प्रादेशिक विषमता को न्यूनतम करना संभव हो सकेगा ,जो राष्ट्रीय एकता एवं विविधता के सम्बर्धन के लिए समसायिक आवश्यकता है। ज्ञातव्य है कि शोध परख वातावरण सृजन तथा आवश्यकता आधारित एवं समस्या- समाधानोन्मुख शोध के लिए केंद्रीय स्तर पर राष्ट्रीय शोध संस्थान नियामक संस्था होगी।

यदि विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को परिणामदायी बनाना है, तो उनकी आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुरूप धन उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शोध संस्थान के माध्यम से अगले पांच सालों में पचास हज़ार करोड़ रूपये खर्च होंगे, जिसका आवंटन हो चुका है इस विधेयक का एक सशक्त पक्ष यह है कि एन आर एफ का सञ्चालन एक विशेष संचालन समिति द्वारा किया जायेगा, जिसमें सोलह सदस्य होंगे, जो उद्योग जगत एवं शिक्षा क्षेत्र दोनों से होंगे इस गवर्निंग बॉडी की अध्यक्षता स्वयं प्रधान मंत्री करेंगे, जबकि साइंस एवं टेक्नोलॉजी मंत्री इस समिति के पदेन उपाध्यक्ष होंगे। एन.आर.एफ. की संचालन समिति की अध्यक्षता प्रधान मंत्री द्वारा होना इसकी महत्ता को स्वयं उद्घाटित करता है एवं सरकार के संकल्प को उजागर करता है।

अभी तक शोध के लिए धन उपलब्ध कराने वाली संस्थाएं यथा डी.बी.टी., डी.एस.टी., आई.सी.ए.आर., आई.एम.आर.आई, आई.सी.एस.एस.आर., आई.सी.एच.आर., आई.सी.पी.आर., यू.जी.सी. आदि में समन्वय, परिपूरकता तथा सामूहिकता का आभाव रहा है। अब ये सभी संस्थाएं एक छतरी के नीचे काम करेंगी। यह भी काबिलेगौर है कि एन आर एफ़ मातृभाषा एवं स्थानीय भाषाओं के माध्यम से शोध को बढ़ावा देगा, जिससे भाषा, शोध की गुणवत्ता में बाधा न बन सके।

राष्ट्रीय अनुसन्धान संस्थान सरकार के विभि-?न मंत्रालयों, विभागों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बीच समन्वय स्थापित करेगा, जिसके आधार पर शोध की प्राथमिकताएं निर्धारित हो सके। प्रत्येक क्षेत्र में भौगोलिक संसधानता का अलग अलग स्वरुप है, अत: हर क्षेत्र के संसाधन के अनुरूप एवं समय की आवश्यकता के सापेक्ष शोध के विषय की प्राथमिकता का निर्धारण देश की विशालता एवं विविधता को देखते हुवे अति आवश्यक है। उक्त चुनौती का समाधान विभिन्न विभागों एवं मंत्रालयों के बीच समन्वय से संभव है। ज्ञातव्य है कि आज की विद्यमान स्थिति में विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान उद्योग जगत के साथ साथ स्थानीय एवं प्रादेशिक आवश्यकता पर आधारित शोध से निरपेक्ष है , जिससे परिणामदायी एवं सार्थक शोध का अभाव है।

एनआरएफ विधेयक की स्वीकृति के बाद विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही बढ़ गयी है। विश्वविद्यालओं से अपेक्षित है कि वे अपने क्षेत्र एवं देश में उभरती समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हुवे, शोध की प्राथमिकताएं निर्धारित करें,क्योंकि अब शोध अनुकूत्र संस्कृति की शुरुआत हो चुकी है। एन.आर.एफ़ विधेयक की स्वीकृति के लिए वर्तमान केंद्रीय सरकार साधुवाद की पात्र है।

आप की बात

नगर नियोजन

हाल ही में 5 प्रांतों में आई बाढ़ ने लोगों को भारी संकट में डाल दिया जिससे शासन- प्रशासन भी सकते में आ गया। पिछले 40 सालों में ऐसी जबरदस्त बरसात नहीं हुई और मौसम विभाग के भी अनुमान गलत साबित हो गए। बाढ क्षेत्र में एनडीआरएफ की सेवा लेने पर राहत पहुंचाई जा सकी। वस्तुत: अस्थायी योजना, कमजोर निर्माण, सरकारों में तालमेल की कमी, सुरक्षा साधनों के अभाव, संकुतिच दृष्टिकोण अपनाने तथा समुचित व स्थाई नगर नियोजन न होने से जनता को इस खतरनाक स्थिति से गुजरना पड़ा। ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति हर साल लंबे समय तक चलेगी। अत: पानी निकासी, साफ-सफाई, मजबूत नाली-बांध-नहर और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखते हुए जल-निकासी व्यवस्था के निर्माणों के साथ ही अवैध निर्माण कार्यों पर सख्त प्रतिबंध संबंधी दीर्घकालीन नगर नियोजन पर ध्यान देने की जरूरत है। अब तक देखने में आता है कि बरसात बीतने के बाद उससे पैदा समस्याओं को भुला दिया जाता है तथा अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार, माफिया व भ्रष्ट तत्व बदस्तूर अपने काम में लग जाते हैं। इसका खामियाजा समाज के सबसे गरीब लोगों को भुगतना पड़ता है।

- **बी एल शर्मा,** उज्जैन

यूरोप में गर्मी

इसी जुलाई माह में दो बार विश्व तापमान में रिकॉर्डतोड़ वृद्धि दर्ज की गयी। 3 जुलाई को औसत वैश्विक तापमान 17.01 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। उसके बाद लगा था अब इसके ऊपर तापमान को पहुंचने में कुछ वर्ष और लगेंगे। मगर इसके अगले ही दिन यह और भी बढ़ कर 17.18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इन दिनों इटली और ग्रीस के सैकड़ों कस्बों एवं शहरों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। भूमध्यसागरीय यूरोप के कुछ हिस्सों में औसत तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंचने का अनुमान है। जो यूरोप सर्दी के मारे कंपकपाता था, आज गर्मी से हलकान दिख रहा है। पहले दफ्तरों एवं बाज़ारों को गर्म करने की व्यवस्था की गयी थी मगर अब वातानुकूलित मशीनों की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही यही। यूरोप में पिछले साल 2022 में गर्मी और लू के कारण 45 हज़ार से ऊपर लोग मारे गए। इसका कारण जलवायु परिवर्तन है। ऐसा लगता है कि यूरोप व अन्य पश्चिमी देशों को प्रकृति के बेलगाम दोहन, प्रदूषण व ग्लोबल वार्मिंग का अब खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इससे सारी दुनिया को सबक लेना चाहिए।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

युद्ध के दुष्परिणाम

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही पूरा विश्व कई तरह के संकटों का सामना कर रहा हैण। उस पर हालत यह कि युद्ध अपेक्षा से कहीं अधिक लंबा खिंचता जा रहा है। वास्तव में यह युद्ध रूस, अमेरिका व नाटो के बीच हो रहा है। यूक्रेन के सैनिकों को हथियारों की भारी खेप देकर उसके सैनिकों को शहीद किया जा रहा है। ऐसा नहीं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति इस बात को नहीं समझ रहे हैं, मगर वह भी बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं। कहा जाता है कि अमेरिका व नाटो देशों से मिल रही भारी सैन्य व आर्थिक सहायता से यूक्रेन के राष्ट्रपति, मंत्री व अधिकारी रातोंरात अरबपति बन गए हैं। आम जनता और सैनिकों के मारे जाने की किसी को फिक्र नहीं है। अमेरिका व नाटो देशों की रणनीति के कारण बातचीत के जरिए युद्ध बंद करने के सारे प्रयास व्यर्थ सिद्ध हो रहे हैं। यदि यह युद्ध और लंबा खिंचता है तो न सिर्फ युद्धरत देश, वरन समूचा विश्व कई संकटों से घिर जाएगा। खाद्यान्न संकट व इंधन संकट सारी दुनिया को प्रभावित करेगा। दुनिया भर की गरीब जनता की हालत और खराब होगी। इसका सर्वाधिक खामियाजा बच्चों और महिलाओं को भुगतना पड़ेगा।

-**सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

सब्जियों के दाम

सब्जियों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी आम आदमी के लिए बड़ी समस्या है। अनियमित मौसम पैटर्न, आपूर्ति-मांग असंतुलन, परिवहन चुनौतियों व फसलों की बरबादी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जन्म दिया है। भारत अपनी विविध जलवायु और स्थलाकृति के कारण पूरे साल हर मौसम में उत्पादन सुनिश्चित करने के कारण सब्जी उत्पादन के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। लेकिन खराब परिवहन, वितरण और अपर्याप्त भंडारण सुविधाओं के कारण यह कम पड़ जाता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अतिरिक्त उत्पादन अभिशाप न बने। वर्तमान विसंगतियों से निपटने के लिए एक मजबूत वितरण प्रणाली की आवश्यकता है। भारत के भीतरी इलाकों में कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के नेटवर्क के साथ-साथ परिवहन में सुधार होना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों में मांग और उपभोग पैटर्न के बारे में सटीक डेटा मांग व पूर्ति के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। इससे सब्जियों की कमी और मौसम खराब होने पर उनकी मूल्यवृद्धि से बचा जा सकता है।

-**विजय सिंह अधिकारी,**नैनीताल

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता

● जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 400 लोगों की समस्याएं

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 400 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता है और सभी के साथ न्याय किया जाएगा। लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों को इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें।

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने एक.एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। इत्मीनान से उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। कुछ लोगों की बिजली बिल संबंधी परेशानी पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ओटीएस योजना से लोगों को राहत प्रदान की जाए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

सोनभद्र के समस्त खनन पट्टा क्षेत्रों की होगी जांच

● सोनभद्र मे 4 खनन पट्टाधारकों के विरुद्ध शास्ति तथा खनिमुख मूल्य को किया गया अधिरोपित ● धनराशि जमा होने तक खनन कार्य किया गया प्रतिबन्धित

लखनऊ। खनन निदेशक डा रोशन जैकब के नेतृत्व व निर्देशन में पिछले दिनों निदेशालय के जाँच दलों द्वारा जनपद सोनभद्र में ईमारती पत्थर खनन पट्टा क्षेत्रों की जाँच करते हुए प्रस्तुत जांच आख्या के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश जिला अधिकारी सोनभद्र को दिये गये हैं। 4 पट्टाधारक जिनके द्वारा स्वीकृत क्षेत्र के बाहर अवैध खनन किया गया हैए उनसे उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली 2021 के अन्तर्गत शास्ति तथा खनिमुख मूल्य को अधिरोपित किया जाय। अधिरोपित धनराशि जमा होने तक खनन कार्य प्रतिबन्धित किया जाय। यह पट्टा धारक बाबा इण्डस्ट्रीज, मेसर्स गणेशाय इन्टरप्राईजेज, मेसर्स सॉई राम इन्टरप्राईजेज व सुरेश चन्द्र गिरी हैं।

परीक्षण में यह तथ्य स्पष्ट हुआ है कि मे0 साईराम इण्टर प्राइजेज के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टे की वार्षिक मात्रा 10000 घन मी. प्रति हेक्टेयर है, जो सोनभद्र में सामान्य रूप से उपलब्ध खनन योग्य मात्रा से अत्यधिक कम है। जहाँ एक ओर शासन को राजस्व की क्षति हो रही हैए वहीं दूसरी ओर उक्त क्षेत्र में वृहद स्तर पर अवैध खनन की सम्भावना है। जिला अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे समस्त पट्टा क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए उनके निरस्तीकरण की कार्यवाही तत्काल करायी जाय एवं क्षेत्र में उपलब्ध मात्रा का पुन: निर्धारण करते हुए विज्ञापन की कार्यवाही शीघ्र सम्पन्न करायी जाय ।

पट्टाधारक सुरेश चन्द्र गिरी के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टा क्षेत्र में खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा सुधारात्मक कार्य हेतु खनन कार्य प्रतिबन्धित होने के पश्चात भी पट्टाधारक द्वारा अवैध खनन किया गया है। इस पट्टे को तत्काल निरस्त कर क्षेत्र में उपलब्ध मात्रा का पुन: निर्धारण कराकर विज्ञापन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश खनन निदेशक ने दिये हैं। सोनभद्र के समस्त खनन पट्टा क्षेत्रों की एक नियमित अन्तराल पर जाँच करायी जाय। जाँच हेतु जिला खनिज न्यास निधि के माध्यम से ड्रोन का उपयोग किया जाय। यदि किसी भी पट्टाधारक द्वारा अपने स्वीकृत क्षेत्र के बाहर अवैध खनन की पुनरावृत्ति की जाती है, तब शास्ति अधिरोपित करने के साथ ही पट्टा निरस्तीकरण की कार्यवाही तत्काल की जाय। यह तथ्य भी संज्ञान में आया है कि वर्ष 2017 से 2021 तक विभिन्न खनन क्षेत्रों में निर्गत एलओआई का पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण पत्र अभी तक लम्बित है। उदाहरण स्वरूपरू मे. चौम्पियन ग्रुप आफकाम्पलेक्स वर्ष . 2018 एवं मे. महाकाल इण्टर प्राइजेज वर्ष 2021 से लम्बित हैए जिसे लम्बित रखने में प्रस्तावक की संलिप्तता प्रतीत होती है। इन दोनो पट्टा क्षेत्रों हेतु निर्गत सहमति पत्र को तत्काल निरस्त करते हुए पुन: विज्ञापन की कार्यवाही की जाय। जिन पट्टों में अभ्यर्पण प्रार्थना पत्र दिया गया है, ऐसे प्रार्थनापत्रों पर जनपद स्तर से निर्णय न लेकर लंबे अवधि से लम्बित रखा गया है जिसके फलस्वरूप मौके पर अवैध खनन की सम्भावना बनी हुई है जैसा कि सीएस इन्फ्रा कन्सट्रक्शन लि0 खण्ड संख्या.3 खसरा सं0 7536 ग मि0 एवं नीलकण्ठ माइनिंग खण्ड संख्या.9, खसरा सं. 5593 क ग्राम. बिल्ली मारकुण्डी तहसील ओबरा। निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे प्रार्थना पत्रों का तत्काल निस्तारण करते हुए अतिशीघ्र खनन क्षेत्रों को पुन: विज्ञप्ति करायी जाय।

भाजपा सरकार में संवैधानिक अधिकारों को छीना जा रहा है: बृज लाल खाबरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृज लाल खाबरी ने रविवार को प्रदेश मुख्यालय पर फ्रंटल संगठनों सहित विभागों एवं प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक लिया। प्रदेश अध्यक्ष खाबरी ने आगामी 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर बैठक से सम्बंधित नेताओं से पार्टी के सांगाठनिक ढांचे की जमीनी हकीकत, वास्तविक स्वरुप और नेतृत्व द्वारा दिए गए विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट्स पर विस्तृत जानकारी ली। सभी प्रमुख नेताओं ने वोटर लिस्ट में विरोधियों द्वारा काटे जा रहे नामों, खासतौर से अल्पसंख्यको, अति पिछड़ों दलितों, महिलाओं व नव युवा वोटरों के नामों को लिस्ट में जुड़वाने के प्रति कांग्रेसजनों को बहुत सजग में रहने की जरुरत पर जोर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों महापुरुषों की शहादत के बाद इस देश को मिली आजादी और मजबूत कानून को आज बीजेपी शासनकाल में लगातार षड्यंत्रकारी तरीके से नष्ट किया जा रहा है। संवैधानिक अधिकारों को छीना जा रहा है। पिछले 9 साल से बीजेपी इस देश के संविधान और मज़बूत लोकतंत्र पर लगातार हमलावर है। भारत देश की आजादी के स्वर्णिम काल को लाने के लिए जिन लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दियाए हम सभी देशवासी और आने वाली हमारी पीढ़ियां भी सदियों तक उनकी कर्जदार रहेंगी। खाबरी ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए अपील किया कि देश की आजादी की लड़ाई में कांग्रेस का गौरवमयी इतिहास रहा है। आज देश के लोकतंत्र संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को कमर कस लेनी पड़ेगी और राहुल के नेतृत्व में गांव. गांव तथा शहर.शहर प्रत्येक बूथ पर अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत करना होगा। इस बार 2024 में भाजपा को सत्ता में आने रोक पाने में अगर हमारी तरफ से कोई गलती या कमी रहीए तो हम कांग्रेसजन को आने वाली पीढ़ी कभी माफनहीं करेंगी।

प्रांतीय अध्यक्ष मीडिया विभाग चेयरमैन पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पदाधिकारीगणों को बूथ मैनेजमेंट के राजनैतिक समीकरणों और चुनावी दांव महत्व को भी समझाया। सिद्दीकी ने फ्रंटल संगठनों विभागों को अपने स्तर पर बूथ स्तर तक खड़ा करने की पुरजोर पैरवी की। प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा कि आज संकल्प लेने की जरूरत है कि देशभर के सभी कांग्रेसजन अपने ब्लॉक व बूथों पर अपनी क्षमता के अनुसार क्षेत्र का चयन करें और कांग्रेस पार्टी के बूथ स्तरीय सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने के साथ ही अपने.अपने क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों को उजागर करें। प्रांतीय अध्यक्ष विधायक श्री वीरेन्द्र चौधरी जी ने कहा कि जिसकी जितनी भी क्षमता है अपने स्तर पर जन मुद्दों को लेकर मौजूदा सरकार के खिलाफआवाज बुलंद करनी होगी। पोलिंग बूथों के स्तर पर प्रदेश कांग्रेस के आंतरिक संगठन को दुरूस्त करने की जरूरत है साथ ही वोटर लिस्ट में नए वोटरों को जोडने और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में देते हुए सभी जातिए वर्ग एसमुदाय को जोड़ने पर जोर दिया।

बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा में आस्था रखते हुए रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नकुल दुबे के समक्ष बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस में शामिल होने वालों मं अफजल खान, बीरू बाबू, आदर्श, रंजीत कुमार, मिथिलेश सिंह पाल, रवि कुमार, अवनीष, दिलीप कुमार, वीर प्रताप, दिनेश कुमार, पुष्पेन्द्र कुमार, महेन्द्र सिंह कल्लू के साथ सैकड़ो लोगों ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की।

अधिकारियों की सजगता से वित्तीय विचलन को रोका जा सका हैः सुरेश खन्ना

● वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किया स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने रविवार को स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के कार्यों व गतिविधियों को डिजिटलाइज़ करने के लक्ष्य से सृजित स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण किया। इसी के साथ स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की पत्रिका ष्संवीक्षाष् के प्रथम अंक का विमोचन किया। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के राजपत्रित अधिकारी संघ के 12वें द्विवार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वित्तीय अनुशासन किसी भी सरकार के लिए महत्वपूर्ण अंग है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि आर्थिक स्थिति ठीक होगी तो बाकी सारी स्थितियां ठीक होती है। आर्थिक स्थिति में यदि कहीं विचलन, फिजूलखर्ची या गड़बड़ी है तो वह सभी को प्रभावित करने वाला होता है और भविष्य में ज्यादा कष्ट देता है। यह विभाग बधाई का पात्र है कि सरकार की वित्तीय नियंत्रण में सहयोग के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है। वर्तमान सरकार ने वित्तीय मितव्ययिता के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

सरकार वित्तीय मितव्ययिता के साथ साथ फिजूलखर्ची को रोकने के लिए संवेदनशील है। जहां कहीं भी ऐसे मैटर आते हैं वहां पर सभी पक्षों को सुनते हुए इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग वित्तीय अनियमितता को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण विभाग है। खन्ना ने कहा कि स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग स्थानीय निकायों के साथ शैक्षणिक एवं राज्य अनुदानित संस्थाओं के वित्तीय पहलुओं पर एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाता है। राज्य सरकार के अनुदानों की सम्यक विवेकपूर्ण व्यय पर निगाह रखते हुये आर्थिक व गुणात्मक दोनों उपयोगिता को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी प्रदेश, मण्डल या जनपद स्तर पर आडिट का पर्यवेक्षण तथा गुणवत्तापूर्ण निष्कर्ष की प्राप्ति में सराहनीय भूमिका निभाते हैं। शासन तथा प्रशासन के मध्य समन्वय का कार्य करते हैं। विगत कई वर्षों में कई उल्लेखनीय प्रकरण रहे है जिसमें अधिकारियों की सजगता एवं कर्मठता से वित्तीय विचलन की पुनरावृत्ति को रोका जा सका है, इसलिये यह विभाग साधुवाद का पात्र हैं। सरकार की तरफ से मैं आश्वस्त करता हूँ कि ये अपने कर्तव्यों का शुचितापूर्वक पालन करें, इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्गदर्शन करने हेतु प्रशासकीय विभाग ;वित्त विभागद्ध सदैव तत्पर है।

श्री खन्ना ने कहा कि ऐसा संज्ञान में आया है कि विभाग कतिपय चुनौतियों यथा जनशक्ति का अभावए अल्प पदोन्नति के अवसर, लखनऊ के मुख्यालय भवन स्थानान्तरण आदि का सामना कर रहा है। इस सम्बन्ध में निदेशक तथा राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया हैए इनका यथा सम्भव समुचित निराकरण करने का प्रयास किया जायेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की आज लोकार्पित आधिकारिक वेबसाइट को सामान्य नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के दृष्टिकोण से उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वास है कि यह वेबसाइट सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी एवं आने वाले समय में विभाग द्वारा अन्य सेवाओं को भी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष सचिव पीडी उपाध्याय, निदेशक स्थानीय निधि लेखा परीक्षा ऐके सिंह एवं राजपत्रित अधिकारी संघ के सचिव विश्वनाथ पाण्डेय तथा अध्यक्ष श्री नीरज कुमार गुप्ता एवं विभिन्न विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कर्मचारी व अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा से करें: स्वतंत्र देव

● पारदर्शी व्यवस्थान्तर्गत पदस्थापन प्रक्रिया के तहत नवप्रोन्नत 39 सहायक अभियंताओं तथा 04 अधीक्षण अभियंताओं द्वारा ऐच्छिक विकल्प का चयन किया गया

लखनऊ। जल शक्ति स्वतंत्र देव सिंह की उपस्थिति में रविवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के डॉ. राम मनोहर लोहिया परिकल्प भवनए लखनऊ के सभाकक्ष में नवप्रोन्नत सहायक अभियन्ता याँत्रिक का पारदर्शिता पूर्ण व्यवस्थान्तर्गत पदस्थापना हेतु उनके द्वारा ऐच्छिक विकल्प चयन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पारदर्शिता पूर्ण व्यवस्थान्तर्गत पदस्थापन प्रक्रिया के तहत 39 सहायक अभियंताओं ;यांत्रिकद्ध तथा 04 अधीक्षण अभियंताओं द्वारा ऐच्छिक विकल्प का चयन किया गया। ऐच्छिक विकल्प चयन आधारित प्रक्रिया द्वारा विकल्प चयन प्रक्रिया पर नव प्रोन्नत सहायक अभियन्ताओं द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गयी। जल शक्ति मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पारदर्शितापूर्ण व्यवस्था के तहत निष्पक्ष पदस्थापना सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने समस्त अभियन्ताओं से कड़ी मेहनत, पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गयी। जल शक्ति मंत्री ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पदस्थापना प्रक्रिया में भाग ले रहे सहायक अभियन्ताओं का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि प्रत्येक कर्मचारी एवं अधिकारी अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए तथा प्रदेश के कृषकों को सिंचाई विभाग का पूर्णत: लाभ उपलब्ध कराना चाहिए।

जल शक्ति मंत्री ने सरकार की प्राथमिकताएं गिनाते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा पर जाकर अपने दायित्यों का निर्वहन करें और सरकार की योजनाओं के लाभ को गांव के निचले तबके तक पहुँचायें। कोई भी अधिकारी और कर्मचारी अपने हेडक्वार्टर से बाहर नहीं रहेगाए अपने हेडक्वार्टर पर ही रह कर विभागीय दायित्वों का निर्वहन करें। विभाग में अमूल चूल सकारात्मक परिवर्तन आया है। विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन बहुत ही अच्छे से कर रहे है। कृषकों की हर संभव मदद की जा रही है। कृषकों के खुशहाल होने से आज देश भी खुशहाल है। आज देश एवं प्रदेश के बारे में लोगो की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है।

जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने इस अवसर पर सभी अभियंताओं को बधाई देते हुए कहा कि अन्नदाता किसान पूरे समाज की सेवा कर रहे हैं, इनकी मदद करना हमारा दायित्व है। यदि विभाग द्वारा दी गई ज़िम्मेदारी में किसी प्रकार की लापरवाही करेंगे तो ईश्वर भी माफ़नहीं करेगा। अपने दायित्वों का ज़िम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। कार्यक्रम में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद, विशेष सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, प्रमुख अभियन्ता देवेन्द्र अग्रवाल, प्रमुख अभियन्ता परियोजना के साथ अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड का प्रतिनिधिमण्डल अखिलेश से मिला

● यूनिफॉर्म सिविल कोड को रद्द किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता विरोधी दल अखिलेश यादव से रविवार को ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के एक प्रतिनिधिमण्डल ने भेंटकर समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लाने की भाजपा सरकार की कोशिशों का तीखा विरोध करते हुए उसे रद्द किए जाने की मांग का ज्ञापन सौंपा है। ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के प्रतिनिधिमण्डल में सर्वश्री मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, मौलाना बिलाल हसनी नदवी, मौलाना नईमुर्रहमान, सऊद रईस एडवोकेट, मौलाना अतीक अहमद बस्तवी, मौलाना यासीन अली उस्मानी, प्रोफेसर मोहम्मद सुलेमान, अमीना रिजवान, मौलाना नजीब उल हसन एवं मौलाना अब्दुल लतीफशामिल थे। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे। आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि हमारा देश एक बहुसांस्कृतिक देश है। इसमें विभिन्न रंग, वंश, भाषाएं और सभ्यता से जुड़े और विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से सम्बंध रखने वाले लोग एक साथ मिलजुलकर रहते हैं। इस तरह यह देश विविधता में एकता की एक बेहतरीन मिसाल हैं। देश के संविधान ने भी धार्मिक आजादी और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षा दी है। देश के हर नागरिक को अपने धर्म के अनुसार आस्था रखनेए प्रचलन अपनाने और उस का प्रचार करने का अधिकार दिया गया। इसी के तहत अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के पर्सनल लॉज़ को विशेष सुरक्षा प्राप्त है और पारिवारिक मामलों में हर व्यक्ति को अपने धर्म के अनुसार चलने की अनुमति है।

केन्द्र और राज्य सरकारें अक्सर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आजादी पर हमले करने और एक विशेष धर्म और संस्कृति को सभी लोगों पर थोपने की कोशिश करती रहती है। उनका एक स्पष्ट मक़सद यह भी है कि अन्य धार्मिक इकाइयों का बहुसंख्यक संस्कृति में विलय कर लें। हालिया वर्षों में ऐसे कई कानून बनाए गए जिनसे संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। देश के संविधान में दी गई धार्मिक और सांस्कृतिक आजादी और मौलिक अधिकारों की हर हाल में रक्षा की जाएगी और इसमें फेरबदल की हर कोशिश का भरपूर मुकाबला किया जाएगा।

केन्द्र सरकारें और विशेष रूप से वर्तमान सरकार बार.बार यूनिफॉर्म सिविल कोड की बात करती है। यह बात न केवल बदनीयती पर आधारित है बल्कि देश के अल्पसंख्यकों और आदिवासियों को एक मौलिक अधिकार से रोकने की साजिश है। हम सरकार के इस इरादे की घोर निंदा करते है और यूनिफॉर्म सिविल कोड को सामूहिक रूप से रद्द करते हैं। देश के किसी भी वर्ग पर उसकी मर्जी के बिना यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करना असल में उसकी पहचान को मिटाने का कुत्सित प्रयास है। हर धार्मिक इकाई की इबादतगाहों और पवित्र स्थलों की सुरक्षा सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। किसी भी वर्ग द्वारा किसी दूसरे वर्ग की इबादतगाह पर दावे या जबरन उस पर कब्जा करने की हर कोशिश निंदनीय है। ऐसी हर कोशिश का हम सामूहिक मुकाबला करेंगे। वक्फ की ज़मीनों पर से सरकारों या निजी कब्जों को अविलम्ब खत्म किया जाये और सम्बन्धित वर्ग को उन्हें वापस किया जाये अगर ज़रूरत महसूस हुई तो उन क़ब्जों को हटाने के लिए सामूहिक आन्दोलन भी चलाया जा सकता है। हमारी कोशिश होगी कि देश की सभी धार्मिक और सामाजिक इकाइयां देश के निर्माण एवं विकास में मिलजुलकर अपनी भूमिका निभाएं और मिलजुलकर रहें।

किसानों व शिल्पकारों की समृद्धि में कारगर साबित हो रहा बैम्बू मिशन

लखनऊ। लोच और टिकाऊपन में लाजवाब, बहुपयोगी बांस को योगी सरकार और खास बना रही है। बांस को किसानों व शिल्पियों की समृद्धि का जरिया बनाने के लिए सरकार का फोकस समानांतर कई आयामों पर है। बांस की खेती को बढ़ावा देनेए कामन फैसिलिटी सेंटर खोलकर इसके उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला व बाजार तैयार करने के साथ बांस उपचार के संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं। इन सभी कामों में नेशनल बैम्बू मिशन काफी कारगर साबित हो रही है। खेती से लेकर मार्केटिंग तक के लिए राष्ट्रीय बांस मिशन एक बहुद्देश्यीय योजना है। यह योजना उप्र में बांस विकास को बढ़ावा दिये जाने, नई किस्मों को विकसित करने, अनुसंधान को प्रोत्साहन करने, हाईटेक नर्सरी स्थापित किये जाने, पौधों में कीट एवं बीमारी प्रबंधन, बांस हस्तकला को बढ़ावा दिये जाने, बांस उत्पादकों की आय में वृद्धि किये जाने, बांस उत्पादों के लिए विपणन नेटवर्क विकसित करने तथा कारीगरों हेतु कच्चा माल उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रारम्भ की गयी है। वर्तमान में राष्ट्रीय बांस मिशन योजना बुंदेलखण्ड और विंध्याचल क्षेत्र सहित 32 जिलों (38 वन प्रभाग) तथा बिजनौर सामाजिक वानिकी, नजीबाबाद बिजनौर, सहारनपुर सामाजिक वानिकी, शिवालिक सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, पीलीभीत सामाजिक वानिकी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, उत्तर खीरी, दक्षिण खीरी, बहराईच, बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, काशी वन्यजीव चन्दौली, जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, सोहागीबरवा वन्यजीव महराजगंज, बलिया, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बाँदा, झाँसी, उरई जालौन, चित्रकूट, मिर्जापुर, सोनभद्र, ओबरा तथा रेनूकूट में क्रियान्वित की जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत प्रदेश में मुख्यत: बैम्बूसा बाल्कोआ, बैम्बूसा न्यूटन्स, बैम्बूसा बैम्बोस, डैन्ड्रोक्लेमस हैमिल्टोनी और डैन्ड्रोक्लेमस जाइजेन्टियस आदि प्रजातियों के पौध उगान की कार्यवाही एवं वृक्षारोपण कार्य कराये जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत राजकीय भूमि और निजी

कृषक भूमि में बांस पौधशाला की स्थापना, सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी), बैम्बू बाजारए बांस उपचार संयंत्र की स्थापना कराया जाना एवं वृक्षारोपण तथा अन्य सहकार्य (कृषको, कारीगरों एवं उद्यमियों का प्रशिक्षण) आदि को बढ़ावा दिये जाने का कार्य किया जा रहा है। निजी कृषकों, निजी संस्थाओं द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु निर्धारित मानकों के सापेक्ष 50 प्रतिशत प्रोत्साहन भी धनराशि दी जा रही है।

पांच जिलों में खुल चुकी हैं सीएफसी

राष्ट्रीय बांस मिशन योजना के अंतर्गत बांस आधारित शिल्प कला को बढ़ावा देनेए निकटवर्ती कृषकों को बांस आधारित खेती तथा उसकी व्यापारिक गतिविधियों से अवगत कराये जाने, कृषकों, बांस शिल्पकारों तथा बांस आधारित उद्यमियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिये जाने तथा बांस क्षेत्र विकास से संबंधित आवश्यक तकनीकों को जन सामान्य तक पहुंचाए जाने के लिए पांच जिलों यथा सहारनपुरए बरेलीए झाँसीए मीरजापुर तथा गोरखपुर में सामान्य सुविधा केंद्रों कॉमन फेसिलिटी सेंटर (सीएलसी) की स्थापना की गयी है।

सामान्य सुविधा केंद्रों में कृषकों, बांस शिल्पकारों तथा बांस आधारित उद्यमियों को प्रशिक्षण दिये जाने की दृष्टि से विभिन्न प्रकार की मशीनों यथा क्रॉस कट, बाहरी गांठ हटाने, रेडियल स्प्लिटर, स्लाइसर, सिलवरिंग, स्टिक मेकिंग और स्टिक साइजिंग आदि मशीनें स्थापित की गयी हैं। ये केंद्र या तो बांस कारीगरों के समूहों, स्वयं सहायता समूहोंए कृषक उत्पाद संगठनों या वन विभाग की संयुक्त वन प्रबंधन समिति की स्थानीय इकाइयों द्वारा संचालित किये जाएंगे। इन केंद्रों द्वारा क्षेत्र के कृषकोंए कारीगरोंए उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं रोजगार सृजन के अवसर प्राप्त होंगे। अपनी बहुपयोगिता की वजह से बांस हर घर में किसी न किसी रूप में नजर आता था। आज से करीब पांच दशक पहले जब घर कच्चे होते थेए लगभग हर दरवाजे पर एक झोपड़ी होती थी। पशुओं को बांधने लिए घारीए साल भर का भूसा एकत्र करने के लिए भुसौला और अनाज के संरक्षण के लिए बखारी होती थी। तब खूंटाए लाठीए डंडाए पैनाए चंगेरीए बेड़ीए बसखट, चचरा आदि के रूप में बांस हर जगह दिखता था। हर ठीक-ठाक किसान की अपनी बंसवारी होती थी। कई स्थानों के नाम भी बांस या इनसे बने उत्पादों के नाम पर हैं। अब इनका इतिहास क्या हैघ् यह दीगर बात है। परए सामान्य आदमी इन जगहों को बांस से जोड़ सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले की एक तहसील का नाम ही बांसगांव है। बांसस्थान, बांसपार, बांसीए खुटभार, खुटहनए पैनाए बांस बरेली जैसे तमाम नामों को बांस से जोड़ा जा सकता है। उल्टे बांस बरेली को लेकर एक मुहावरा भी प्रचलित है। बांस से बनने वाली कान्हा की बासुरी पीलीभीत में बनती है। यह पीलीभीत का एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) भी है।

काबिल-ए-तारीफ : मेहनत के बल पर बदल दी सरकारी स्कूल की सूरत

प्रधानाध्यापक की रंग लाई मेहनत, सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय बना यूपीएस रतसिया

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

रोशनी जहां पड़ती है वहां उजियारा कर देती है, एक शिक्षक के पास शिक्षा रूपी रोशनी का वह भंडार होता है जिसे वह हर विद्यार्थी को समान रूप से बांटकर उनके जीवन को रोशन करता है। ऐसी ही रोशनी बांटने में जुटे हैं बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षक संतोष कुमार मिश्रा जो इन दिनों बेहजम ब्लॉक के यूपीएस रतसिया में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात हैं। यहां उन्होंने कुछ ही दिनों में उन बच्चों को स्कूल की ओर मोड़ा है जो नामांकन के बाद कभी स्कूल में आते ही नहीं थे। वहीं अब उनके प्रयास से विद्यालय में बच्चों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

यूपीएस रतसिया अपने उत्कृष्ट कार्यो से बेसिक शिक्षा का नाम रोशन कर रहा हैं। यहां शिक्षक घर-घर दस्तक देकर अभिभावकों को शिक्षा का महत्व बता रहे हैं। वही बच्चों की प्रतिभा निखारने में भी पूरे जी-जान से जुटे हैं। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अभिनव पहल best school of the week के तहत इस सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय बनने का खिताब अपने नाम दर्ज किया।

प्रधानाध्यापक संतोष कुमार मिश्रा ने बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया इसके लिए वे घर-घर पहुंचे अभिभावकों व बच्चों से मिले, रैली निकाली उसका सुखद परिणाम रहा और आज बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यहां वे बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व व्यावहारिक ज्ञान पर भी फोकस कर रहे हैं। बच्चे उनके साथ बहुत घुल मिल गए हैं और बच्चों की नियमित उपस्थिति भी अच्छी हुई है।

प्रधानाध्यापक, उनकी टीम की लगन, कड़ी मेहनत से विद्यालय का कायाकल्प हुआ। विद्यालय में 154 नामांकन है। वर्तमान में मात्र एक सहायक अध्यापक, एक अनुदेशक के होते हुए इस विद्यालय में लगभग 10 गांव के बच्चे, निजी स्कूलों से नाम कटवाकर शिक्षा ग्रहण कर रहे। विद्यालय, कायाकल्प के सभी 19 पैरामीटर्स से संतृप्त है। विद्यालय का भौतिक, शैक्षणिक परिवेश उत्कृष्ट, मनमोहक है। विद्यालय में सुसज्जित पुस्तकालय है, जिसमे 1004 विभिन्न पुस्तकें व खेल सामग्री है। विद्यालय को आम, मोरपंख, बोटल पाम, गुलाब, गेंदा, सागौन, चांदनी और अन्य तरह-तरह के छायादार, फलदार, औषधीय पेड़ पौधों से सजाया है। शानदार चाहरदीवारी, आकर्षक बागवानी एवं विद्यालय का परिवेश लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। नियमित टाइम टेबल से पढ़ाई के साथ साथ गणित वैदिक रीति से पढ़ाई कराई जा रही। विद्यालय में खेल का अच्छा मैदान है। बच्चों का सर्वांगीण विकास विद्यालय का सर्वोच्च लक्ष्य है। और यहां के नौनिहाल जिला स्तर तक विभिन्न खेलों में अपनी पहचान बना चुके हैं।

शून्य निवेश नवाचार का प्रयोग से कक्षा कक्षों की सभी दीवारें टी.एल.एम. से सजी हैं। इनका प्रयोग बच्चों के अधिगम स्तर को बढ़ाने में किया जा रहा। वर्तमान में विद्यालय में दीक्षा ऐप, रीड एलोंग ऐप और स्मार्ट क्लास (प्रोजेक्टर) का प्रयोग करते हुए पठन-पाठन का कार्य किया जा रहा, जिससे बच्चों की उपस्थिति 80 फीसदी के ऊपर रहती है। लखनऊ से आई राज्य स्तरीय टीम भी विद्यालय के भौतिक परिवेश की जमकर सराहना कर चुकी है।

प्रधानाध्यापक संतोष कुमार मिश्रा बताते हैं कि उच्च प्राथमिक विद्यालय रतसिया को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए जहां गांव के लोगों ने अहम रोल निभाया, वहीं उनकी टीम की मेहनत भी रंग लाई। अच्छी पढ़ाई के चलते लोगों ने स्कूल में विश्वास दिखाया है।

वृक्षारोपण के उद्देश्य से नगर आयुक्त ने चिन्हित भूमि देखी

संवाददाता। शाहजहांपुर

नगर में बृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराये जाने के सम्बंध में नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने ददरौल ब्लॉक स्थित खिलौली में नगर निगम का निर्माणाधीन सॉलिड वेस्ट प्रॉसेसिंग प्लांट परिसर में चिन्हित रिक्त भूमि को देखा गया एवं उक्त भूमि पर शासन की मंशा के अनुरूप बृहद स्तर पर वृक्षारोपण की कार्यवाही किये जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया । वृक्षारोपण हेतु रोपित किये जाने वाले पौधों में उचित दूरी रखने भी निर्देश दिए गए। बृहद स्तर पर रोपित किये जाने वाले पौधों को नियमित पानी देने हेतु पानी की उचित व्यवस्था तथा जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बंधित को दिए गए। इसी क्रम में जिला अस्पताल के पास स्थित ब्लैक स्पॉट एरिया को महा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत उक्त स्थल की विशेष साफ-सफाई कर ब्यूटी स्पॉट एरिया के रूप में विकसित करने की दिशा में तथा जन-सामान्य की सुविधा हेतु उक्त स्थल पर पार्क विकसित करने एवं वृक्षारोपण हेतु निर्देश दिए गए। नगर क्षेत्र के न्यू सिटी ककरा स्थित एफ0एस0टी0पी0 प्लान्ट में चिन्हित रिक्त भूमि का भी निरीक्षण किया । निरीक्षण के समय बृहद वृक्षारोपण के क्रम में रिक्त भूमि पर सौन्द्रयीकरण कराये जाने के उद्देश्य से पार्क को विकसित करने एवं नगर निगम की आय बढ़ाये जाने के उद्देश्य से रिक्त भूमि पर बृहद स्तर पर नींबू के पौधे रोपित किये जाने के निर्देश दिए गए।सावन माह के द्वितीय सोमवार एवं कावड़ियों के रूट मार्गों की स्थिति का निरीक्षण किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र के हथौड़ा चौराहा का निरीक्षण कर साफ-साफकराये जाने के साथ-साथ चूना छिड़काव एवं शौचालय की विशेष सफाई व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के समय महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता निर्माण आशीष त्रिवेदी, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरवंश कुमार दीक्षित उपस्थित रहे।

खेत पर जा रहे बुजुर्ग की करंट लगने से हो गई मौत

परिवार ने खेत मालिक के खिलाफ थाने में तहरीर दी

संवाददाता। शाहजहांपुर

खेत पर जा रहे एक बुजुर्ग की करंट लगने से मौत हो गई। बुजुर्ग अपने भतीजे के साथ खेत पर जा रहा था। करंट लगने से भतीजा भी मामूली रूप से झुलस गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार ने खेत मालिक के खिलाफथाने में तहरीर दी है।

ग्रामीणों के अनुसार, आवारा पशुओं से बचाने के लिए किसान खेत के आसपास ब्लेड के तार लगाते हैं। उसमे भी करंट छोड़ देते हैं। जिससे लोगों की जान चली जाती है। थाना कांट क्षेत्र के गांव गैरतपुर निवासी द्वारिका प्रसाद (63) अपने भतीजे के साथ रविवार सुबह खेत पर काम करने के लिए जा रहे थे। रास्ते में एक खेत को आवारा पशुओं से बचाने के लिए लोहे के ब्लेड के तार लगाए गए। एक किसान ने उन तारों में करंट छोड़ दिया। ताकि खेत में लगी फसल खराब न हो। सुबह तक उन तारो में करंट आता रहा। द्वारिका प्रसाद भतीजे के साथ खेत पर जाने के लिए निकले थे। भतीजे ने जैसे ही लोहे का तार हटाने की कोशिश की तो, करंट लगने से भतीजा काफी दूर गिरा। जिससे भतीजा करंट की चपेट में आ गया। हड़बड़ाहट में द्वारिका प्रसाद ने डंडे से तार को हटाने की कोशिश की तो, लोहे का तार उनके हाथ पर आ गया। बुजुर्ग पूरी तरह से तारों में चिपक गए। जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। चीखपुकार सुनकर स्थानीय ग्रामीण इकट्ठा हो गए।

परिवार ने खेत मालिक के खिलाफथाने में तहरीर

सूचना के बाद पुलिस पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। झुलसे भतीजे ने बताया कि, ब्लेड के तार खेत पर लगाना प्रतिबंधित है। फिर भी किसान ने खेत के आसपास तार लगा रखे हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि, उन तारों में किसान ने करंट छोड़ दिया। परिवार ने खेत मालिक के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

थाना प्रभारी जयशंकर सिंह ने बताया कि, किसान की करंट लगने से मौत हुई है। खेत पर काम करने के लिए किसान जा रहा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिल गई है। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शादी के 14 महीने बाद महिला की मौत

मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया

शाहजहांपुर । शादी के 14 महीने बाद महिला की मौत हो गई। । ग्रामीणों से खबर मिलने के बाद पिता, बेटी की ससुराल पहुंचे। उनको बेटी के शरीर पर चोट के निशान मिले। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना लखीमपुर जिले के थाना पिहानी क्षेत्र के गांव धूसर पतवारा निवासी हंसराम ने 23 साल की बेटी मधु की 14 महीने पहले थाना बंडा क्षेत्र के गांव पपरिया निवासी संतराम से शादी की थी। शादी के बाद कुछ दिन तक सब कुछ ठीक चलता रहा। उसके बाद उसका पति दहेज की खातिर नाखुश रहने लगा। उसके बाद आए दिन उसका पति और उसके ससुराल के लोग बेटी के साथ मारपीट करने लगे। बेटी अपने पति से कहती थी कि, पिता बहुत गरीब हैं। एक लाख रुपए कैश नहीं दे पाएंगे।

पिता के अनुसार, उसकी बेटी के पति ने एक लाख रुपए, वाशिंग मशीन और फ्रिज की मांग कर रहा था। ससुराल वालों ने ही मेरी बेटी को गला घोंटकर मार दिया। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीओ पुवायां ने बताया कि, महिला की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है। घटना की जांच की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के दिये निर्देश

संवाददाता। शाहजहांपुर

जिला अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने तहसील पुवायां में फरियादियों की सुनी समस्याएं कई शिकायतों का मौके पर ही किया निस्तारण। तहसील दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिदिन सभी अधिकारी शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समयावधि में किया जाना सुनिश्चित करें। साथ निस्तारित की गई शिकायतों का फॉलोअप भी करें तथा शिकायतकर्ता का निस्तारण के उपरांत फीडबैक भी अवश्य लें।

सम्पूर्ण समाधान तहसील दिवस के दौरान अधिक शिकायते राजस्व, पुलिस विभाग, विद्युत, समाज कल्याण, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, जल जमाव आदि सहित अन्य प्रकरणों से संबंधित कुल 125 शिकायतें प्राप्त हुईं जिसमें से 12 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। उन्होंने प्राप्त सभी शिकायतों को अग्रिम कार्यवाही हेतु सबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए निर्धारित समयवधि में निस्तारण करने के निर्देश दिए। तहसील दिवस के दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से बेहतर व्यवहार करें एवं उनकी शिकायतों के निस्तारण से उन्हें अवगत भी कराएं। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार मीणा ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनकर उनका निस्तारण तत्परता के साथ किया जाए। थाना समाधान दिवस के अंतर्गत निस्तारित होने योग्य शिकायतों को आगामी थाना समाधान दिवस में प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराया जाए।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी पुवायां श्री संजय पाण्डेय, डीएफओ श्री प्रखर गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री आर0 के0 गौतम, जिला विकास अधिकारी श्री पवन कुमार सिंह, परियोजना निदेशक जिला विकास अभिकरण श्री अवधेश राम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब में बाढ़ के चलते मोहम्मदी से भेजी गई राहत सामग्री

संवाददाता। मोहम्मदी खीरी

पंजाब में इस वक्त भयंकर बाढ़ की वजह से आम आदमी बेहद परेशान और भुखमरी की कगार पर पहुंच रहा है ,मानवता को ध्यान में रखते हुए एक स्वयंसेवी संस्था के माध्यम से राहत सामग्री मोहम्मदी नगर से मैगलगंज गुरुद्वारे पहुंचाई गई ,जहां से पंजाब के लिए रवाना की जा रही है ,इस राहत सामग्री में चावल ,गेहूं, तेल ,पानी, बिस्कुट, नमक ,आटा, अनेकों प्रकार की दालें और दूध के पैकेट भी शामिल है ,इस स्वयंसेवी संगठन के सदस्य मोहम्मद शान खान ने बताया कि हमारे संगठन द्वारा पंजाब में भयंकर बाढ़ आई हुई है जिस कारण मानवता को देखते हुए यह सामग्री पीडित परिवार के लिऐ भेजी जा रही है, जिसमें खाने-पीने की सभी चीजें मौजूद हैं, मदद करने वाली इस टीम में प्रमुख रूप से पूर्व सभासद वहीद खा,डॉक्टर सोहेल खान, अफसर खान ,इमरान खान, आसिफ खां उर्फ राजू का महत्वपूर्ण योगदान है।

दो मोटरसाइकिल टकराई ग्रामीण की मौत

बरेली । दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में घायल ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।भमोरा थाना क्षेत्र के गांव बलिया निवासी 50 वर्षीय शेर सिंह पुत्र फूल सिंह की बीती रात इलाज के दौरान बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि शेर सिंह 2 दिन पहले अपने पैतृक गांव झीजनी गया था जहां से वापस लौटते समय बलिया पुलिस चौकी के पास उसकी मोटरसाइकिल सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गई जिससे शेर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और दूसरी बाइक सवार को मामूली चोट आई दुर्घटना के बाद दूसरा बाइक सवार वाहन समेत फरार हो गया सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शेर सिंह के घर वालों को दुर्घटना की सूचना दी जो मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लाए।

सीएमओ ने किया दो पीएचसी का निरीक्षण

जरूरी उपकरण और सामग्री के अभाव पर लगाई फटकार

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के दृष्टिगत सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने पीएचसी देवकली व पीएचसी मुस्तफाबाद का निरीक्षण किया। दोनों ही जगह मेला संचालित मिला।

सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने निरीक्षण के क्रम में बताया कि सीएचसी बांकेगंज के अंतर्गत पीएचसी मुस्तफाबाद में संविदा पर तैनात एलटी अमरपाल दिवाकर 14 जुलाई से अनुपस्थित मिले। फर्श टूटी हुई थी, गड्ढे थे व जरूरी सामग्री व उपकरणों का अभाव मिला। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और तत्काल आवश्यक सामग्री व उपकरणों के लिए मांग पत्र भेजने के आदेश दिए। साथ ही उन्होंने सीएचसी बांकेगंज के अधीक्षक को प्रत्येक माह में कम से कम एक बार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली तीनों पीएचसी का दौरा करने के भी निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने सीएचसी फरधान के अंतर्गत आने वाली पीएचसी देवकली का निरीक्षण किया। यहां पर निर्माणाधीन भवन को देखा। साथ ही उन्होंने पीएचसी का भी निरीक्षण किया। जहां खिड़की के शीशे टूटे हुए मिले। उन्होंने वहां मौजूद एएनएम, आशा संगिनी और आशा से बातचीत की। उनसे पोर्टल पर डाटा एंट्री और भुगतान की स्थिति के बारे में भी जानकारी की। सीएचसी परिसर में साफ-सफाई व चारदीवारी एवं गेट की मरम्मत करवाने के निर्देश जिम्मेदार अधिकारियों को दिए।

क्विक न्यूज

नवदेश्वर महादेव शिव जी का हुआ बाबा बर्फानी रुपी श्रृंगार

ओयल खीरी। नगर क्षेत्र में सुविख्यात प्राचीन नवदेश्वर महादेव शिव मेंढ़क मन्दिर का भक्तो के द्वारा भव्य बाबा बर्फानी रुपी श्रृंगार किया गया। प्राचीन मेंढ़क मन्दिर में शिव जी का हुआ बाबा बर्फानी श्रृंगार देखने के लिए सैकड़ो से ज्यादा भक्तगण मौजूद रहे,बाबा बर्फानी रुपी श्रृंगार देखने के लिए भक्तो का तांता देर रात तक लगा रहा इस मौके पर बाबा बर्फानी रुपी श्रृंगार देखने एवम बाबा के दर्शन के लिए ओयल कस्बे के पुलिस चौकी इंचार्ज ओम प्रकाश सरोज उप निरीक्षक दसरथ यादव समेत पुलिस चौकी ओयल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा एवम कस्बे में पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मन्दिर में बाबा बर्फानी रुपी श्रृंगार मंदिर के भक्त सत्यम सिंह, मनमोहन सिंह, प्रिंस कसेरा समेत अन्य के द्वारा भव्य रूप से किया गया। श्रावण मास में भक्त गण सत्यम के द्वारा हर वर्ष भोले बाबा का बाबा बर्फानी रुपी श्रृंगार किया जाता है।

जे सी पालीवाल को दी गई श्रद्धांजलि

बरेली । रोटरी क्लब ऑफबरेली एट पी एम के सदस्यों द्वारा आज अपने क्लब के भूतपूर्व प्रेसीडेंट स्वर्गीय जेसी पालीवाल को एक शोक सभा करके भावपूण- श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एक वरिष्ठ रंगकर्मी, समाजसेवी, राष्ट्रीय ,कता और भाईचारे की मिसाल तथा अनेक संस्थाओं के संरक्षक एवं अध्यक्ष राष्ट्रीय पुरस्कार कबीर से पुरस्कृत स्वर्गीय जे सी पालीवाल के निधन पर ,क श्रद्धांजलि सभा रोटरी क्लब ऑफबरेली एट पी एम के सदस्यों द्वारा क्लब के अध्यक्ष सु'षील छतवाल की अध्यठाता में आहूत की गई। इस अवसर पर पूर्व डी जी पी टी पी एस सेठी, चार्टर्ड प्रेसीडेंट जे एस समरवाल, त्रिलोचन सिंह, अनिल आनंद, सुनील मेहता, बव'ी जी, अ'वनी भाटिया, धीरज सूरी, जी पी एस सेठी, जी एस बिन्द्रा, गलवानी, जे एस सरना, जतिन आनंद, ए,न पी सिंह टोनी, नरेन्द्र सेठी, राजे'ष कोहली, संजय सेठी, ष्गैरोज खान, एवं सचिव अरून मेहता आदि द्वारा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया गया। जी पी एस सेठी, एवं जे एस सरना, ने अपने संबोधन में स्मृति शेष जे सी पालीवाल के निधन को बरेली ही नहीं देश और प्रदेश की क्षति बताया जिसकी भरपाई होना असंभव है। सभी सदस्यों ने अंत में 2 मिनट का मौन भी रखा ।

नवजात बच्चे की मौत पर लगाया लापरवाही का आरोप

बरेली। जन्म के 2 दिन बाद बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई घरवालों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी ।भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव भूड़ा निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी हुकुम सिंह के 2 दिन के नवजात बेटे की इज्जत नगर थाना क्षेत्र में एयरफोर्स गेट के पास स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद घर वालों ने बताया कि लक्ष्मी देवी को 12 जुलाई को प्रसव पीड़ा के बाद इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां महिला डॉक्टर ने सिजेरियन विधि से उसका ऑपरेशन किया और बच्चे के जन्म के बाद उसकी हालत को खराब बताते हुए उसे एक दूसरे अस्पताल की नर्सरी में भर्ती करा दिया भर्ती कराते समय उस अस्पताल की महिला डॉक्टर ने पहले भर्ती करने से इनकार किया लेकिन ऑपरेशन करने वाली डॉक्टर ने उसे जबरन दबाव डालकर भर्ती करा दिया जहां बच्चे की मौत के बाद घरवालों ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन करने वाली महिला डॉक्टर ने ऑपरेशन के समय बच्चे के सिर में चोट मार दी जिससे उसकी मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी ।

मजबूत हुआ बरेली में समाजवादी पार्टी का कुनबा, कई नेता हुए शामिल

बरेली। पूर्व मंत्री जुगल किशोर बाल्मीकि की मौजूदगी में विशाल कुमार पूर्व जिला सचिव बसपा , पार्षद चुनाव लड़े नीरज वाल्मीकि ने अपने तमाम साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर आज समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की उनके साथ अंकित कुमार सिंह, तरुण भारती, संतोष कुर्मी और अमरेन्द्र गुर्जर ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की ।इस मौके पर मुख्य रूप से मौजूद रहे शिव चरन कश्यप , शमीम खा सुलतानी , रविंदर यादव , तारिक लिटिल , राम प्रकाश यादव , अशफाक गाजी , डॉ.शफीकुद्दीन , पंडित दीपक शर्मा , भारती चौहान , गौरव जयसवाल , अनिल जौहरी , ब्रजेश श्रीवास्तव नंदवंशी , मोहित सक्सेना , मयंक शुक्ला , इश्राफील राशमी , सुभाष यादव , सूरज यादव , द्रोण कश्यप , विशाल कश्यप , सोनू कश्यप आदि लोग मौजूद रहे ।

सुनार की दुकान खोलकर 80 लोगों के जेवर लेकर जीजा-साले हुए फरार

संवाददाता। बरेली

सुनार की दुकान खोलने वाले जीजा साले लोगों को लालच देकर 80 लोगों के लाखों के जेवर और रुपये हड़पकर फरार हो गए लोगों ने आरोपियों के विरुद्ध थाने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की ।इज्जतनगर थाना क्षेत्र के मठलक्ष्मीपुर निवासी कफील अहमद ने बताया मोहल्ले में सोमपाल के मकान में बहेडी के ग्राम वसुधरन निवासी राहुल रस्तोगी ने अपने साले सोनू रस्तोगी और सुनील रस्तोगी के साथ मिलकर ज्वैलर्स की दुकान खोली थी आरोपियों ने कफील और उनकी बहन समेत गांव के लगभग 80 लोगों को लालच देकर जेवर गिरवी रखवा लिए कफील जब जेवर छुड़वाने के लिए पहुंचे तो आरोपी टाल मटोल करने लगे कफील ने अपने व बहन के लगभग तीन लाख रुपये कीमत के जेवर गिरवी रख दिए कफील ने बताया कि जब हम लोग अपना जेवर दुकान पर छुड़वाने के लिए गए तो यह टाल मटोल करने लगा आरोपी दुकान का किराया दिए बिना ही दुकान खाली करके भाग गए धोखाधड़ी की शिकायत कपिल ने थाने में दर्ज करा दी ।

उसने बताया कि आरोपी राहुल रस्तोगी ने अपनी पत्नी नीतू रस्तोगी और अपने सालों के साथ मिलकर गांव के सर्वेश कुमारी, शिखा, राज कुमारी गंगवार, विमला, सरला, वेला देवी, पार्वती समेत लगभग 80 महिलाओं को अपनी मीठी-मीठी बातों में उलझाकर लगभग 50 लाख रुपये का सोना-चांदी के जेवर हड़प लिए इसके बाद में यह सभी दुकान बंद करके 28 मई को बिना जानकारी के चले गए पीड़ितों ने फोन पर अपने जेवर वापस मांगते थे तो आरोपी गाली-गलौच व जान से मारने की धमकी देने लगे आरोपी धमकी दे रहे है कि यदि उसके घर आकर जेवर मांगे तो वह हाथ पैर तुड़वा देंगे ।

हिस्ट्रीशीटर को गोली मारने वाला दूसरा आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। बरेली

प्रेमनगर थाने के पास हिस्ट्रीशीटर अजय वाल्मीकि की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी राहुल को भी गिरफ्तार कर लिया एक आरोपी नितिन अभी भी फरार है पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। ज्ञात हो कि बीती रात बारादरी थाना क्षेत्र की नई बस्ती नरकुलागंज जाटवपुरा निवासी दयाराम वाल्मीकि ने रिपोर्ट दर्ज कराई उन्होंने बताया कि जगमोहन और भगवान स्वरूप उर्फ लाले सट्टा किंग है इसकी शिकायल उनके बेटे अजय ने पुलिस से की थी जिससे रंजिश मान बैठे आरोपियों ने उसके बेटे,लकी और अर्जुन को जेल भिजवा दिया जेल से छूटने के बाद शनिवार रात अजय प्रेम नगर थाने के सामने नगर निगम मार्केट की रोड पर कहीं जा रहा था जिसे मोटरसाइकिल पर डीडी पुरम की तरफ से आ रहे राहुल, विनय, नितिन ने ट्रांसफार्मर के पास घेर लिया तीनों ने अजय पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी उसकी मौके पर ही मौत हो गई तब पुलिस ने पांच आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरूकर दी अजय के घर वालों ने बताया कि नई बस्ती नरकुलागंज निवासी हिस्ट्रीशीटर अजय वाल्मीकि की शनिवार रात करीब नौ बजे प्रेमनगर थाने के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई वह बाइक से दोस्त लकी के साथ डीडीपुरम की ओर जा रहा था प्रेमनगर थाने के सिपाहियों ने आरोपी गंगानगर निवासी विनय को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य नितिन और राहुल भागने में कामयाब रहे। अजय सट्टा किंग जगमोहन और भगवान स्वरूप उर्फ लाले की शिकायत कर रहा था इसलिए उसकी हत्या कर दी गई।

शोहदे की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने घर से निकलना छोड़ा, अपहरण की मिली धमकी

संवाददाता। बरेली

सोते की सरेराह छेड़छाड़ से परेशान एक छात्रा ने घर से निकलना छोड़ दिया आरोपी ने अपहरण करने की धमकी दी पीड़िता की मां के विरोध पर आरोपियों ने मारपीट की पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीन नामजद और चार अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी । इज्जतनगर के एक क्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि उसकी बेटी 12वीं की छात्रा है अक्सर स्कूल आते जाते समय उनकी बेटी को परतापुर चौधरी निवासी असद और चार अज्ञात लड़के पीछा कर परेशान और छेड़छाड़ करते है

मुख्य आरोपी समेत तीन नामजद और चार अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

जबरन उठाकर ले जाने की धमकी देते रहते है शोहदों से परेशान होकर महिला ने अपनी बेटी को घर पर बैठा लिया और घर से ही पढ़ाई कराना शुरू कर दी उनकी बेटी काफी डर गई और घर से निकलना छोड़ दिया 14 जुलाई की सुबह फोन पर आरोपी ने उसकी बेटी का अपहरण करने की धमकी दी इस बात की जानकारी होने पर महिला ने आरोपी के विरुद्ध छेड़छाड़ और अपहरण करने की शिकायत की यहां से वह अपने मायके पहुंची ही थी की अन्नू, शानू व चार अजात लोग लाठी डंडे लेकर घर में घुस आए महिला व उनके भाइयों के साथ मारपीट की जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी घर से भाग गए पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी ।

हरियाली अमावस्या पर्व पर मेले को सकुशल संपन्न कराने की तैयारियों में जुटा प्रशासन

● डीएम-एसपी ने लिया स्थिति का जायजा, पुलिस बल को दिए निर्देश

संवाददाता। चित्रकूट

श्रावण मास की सोमवती अमावस्या मेला को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने को डीएम अभिषेक आनन्द व एसपी वृंदा शुक्ला ने राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर में जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने कहा कि श्रावण मास की सोमवती अमावस्या मेला का पर्व है। शासन से भी सख्त निर्देश हैं कि मेला सकुशल संपन्न करायें।

रविवार को बैठक में डीएम ने कहा कि कुछ मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी और पुलिस फोर्स पहले भी मेला में ड्यूटी किये होंगे। कोई भी प्रतिस्थानी के न आने तक ड्यूटी न छोड़े। सभी लोग रामघाट महत्वपूर्ण बिंदु में मंदाकिनी गंगा में लगे मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी ध्यान देंगे। मंदाकिनी गंगा में बैरिकेडिंग के आगे स्नान किसी भी श्रद्धालु को न करने दें। उन्हें रोके ताकि कोई हादसा न हो। सुनिश्चित करना है कि मत्तगजेन्दनाथ शिव मंदिर पर श्रद्धालुओं को आने-जाने की समुचित व्यवस्था रहे। किसी भी श्रद्धालुओं को समस्या नहीं होनी चाहिए।

परिक्रमा मार्ग पर दुकानें किसी भी दशा में नहीं लगना चाहिए। ईओ नगर पालिका को निर्देश दिए कि रामघाट परिक्रमा मार्ग समेत पूरे मेला क्षेत्र में अच्छी तरह से साफ-सफाई करवा दें। अन्ना पशु किसी भी दशा में नहीं घूमने चाहिए। ट्रैफिक प्लान के अनुसार वाहनों को आने-जाने दिया जाए। यूपी तिराहा से रामघाट की तरफ सभी वाहनों पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया गया है। परिक्रमा मार्ग पर भी मोटरबाइक नहीं जाना चाहिए।

सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं पर विमान से होगी पुष्पवर्षा

चित्रकूट। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के इतिहास में पहली बार सोमवती अमावस्या मेले में योगी सरकार श्रद्धालुओं पर पुष्पक विमान से पुष्प वर्षा करायेगी। प्रदेश सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने सीएम योगी को धन्यवाद देते हुए चित्रकूट वासियों की ओर से बधाई दी है। चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने बताया कि बीते दिनों सीएम योगी से मुलाकात के दौरान उन्होंने विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ चित्रकूट में श्रावण मास की अमावस्या पर प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों की भांति विमान से पुष्प वर्षा कराने का अनुरोध किया था।

मजार के पास गोबर डालने से गांव में तनाव

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अमरौधा ब्लाक के कैथरा गांव में आधा दर्जन लोगों द्वारा मजारों के पास गोबर का कूड़ा डालने से गांव में तनाव है कई लोगों ने अधिकारियों से शिकायत भी की लेकिन अभी तक कूड़ा नहीं हटाया जा सका जिससे गांव में तनाव व्याप्त है। कैथरा गांव निवासी कई लोगों ने बताया कि उनके व परिवार की बुजुर्गों की गांव के बाहर मजारे पक्की बनी हुई है इसमें सफाई करके अगरबत्ती भी लगाते हैं चादर चढ़ाते हैं वही गांव के आधा दर्जन से लोग मजारों के पास गोबर का ढेर इकट्ठा करते हैं कूड़ा कर्कट डालते हैं वह तोड़फोड़ भी करते हैं जिसकी शिकायत तहसील दिवस भोगनीपुर में भी की गई लेकिन अभी तक गोबर के ढेर नहीं हट रहे हैं वही उनके बीच आबादी के बीच भी कई लोगों ने गोबर के ढेर इकट्ठा कर रहे हैं। जिससे गंदगी फैल रही है। बरसात में गोबर बहकर लोगों के घरों में जाता है कूड़ा इकट्ठा होकर कीड़े पैदा हो रहे जो बरसात में खाने में पहुंच रहे है॥

फर्जी जमानत लेने वाला गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे

● ढाई दशक से फलफूल रहा फर्जी जमानतदारों का कथित कारोबार

● फर्जी जमानतें दिलाकर शातिर अपराधियों को कराया करते थे रिहा

संवाददाता। उरई, जालौन

रविवार को कोतवाली उरई पुलिस द्वारा फर्जी जमानत लेने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर फर्जी जमानतगीर लगवाने वाले कथित ठेकेदार सहित 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुये समूचे मामले का खुलासा किया है। उक्त खुलासे के बाद अक्सर लोगों की जमानत देने के बदले में कथित तरीके से रकमें ऐंठकर अपनी उदरपूर्ति करने वालों में हड़कंप मच गया है।

उक्त मामले का खुलासा करते हुये पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने मीडिया को जानकारी देते हुये बताया कि कोतवाली उरई में वादी ने तहरीर सूचना दी कि उसके न्यायिक मजि. उरई के यहां 6 मुकदमें एनआई एक्ट के विचाराधीन है जिसमें अभियुक्त ने उक्त छह मुकदमों में 8 जून 2023 को जमानत करवायी थी।

जिसमें 12 जमानतगीर लगवाये, अभियुक्त ने उरई में फर्जी जमानतों का ठेकेदार लाखन यादव व उसके पुत्र उदय से संपर्क किया और उक्त लोगों ने यह सारे जमानतगीर उपलब्ध कराये के आधार पर थाना कोतवाली उरई में मुकदमा अपराध संख्या 568/23 धारा 419, 420 भादवि पंजीकृत कर अग्रिम विवेचना आरंभ की गयी तो विवेचना से यह तथ्य प्रकाश में आये कि अधोलिखित अभियुक्तों जिनका लाखन सिंह यादव एवं उसका पुत्र उदय यादव सरगना है। जिनके द्वारा फर्जी जमानतें दिलवाकर शातिर अपराधियों को जमानत पर रिहा कराया गया है यह कार्य इनके द्वारा निरंतर करीब 25 वर्षो से किया जा रहा है।

अब तक की विवेचना से उक्त अभियुक्तों द्वारा जनपद जालौन स्थान उरई के न्यायालय के अतिरिक्त कानपुर देहात, औरैया आदि जनपदों में भी फर्जी जमानतें दिलवायी गयी हैं। सरगना लाखन यादव के द्वारा इस काम के लिये अभियुक्तपक्ष से मोटी रकम वसूली जाती थी और अभियुक्तों को भी हिस्सा दिया जाता था। शीघ्र ही उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध गैगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जायेगी।

भारत विकास परिषद की शाखा ने मेधावियों को किया सम्मानित

संवाददाता। फर्रुखाबाद

मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह भारत विकास परिषद मुख्य शाखा फर्रुखाबाद द्वारा मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह सरस्वती शिशु मंदिर सेनापति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालयों के सत्र 2022, 23 के हाईस्कूल परीक्षा में विद्यालय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले चार चार विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, मेडल, उत्तरी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मेधावी छात्रों के साथ ही देवाशीष मिश्र को हाई स्कूल परीक्षा में हिंदी विषय में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त करने व वंशिका गुप्ता को इंटरमीडिएट परीक्षा में हिंदी विषय में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर वरिष्ठ सदस्य व पूर्व अध्यक्ष भारत विकास परिषद वीके सिंह द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेश चन्द्र गुप्त, प्रान्तीय वित्त सचिव आलोक रायजादा व रमेश चन्द्र त्रिपाठी द्वारा स्वामी विवेकानंद व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

ब्रजकिशोर सिंह द्वारा वंदे मातरम का गायन किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर सेनापति छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य शाखा के सचिव डॉ जसवंत सिंह राठौर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कब परवान चढ़ेगी धनुताल को पर्यटक स्थल बनाने की घोषणा

● अमृत सरोवर में चयनित होने के बाद भी नहीं साफ हुई जलकुंभी

● तालाब के इर्दगिर्द निर्माण कार्य भी नहीं हो पाया पूरा

संवाददाता। कोंच, जालौन

नगर के अति प्राचीन और धार्मिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण कोंच के धनुताल को अमृत सरोवर में भले ही चयनित किया गया हो लेकिन नगरपालिका द्वारा इस तालाब को पर्यटक स्थल बनाने की योजना अभी तक परवान नहीं चढ़ सकी है। तालाब के गिर्द न तो अभी निर्माण कार्य ही पूरा हो सका है और न ही तालाब के पानी की साफसफाई जिससे पूरे तालाब पर जलकुंभी का साम्राज्य स्थापित हो चुका है।

करीब एक वर्ष पूर्व नगरपालिका ने नगर के दक्षिण पूर्व में स्थित प्राचीन धनुताल को सरकार की अमृत सरोवर योजना में चयनित कर पर्यटक स्थल बनाने के लिए कार्य योजना तैयार की थी और उस पर सुंदरीकरण का काम शुरू कराया गया था जो कतिपय कारणों के चलते अभी अधूरा ही पड़ा है। इस पूरी प्रक्रिया में हालांकि तालाब की खुदाई में मानकों की अनदेखी के अलावा मिट्टी उठाने और बेचने के आरोप भी कुछ सभासदों ने लगाए थे जिनकी जांच भी की गई थी।

बहरहाल, इसके बाद तालाब पर चल रहे निर्माण कार्यो की चाल ऐसी थमी कि थमी ही रह गई और तालाब के सुंदरीकरण को ग्रहण लग गया। तालाब में बेशुमार गंदगी तथा जलकुंभी का साम्राज्य स्थापित हो गया है। ईओ नपा पवन किशोर का कहना है कि जल्द से जल्द तालाब से जलकुंभी हटाने का कार्य शुरू कराया जाएगा और जो भी निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं उन्हें पूर्ण कराने के लिए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस भेजी जाएगी।

शिवभक्तों ने कांवड़ यात्रा निकाल किया जलाभिषेक

संवाददाता। फर्रुखाबाद

151 शिव भक्तों ने कावड़ यात्रा निकालकर करीब 50 सीसीटीवी कैमरो वाले महा भारत कालीन पांडेश्वर नाथ मंदिर में आज शिवलिंग पर ओम नम: शिवाय के मंत्रोच्चारण के साथ गंगा जलाभिषेक करते हुए देश में सुख शांति सौहार्द ,समृद्धि की मनौती मांगी।

सूत्रों ने बताया कि सावन माह शुरू होते ही फर्रुखाबाद जिले मे अखिल भारत हिंदू महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश मिश्रा एवं नंदी सेना जिला प्रमुख विक्रांत अवस्थी के नेतृत्व में 151 शिवभक्त कावड़ियों ने 10: 30 बजे दुर्वासा ऋषि आश्रम से गंगा पांचाल घाट पर गंगा स्नान करके भगवा रंग दुपट्टा से सुसज्जित अपनी-अपनी कांवड़ों में गंगाजल भरकर कावड़ यात्रा शुरू की।

इस दौरान कावड़ यात्रियों की पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था किए जाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्देशो के अनुपालन में यहां कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के वीच 151 शिव श्रद्धालु कावड़ियों ने कावड़ यात्रा शुरू हुई।

क्विक न्यूज

दहेज हत्या के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

पुखरायां, कानपुर देहात। पुखरायां कस्बे में कल नवविवाहिता की दहेज के कारण हत्या कर शव को फांसी में लटका दिया गया था मायके वालों ने पति सहित 7 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया गया है पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जालौन जनपद के रामपुरा थाने के धुता गांव निवासी यादवेंद्र सिंह पुत्र जगदीश सिंह ने बताया कि उसने अपनी पुत्री की शादी 1 वर्ष पूर्व मोहित के साथ की थी शादी के बाद से ही पति व ससुराल वाले निशा को मायके से 200000 रुपए लाने के लिए परेशान करते थे और आए दिन मारपीट करते थे 20 मई 2023 को निशा ने भोगनीपुर थाने में ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व मारपीट का मुकदमा भी दायर किया था।

सीज किए गए ट्रकों से लगता है रोज जाम

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर चौराहा के कालपी रोड के दोनों सर्विस रोडो में भोगनीपुर थाने द्वारा व आरटीओ द्वारा चालान सीज किए गए मोरम लदे ट्रकों को खड़ा कर देने से यातायात बाधित है ना तो रोडवेज की बसें मुड़ पाती हैं और ना ही लोग निकल पा रहे है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं लोग चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार पुलिस अधीक्षक से मुख्य सड़क पर खड़े ट्रकों को हटाकर दूसरी जगह खड़े करने के लिए भी फरियाद की लेकिन 6 माह हो गए अभी तक नहीं हटाया गया। जिससे राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

गंगा समग्र के मुख्य संरक्षक बने संजय श्रीवास्तव

फतेहपुर। नगर के चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल में अपरान्ह दो बजे से गंगा समग्र, गंगा वाहिनी और गंगा सेविका की एक विशेष बैठक, गंगा समग्र जैविक कृषि के प्रांत प्रमुख कुलदीप सिंह भदौरिया के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा वृक्षारोपण रहा। तय किया गया कि आगामी रक्षाबंधन तक गंगा समग्र द्वारा जिले भर में वृहद वृक्षारोपण के अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। नीम, पाकड़, जामुन, आंवला, बेल, पीपल बरगद, अर्जुन, अशोक, आम, कदम्ब गुड़हल, कनेर आदि कई प्रकार के पल्लदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण कार्यकर्ता और स्थानीय गंगा भक्त विभिन्न स्थानों में करेंगे। इसके लिए व्यवस्थित रूपरेखा बनाने की जिम्मेदारी कुलदीप सिंह भदौरिया और जिला सहसंयोजक धीरज राठौर को सौंपी गई। बैठक में गंगा समग्र के कार्य विस्तार के लिए सीपीएस के संजय श्रीवास्तव से मुख्य संरक्षक की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया गया।

एडीएम ने की चौपाल लगाकर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा

फतेहपुर। यमुना नदी में लगातार बढ़ रहे पानी को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन बेहद सतर्क हो गया है। रविवार को जिलाधिकारी रुचति के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक ने ललौली इंटर कालेज ललौली में बाढ़ चौपाल का आयोजन कर राहत कार्यों की जहां समीक्षा किया वहीं पलटू का पुरवा का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। चौपाल के दौरान अपर जिलाधिकारी विनय पाठक ने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बाढ़ के लिए आवश्यक व्यवस्था की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने बाढ़ चौकी पर सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, बिस्तर व शौचालय इत्यादि की व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।

पेज एक का शेष

अध्यादेश पर...

खड़े की शर्त पर शामिल होने की बात कही थी। कांग्रेस का रुख स्पष्ट होने के बाद रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा ने कहा कि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाने के लिए बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी। आप की राजनीतिक मामलों की समिति की रविवार को यहां दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। चड्ढा ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में विरोध करने के कांग्रेस के कदम का स्वागत किया। केजरीवाल की अध्यक्षता वाली राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) आप की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इकाई है। आप ने पहले कहा था कि वह बेंगलुरु की बैठक में तभी शामिल होगी, जब कांग्रेस संसद में दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश के विरोध में आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन देगी।

राजभर की...

सुभासपा साथ आए। सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा, सुशासन और वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों तथा हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी मिलकर लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शाह से भेंट हुई और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले राजग में शामिल होने का निर्णय लिया। राजभर ने राजग में शामिल होने के बाद दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है और अभी बहुत से लोग सपा छोड़कर राजग में शामिल होंगे। लखनऊ में जारी एक बयान में सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा का किसी से गठबंधन टिक ही नहीं सकता है। कांग्रेस और बसपा के साथ ही सुभासपा के साथ हुए सपा के पूर्व गठबंधन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की स्थिति नवासा (ससुराल की संपत्ति) पाने वाले व्यक्ति जैसी हो गई है, जो चाहता है कि गांव में सब कुछ उसी के पास रहे। भाजपा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष में अहम (अहंकार) है, सभी खुद को बड़ा मानते हैं। इन दलों को भाजपा से सीखना चाहिए कि कैसे छोटे-छोटे दलों को जोड़कर सत्ता हासिल की जाती है। राजभर की पार्टी ने वर्ष 2017 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ा था। सरकार बनने पर राजभर को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। ओम प्रकाश राजभर का विशेष रूप से राजभर समुदाय के बीच प्रभाव है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस समुदाय की अच्छी खासी तादाद है। खासतौर से गाजीपुर, बलिया, मऊ आजमगढ़, अंबेडकरनगर, जौनपुर, चंदौली, वाराणसी, देवरिया, संत कबीर नगर, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती और बहराइच समेत कई जिलों में राजभर मतदाताओं का प्रभाव माना जाता है। उम्मीद की जा रही है कि राजभर अब 18 जुलाई की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक को लोकसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, भाजपा के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जनता दल (सेक्युलर) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के संबंध में बातचीत का संकेत दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चर्चा के नतीजे भविष्य के राजनीतिक घटनाक्रम को निर्धारित करेंगे। जद (एस) के राजग में शामिल होने की संभावना पर एक सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा कि यह हमारे नेतृत्व और जद (एस) अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा के बीच चर्चा पर निर्भर करता है।

अजित, राकांपा...

नहीं है। शरद पवार खेमे के सूत्रों ने बताया कि राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और राकांपा के मुख्य सचेतक (शरद पवार खेमा) जितेंद्र आव्हाड भी वाई बी चव्हाण सेंटर पहुंचे। अजित पवार शुक्रवार को राकांपा अध्यक्ष की पत्नी प्रतिभा पवार से मिलने के लिए उनके आधिकारिक आवास सिल्वर ओक गए थे। प्रतिभा पवार की दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में हाथ से जुड़ी सर्जरी हुई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार अपनी चाची प्रतिभा के करीबी माने जाते हैं। साल 2019 में, विधानसभा चुनाव के बाद अजित और देवेंद्र फडणवीस ने अल्पकालिक सरकार बनाई थी। बताया जाता है कि इसके बाद प्रतिभा ने अजित को राकांपा में वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अजित पवार समेत नौ विधायक दो जुलाई को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए थे।

पाकिस्तान में...

हमला किया। हमलावरों ने रविवार को मंदिर पर अंधाधुंध गोलीबारी की जब पुलिस दल मौके पर पहुंचा तो भाग गए। दागे गए रॉकेट में विस्फोट नहीं हुआ जिससे जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय किया गया है जब डकैतों ने कुछ दिन पहले काशमोर और घोटकी नदी क्षेत्रों में सीमा हैदर जखरानी की पबजी प्रेम कहानी के प्रतिशोध में हिंदू उपासना स्थलों और समुदाय के सदस्यों पर हमला करने की धमकी दी थी। इस बीच, पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने कहा है कि वह सिंध के काशमोर और घोटकी जिलों में बिगड़ती कानून व्यवस्था की खबरों से चिंतित है, जहां महिलाओं और बच्चों सहित हिंदू समुदाय के लगभग 30 सदस्यों को संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा कथित तौर पर बंधक बना लिया गया था।

बाढ़ पीड़ितों...

अन्य दस्तावेज बनवा सकेंगे, जिनके ये दस्तावेज बाढ़ में बह गए हैं। कुछ बच्चों की किताबें और स्कूल ड्रेस भी पानी के साथ बह गई हैं। सरकार ऐसे बच्चों को दोबारा किताबें और स्कूल ड्रेस देगी। कुछ इलाकों में यमुना का पानी भरने से बहुत ज्यादा कीचड़ हो गया है। ऐसी जगहों पर मिट्टी डाल कर ठीक किया जाएगा। यही नहीं, जिन लोगों का सारा सामान बह गया है, उनकी मदद का तरीका भी तलाशा जा रहा है, ताकि उनके नुकसान की भरपाई हो सके। केजरीवाल ने हरियाणा के उस आरोप का खंडन किया, जिसमें कहा जा रहा है कि दिल्ली सरकार ने यमुना पुल के रखरखाव का पांच साल से पैसा नहीं दिया है। इस संबंध में सीएम का कहना है कि उन्होंने इस बारे में पता किया है। यमुना के पुल के रखरखाव का पैसा दिल्ली सरकार नहीं देती है, बल्कि डीटीपीसी देती है। डीटीपीसी भी केंद्र सरकार के अधीन आती है। यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हालात सामान्य करने के लिए बहुत सक्रियता से काम किया जा रहा है। जगह-जगह पंप से पानी निकाला जा रहा है। सीएम ने कहा कि यमुना का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और अब जलस्तर रविवार देर शाम 205.9 मीटर पर आ गया है, जबकि यह 208.6 मीटर तक पहुंच गया था। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने जा रहे प्रभारी मंत्रियों का विरोध करने पर सीएम ने कहा कि भाजपा को इस तरह की राजनीति नहीं करनी चाहिए। संकट के समय राजनीति ठीक नहीं है।

बाढ़ नियंत्रण...

थे। राज निवास के सूत्र ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में बाढ़ नियंत्रण उपायों की समीक्षा, सिफारिश, पर्यवेक्षण और समन्वय करने वाली शीर्ष समिति के अध्यक्ष के रूप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस साल जून के अंत में होने वाली समिति की अनिवार्य बैठक की अनुमति नहीं दी, जबकि राजस्व विभाग ने इससे संबंधित फाइल 19 जून को भेजी थी। पिछले साल भी केजरीवाल ने यह बैठक नहीं होने दी थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली इस उच्च-अधिकार प्राप्त समिति में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, दिल्ली के सांसद, आम आदमी पार्टी के चार विधायक और मुख्य सचिव के साथ-साथ दिल्ली विकास प्राधिकरण, भारतीय सेना के जीओसी और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी)के सदस्य जैसे अन्य हितधारक शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि स्थिति की समीक्षा करने और हर साल बाढ़ नियंत्रण आदेश पारित करने के लिए मानसून की शुरुआत से पहले जून के अंत में किसी भी तारीख को बैठक करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि शीर्ष समिति खतरों और अनुमानों को ध्यान में रखती है, तैयारियों का आकलन करती है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सहित विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच एक सटीक समन्वय तंत्र सुनिश्चित करती है। राज निवास सूत्रों के मुताबिक, मंडलायुक्त, जो समिति के संयोजक भी हैं, ने 21 जून को मुख्यमंत्री केजरीवाल से जून के अंतिम सप्ताह में समिति की अनिवार्य बैठक बुलाने के लिए उपयुक्त तारीख और समय बताने का अनुरोध किया था। राजस्व मंत्री आतिशी के माध्यम से वह फाइल मुख्यमंत्री को सौंपी गई। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि फाइल 26 जून को आतिशी को इस टिप्पणी के साथ लौटा दी गई थी कि माननीय मुख्यमंत्री की इच्छा है कि माननीय मंत्री (राजस्व) शीर्ष समिति की बैठक बुलाएं, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री करते हैं। सूत्रों ने दावा किया कि उनके विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) ने संभागीय आयुक्त को बाढ़ नियंत्रण आदेश 2023 जारी करने के लिए 30 जून को शाम 6.30 बजे प्रमुख सचिव (सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण), जिलाधिकारी (पूर्व दिल्ली) और अन्य अधिकारियों के साथ उनके सम्मेलन कक्ष में एक संक्षिप्त बैठक (शीर्ष समिति की नहीं) करने का निर्देश दिया। सूत्रों ने आरोप लगाया कि आतिशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीडब्ल्यूसी के प्रतिनिधियों के अलावा मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, एमसीडी आयुक्त, दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ और कई अन्य महत्वपूर्ण हितधारक अनुपस्थित रहे और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आतिशी ने उनसे बैठक में मौजूद रहने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने बताया कि इसके बाद छह जुलाई को बैठक हुई और मुख्य हितधारकों को विश्वास में लिए बिना एक आधा-अधूरा बाढ़ नियंत्रण आदेश जारी किया गया। इन आरोपों का खंडन करते हुए आप सरकार ने कहा कि वह मई में ही बाढ़ और जलभराव के मुद्दों की नियमित समीक्षा कर रही थी। सरकार ने एक बयान में कहा कि नौ मई को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज और लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), आई एंड एफसी, दिल्ली जलबोर्ड, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद सहित सभी विभाग मौजूद थे और बाढ़ और जलभराव की तैयारियों की समीक्षा की गई। बयान में कहा गया कि इसके अलावा, बाढ़ और जलभराव से संबंधित किसी भी मुद्दे को सुलझाने के लिए नियमित अंतरविभागीय बैठकें की गईं। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री स्थिति की स्वयं निगरानी करते रहे हैं और दिल्ली के ऐतिहासिक आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए, उचित प्रक्रिया के अनुसार बाढ़ नियंत्रण आदेश जारी किया गया था।

जयशंकर ने...

परियोजना मणिपुर के मोरेह को म्यांमा के जरिए थाईलैंड के माए सॉट से जोड़ेगी। इस परियोजना में देरी हुई है। सरकार का लक्ष्य दिसंबर 2019 तक राजमार्ग से परिचालन शुरू करने का था। थान स्वे के साथ बातचीत में जयशंकर ने सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की जरूरत को भी रेखांकित किया और कहा कि हाल में इनमें काफी अशांति रही है तथा हालात खराब करने वाली किसी भी स्थिति से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, मानव तथा मादक पदार्थों की तस्करी पर चिंता व्यक्त की। तस्करी के शिकार लोगों की जल्द वापसी के लिए संबंधित पक्षों से मजबूत सहयोग की अपील की। जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी होने के नाते भारत, म्यांमा में मानवीय स्थिति को लेकर चिंतित है। उन्होंने चुनौतियों से निपटने के लिए जनकेन्द्रित पहल का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, म्यांमा में भारत लोकतांत्रिक परिवर्तन प्रक्रिया का समर्थन करता है तथा शांति एवं स्थायित्व की जरूरत को रेखांकित करता है। हम इस संबंध में आसियान के साथ अपनी नीति को लेकर करीबी समन्वय करेंगे।

बाढ़ क्षेत्रों...

की संभावना अधिक होती है। डॉ भट्ट ने कहा कि बाढ़ के दौरान फंगल संक्रमण, विशेष रूप से पैरों की कैंडिडिआसिस आम बात होती है। यह मुख्य रूप से पैरों में इंटरडिजिटल स्पेस को प्रभावित करता है। हालांकि, पानी के लगातार संपर्क में रहने से हाथों में वेब स्पेस भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे लोगों को बुखार के साथ अंगों में गंभीर दर्द और सूजन भी होती है। इससे सेल्युलाइटिस का खतरा भी बढ़ जाता है और इसके लिए मरीज को अस्पताल में भी भर्ती करना पड़ सकता है। गुरुग्राम के पारस हॉस्पिटल में वरिष्ठ त्वचा विशेषज्ञ डॉ. एकता निगम ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की और कहा कि उनके पास एथलीट फुट और दाद के अलावा जॉक खुजली त्वचा रोगों के मामले भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि एथलीट फुट संक्रमण विशेष रूप से पैर की उंगलियों के बीच के स्थान को प्रभावित करता है, क्योंकि यह नम वातावरण में पनपता है और वहां नमी रहती है। बाढ़ के दौरान पैरों की उंगलियों के बीच का स्थान बामुश्किल सूख पाता है और यह दूषित पानी के संपर्क में भी रहता है। इससे लाल, खुजलीदार दाने हो जाते हैं। जॉक खुजली कमर क्षेत्र और भीतरी जांघों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि एथलीट फुट के समान ही यह नमी वाले हिस्से में शीघ्र पनपता है। इसलिए बाढ़ की घटनाओं के दौरान यह आम शिकायत होती है। डॉक्टरों के अनुसार, कैंडिडिआसिस भी चिंता का प्रमुख कारण बनता जा रहा है, जो मुंह (थ्रश), त्वचा, जननांग क्षेत्र और त्वचा की नम परतों सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों को संक्रमित करता है। बाढ़ के दौरान नमी वाली स्थितियों में लंबे समय तक रहने से कैंडिडिआसिस विकसित होने का खतरा बढ़ सकता है। एक और फंगल संक्रमण है, जो अपना भयानक रूप धारण कर रहा है और वह है एस्परगिलोसिस। यह भी नमी की वजह से होता है। डॉ. भट्ट ने कहा कि एस्परगिलोसिस विशेष रूप से कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली या पहले से फेफड़ों की की बीमारी से जूझ रहे लोगों को जल्दी हो सकता है।

क्या है...

भी डॉक्टरों की सलाह से लिया जा सकता है। डॉ. भट ने कहा कि आमतौर पर दवा की दुकानों से मिलने वाली स्टेरॉयड युक्त क्रीम जैसे बेटनोवेट, डर्मी 5, फोरडरम या क्वाड्रिडर्म क्रीम के इस्तेमाल से बचना चाहिए, क्योंकि इनके दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

अलास्का तट के पास 7.2 तीव्रता का भूकंप

●सुनामी की चेतावनी जारी, बाद में रद्द की गई

भाषा । वाशिंगटन

अलास्का तट के पास 7.2 तीव्रता के भूकंप के झटके के बाद शनिवार देर रात दक्षिणी अलास्का के लिए थोड़े समय के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई, लेकिन लगभग एक घंटे बाद उसे रद्द कर दिया गया। यह जानकारी निगरानी निकायों ने दी। अलास्का भूकंप केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 7.2 मापी गई और इसे अलास्का प्रायद्वीप, एल्यूशिअन द्वीप समूह और कुक इनलेट क्षेत्रों में महसूस किया गया। अलास्का के कोडियाक में देर रात सायरन के जरिए संभावित सुनामी की चेतावनी जारी की गई और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप शनिवार देर रात 10 बजकर 48 मिनट पर आया और इसका केंद्र सैंड प्वाइंट, अलास्का से 106 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था। भूकंप की तीव्रता शुरुआत में 7.4 बताई गई, लेकिन इसे बाद में कम करके 7.2 कर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि भूकंप का केंद्र 21 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। एजेंसी ने पहले अलर्ट के करीब एक घंटे बाद परामर्श रद्द कर दिया। केटीयू-टीवी की खबर के अनुसार, अलास्का के एक ही क्षेत्र में अनुमानित आठ झटके आए, जिनमें भूकंप के मूल झटके के तीन मिनट के भीतर 5.0 की तीव्रता का एक झटका भी शामिल था।केटीयू ने बताया कि निवासियों को सलाह दी गई कि वे स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों की मंजूरी के बिना खतरनाक क्षेत्रों में दोबारा नहीं जाएं।केटीयू ने बताया कि समुद्र के जलस्तर में छोटे बदलाव अभी भी संभव हैं।

चेतावनी के बाद पुलिस, प्रशासन सक्रिय हुआ

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन, सुरंग से नौ शव निकाले गए

सियोल। दक्षिण कोरिया मे भारी बारिश के कारण सुरंग मे भरे पानी मे 15 वाहन फंस गए थे जिनमे से रविवार को नौ शवो को निकाला गया। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बारिश से अचानक आई बाढ़, भूस्खलन से देश भर मे कई मकानों को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियो ने बताया कि दक्षिण कोरिया मे भारी बारिश के कारण हुए हादसो मे नौ जुलाई से अबतक 37 लोगो की जान गई है और हजारो लोगो को सुरक्षित स्थानो पर जाना पड़ा है।शहर के अग्निशमन विभाग के प्रमुख सेओ जेयोंग-इल ने संवाददाताओं को बताया कि गोताखोरों सहित लगभग 900 बचावकर्मी चेओंगजू शहर स्थित सुरंग मे बचाव अभियान चला रहे है। इस सुरंग मे शनिवार शाम अचानक आई बाढ़ में एक बस सहित कई वाहन फंस गए थे।अग्निशमन अधिकारियों का आकलन है कि दो से तीन मिनट के भीतर सुरंग में पानी भर गया था। सोशल मीडिया पर साझा घटनास्थल की तस्वीरो और वीडियो मे दिखाई दे रहा है कि बचावकर्मी सुरंग से पानी निकाल रहे हैं और गोताखोर रबर की नावो के जरिए सुरंग के अंदर-बाहर आ-जा रहे है। दमकल विभाग के अधिकारी यांग चान मो ने बताया कि सुरंग से पूरा पानी निकालने में कई घंटे लग जाएंगे। उन्होंने कहा, सुरंग मे चार से पांच मीटर पानी, मिट्टी और मलबा भरा है। बचावकर्मी संभल-संभलकर आगे बढ़ रहे है, ताकि पानी में फंसा कोई व्यक्ति बह न जाए। सियो ने बताया कि सुरंग से नौ लोगों को बचाया गया है, जबकि परिवारों और अन्य लोगो द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक लापता करीब 10 अन्य लोगो का फिलहाल पता नही लगाया जा सका है। उन्होंने कहा कि वाहनों में फंसे यात्रियों की सही संख्या के बारे में अभी सटीक जानकारी नही मिल सकी है।इस बीच, आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि 8,850 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 27,260 परिवार कई दिनो से बिजली के बिना रह रहे हैं। बारिश की वजह से करीब 50 सड़कें क्षतिग्रस्त हुई है और 100 से अधिक मकान ध्वस्त हो गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक कम से कम 35 लोगों का इलाज किया जा रहा है। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, राष्ट्रपति यून सुक एओल ने यूक्रेन की यात्रा के बाद पोलैंड रवाना होने के दौरान एक ट्रेन मे, वर्षा जनित हादसो, बाढ़ तथा भूस्खलन से पहुंचे नुकसान की जानकारी के लिए शनिवार को आपात बैठक की।

ब्रिटेन: भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या के मामले में पांच लोग दोषी साबित

भाषा । लंदन

पूर्वी इंग्लैंड में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की हत्या के मामले में एक गिरोह के तीन पुरुष और दो महिला सदस्यों को दोषी पाया गया है। विशाल गोहेल (44) जनवरी में हर्टफोर्डशायर के बुशी में स्थित एक फ्लैट के भीतर अचेत अवस्था में मिले थे जिन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गोहेल के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। ब्रिटिश मीडिया में प्रकाशित अदालती रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को सेंट एल्बंस क्राउन कोर्ट में एक जूरी को बताया गया कि गिरोह ने जाल बिछाकर गोहेल को लूटने के इरादे से उन्हें हनीट्रैप में फंसाया था। बेडफोर्डशायर, कैम्ब्रिजशायर और हर्टफोर्डशायर (बीसीएच) मेजर क्राइम यूनिट के अधिकारियों ने हत्या की जांच शुरू की और इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया। जांच का नेतृत्व करने वाले अधिकारी जस्टिन जेनकिंस ने कहा, इस बेहद कठिन समय में हम विशाल के परिवार और दोस्तों के साथ हैं।

क्विक न्यूज

अभिनेता आर. माधवन फ्रांस में मोदी-मैक्रों के रात्रिभोज में शामिल हुए

पेरिस। फ्रांस के लूवर संग्राहलय में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आयोजित रात्रिभोज में शामिल हुए अभिनेता आर. माधवन ने रविवार को कहा कि वह उन दोनों वैश्विक नेताओं से आश्चर्यचकित हैं, जिन्होंने कार्यक्रम में अपनी दृष्टि का वर्णन किया और पूरे उत्साह के साथ दोनों देशों के भविष्य पर चर्चा की। मैक्रों और उनकी पत्नी एवं फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों ने शुक्रवार को यहां के इस प्रतिष्ठित संग्रहालय में प्रधानमंत्री मोदी के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया था। प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति के न्योते पर बृहस्पतिवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे थे। प्रधानमंत्री फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान बैस्टिल दिवस परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। माधवन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में "अनुग्रह और विनम्रता परअतुलनीय सीखें के लिए मैक्रों और मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे लिखा, 14 जुलाई 2023 को पेरिस में आयोजित बैस्टिल दिवस समारोह के दौरान भारत-फ्रांस संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के लोगों के लिए कुछ अच्छा करने का जुनून और समर्पण स्पष्ट और शानदार था। लूवर संग्राहलय में हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित रात्रिभोज से मैं आश्चर्यचकित हूं। उन्होंने लिखा, कार्यक्रम में दोनों वैश्विक नेताओं ने दो महान मित्र राष्ट्रों के भविष्य के लिए अपनी दृष्टि का उत्साहपूर्वक वर्णन किया। माधवन ने रात्रिभोज की तस्वीरों की एक श्रृंखला के साथ लिखा, "दोनों देशों के बीच सकारात्मकता और आपसी सम्मान एक मधुर संबंध को बयां करता है।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू चक्कर आने के बाद अस्पताल में हुए भर्ती, जांच के बाद मिली छुट्टी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को चक्कर आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच कराने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। नेतन्याहू (73) को शनिवार को हल्का चक्कर आने के बाद शेबा मेडिकल सेंटर ले जाया गया था। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि जांच के बाद रविवार दोपहर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इससे पहले कार्यालय ने कहा था कि जांच रिपोर्ट सामान्य है और नेतन्याहू "बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। शेबा मेडिकल सेंटर ने बताया कि हृदय तथा रक्तवाहिकाओं संबंधी जांच समेत विभिन्न जांच के बाद नेतन्याहू की तबीयत बहुत अच्छी है। अस्पताल ने कहा कि प्रधानमंत्री को छुट्टी दिए जाने के बाद उनकी मेडिकल टीम उनकी देखभाल करती रहेगी। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने कल का दिन उत्तरी इजराइल में स्थित पर्यटन स्थल सी ऑफ गैलिली में बिताया, जहां तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इजराइल में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। नेतन्याहू की स्वास्थ्य जांच में पता चला कि उनके शरीर में पानी की कमी हो गई थी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद नेतन्याहू ने कल रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने मुस्कुराते हुए बताया कि वह शुक्रवार को टोपी पहने बिना और पर्याप्त मात्रा में पानी पीए बगैर धूप में निकले थे। उन्होंने कहा, यह अच्छा फैसला नहीं था।

भारतीय मूल के मंत्रियों से जुड़ी फर्जी खबर पर विपक्षी नेता और अन्य को भूल सुधार का निर्देश

सिंगापुर। सिंगापुर की सरकार ने रविवार को विपक्षी दल के एक नेता और एक वेबसाइट (जोम) को उन लेखों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी गई फर्जी खबरों को लेकर कानून के तहत भूल सुधार करने को कहा है जिनमें रिडआउट रोड प्रकरण और सत्तारूढ़ दल के भारतीय मूल के मंत्रियों द्वारा सरकारी बंगले को किराए पर दिए जाने को लेकर गलत बयान दिए गए हैं। द स्ट्रेट्स टाइम्स ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, कानून मंत्रालय ने कहा कि दूसरे कानून मंत्री एडविन टोंग ने रिफॉर्म पार्टी के नेता केनेथ जयरत्नम और फेसबुक उपयोगकर्ता थमिल सेलवन (दोनों भारतीय मूल के हैं) को निर्देश जारी किए हैं। आदेश जयरत्नम द्वारा प्रकाशित एक लेख के संबंध में हैं जिसका शीर्षक है क्या एसएलए बयान जारी कर उन अफवाहों का खंडन करेगा उसने षणमुगम के बेटे की कंपनी को कोई अनुबंध दिया है ?। इस लेख को दो जुलाई को उनकी वेबसाइट द राइसबॉउल सिंगापुर पर प्रकाशित किया गया है। इसके साथ ही एक जुलाई को इसे थामिल ने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया था। लेख और पोस्ट में उन्होंने झूठ कहा था कि सिंगापुर भूमि प्राधिकरण (एसएलए) ने 26 रिडआउट रोड याऔर 31 रिडआउट रोड के नवीनीकरण का ठेका गृह की आंतरिक साजसज्जा करने वाली कंपनी लिवस्पेस को दिया था। मीडिया की पुरानी खबरों के अनुसार ए सरकारी बंगले कई वर्षों से खाली थे। उन्होंने यह भी दावा किया था कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि लिवस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गृह मामलों और कानून मंत्री के षणमुगम के बेटे हैं। आरोप लगाया गया कि रिडआउट रोड में औपनिवेशिक युग के दो बंगले षणमुगम और विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन द्वारा किराए पर दिए जा रहे हैं। बयान में कानून मंत्रालय ने कहा कि लिवस्पेस और षणमुगम के बेटे को एसएलए द्वारा 26 रिडआउट रोड याऔर 31 रिडआउट रोड के लिए काम करने के लिए नियुक्त नहीं किया गया था, जैसा कि तीन जुलाई को एक संसदीय बैठक के दौरान टोंग ने कहा था। संसद ने इस बात पर बहस की थी कि बंगलों को कैसे दो मंत्रियों द्वारा किराए पर दिया गया था।

सिंगापुर : नियोक्ता की सास की हत्या के मामले में घरेलू सहायिका को उम्रकैद की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय महिला की हत्या करने के आरोप में म्यामां की एक आया को यहां की एक अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। मीडिया में आई खबरों में कहा गया है कि हत्या करने वाली महिला का नाम जिन मार न्वे है और वह पीड़िता के दामाद के घर में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। उसे जानबूझकर पीड़िता पर चाकू से हमला कर हत्या का दोषी पाया गया था। द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी आया न्वे को चार जुलाई को सजा सुनाई गई थी। उसने यह स्वीकार किया कि पीड़िता ने उसे एजेंट के पास वापस भेजने की धमकी दी थी, जिसके बाद उसने गुस्से में उस पर चाकू से 26 बार हमला किया था।रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय नियंत्रक मिस्टर एस ने उसे काम पर रखा था। शुरुआत में मार न्वे को अपने नियोक्ता के साथ काम करने में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन दो सप्ताह बाद 26 मई 2018 को जब नियोक्त की सास एक महीने के लिए परिवार के साथ रहने भारत से सिंगापुर आई, तब न्वा को बुजुर्ग महिला के साथ रहने में समस्या होने लगी।

जेम्स कैमरून ने टाइटन पनडुब्बी हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों को खारिज किया

लॉस एंजिलिस। फिल्म निर्माता जेम्स कैमरून ने टाइटन पनडुब्बी हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों को शनिवार को खारिज किया। टाइटैनिक जहाज के मलबे का दीदार करने के लिए टाइटन में सवार होकर गहरे समुद्र में उतरे पांच लोगों को 18 जून को इस पनडुब्बी में विस्फोट होने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी थी। कैमरून ने 1997 में टाइटैनिक जहाज के एक बर्फीली चट्टान से टकराने के बाद समुद्र में डूबने की घटना पर आधारित फिल्म टाइटैनिक का निर्देशन किया था। उन्होंने टाइटन हदसे पर फिल्म बनाने की अटकलों की शनिवार को ट्विटर पर सार्वजनिक रूप से निंदा की। कैमरून ने लिखा, मैं आमतौर पर मीडिया में प्रसारित आपत्तिजनक अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं देता, लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ रहा है। मैं टाइटन हादसे पर फिल्म बनाने के बारे में नहीं सोच रहा हूं और न ही मैं कभी ऐसा करूंगा। कैमरून (68) ने हाल ही में एक अमेरिकी अखबार से बातचीत में कहा था कि वह टाइटन पनडुब्बी और टाइटैनिक जहाज से संबंधित हादसों में मौजूद समानताओं से चकित हैं। पिछले महीने, अमेरिकी तटरक्षक बल ने कहा था कि टाइटन की खोज के दौरान मिला मलबा हादसे के शिकार हुए टाइटैनिक जहाज के मलबे से मेल खाता है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री अगले मंत्रिमंडल फेरबदल में पद छोड़ सकते हैं

लंदन। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने रविवार को कहा कि वह चार साल तक पद पर रहने के बाद कुछ महीनों मे होने वाले अगले मंत्रिमंडल फेरबदल मे पद छोड़ देंगे। वर्ष 2005 से सांसद एवं कंजर्वेटिव पार्टी सदस्य वालेस (53) ने द संडे टाइम्स को बताया कि वह अगले साल होने वाले आम चुनाव के दौरान मैदान में नही उतरेंगे। वालेस ने तीन ब्रिटिश प्रधानमंत्रियो - बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक - के साथ रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया है। वालेस ने अखबार को बताया, मै 1999 मे स्कॉटलैंड की संसद के जरिए राजनीति में आया था। अब इसे 24 साल बीत चुके है। माना जाता है कि मंत्री ने कैबिनेट से हटने के अपने फैसले के बारे में पिछले महीने प्रधानमंत्री सुनक को सूचित कर दिया था।

पाकिस्तान : पुलिस ने पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) समूह के सदस्यो सहित पांच आतंकवादियो को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीडीटी) ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। विभाग ने कहा कि पंजाब के मुल्तान और गुजरांवाला जिले मे खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान शनिवार को ए गिरफ्तारियां हुई है। विभाग ने कहा कि यह आतंकवादी आईएसआईएस आतंकी समूह, बलूचिस्तान मुक्ति सेना और लश्कर-ए-झंगवी (लेईजे) से संबंधित है। विभाग के मुताबिक, संदिग्ध आतंकवादी मुल्तान और गुजरांवाला मे महत्वपूर्ण ठिकानो और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना चाहते थे। सीटीडी ने आतंकियों के पास से 555 ग्राम विस्फोटक, डेटोनेटर, सेफ्टी फ्यूज और आईएसआईएस तथा बलूचिस्तान मुक्ति सेना का प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, आतंकवादियों को पूछताछ के लिए एक अज्ञात जगह पर स्थानांतरित कर दिया गया है। सीटीडी ने इस साल पंजाब से तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और आईएसआईएस के सौ से ज्यादा संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है।

ईरान : प्रदर्शन के बाद लोकाचार पुलिस सड़कों पर लौटी

दुबई। ईरान के अधिकारियों ने रविवार को महिलाओं को इस्लामी पोशाक पहनने के लिए मजबूर करने वाले एक नए अभियान की घोषणा की। इसके साथ ही, हिरासत में एक महिला की मौत के 10 महीने बाद लोकाचार पुलिस फिर से सड़कों पर लौट आई। पिछले साल सितंबर में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद लोकाचार पुलिस को वापस बुला लिया गया था क्योंकि अधिकारियों को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। इस साल की शुरुआत में पुलिस की सख्त कार्वाई के बाद विरोध प्रदर्शन लगभग खत्म हो गए। इस दौरान 500 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए और लगभग 20,000 प्रदर्शनकारियो को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने प्रदर्शनो के दौरान इस बात पर जोर दिया कि पोशाक के नियम में बदलाव नही किया गया है। ईरान के शासक हिजाब को इस्लामी क्रांति के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में देखते है, जिससे उन्हें सत्ता मिली। रविवार को, पुलिस प्रवक्ता जनरल सईद मोटाज़ेरोलमहदी ने कहा कि लोकाचार पुलिस सार्वजनिक रूप से हिजाब नही पहनने वाली महिलाओं को अवगत कराएगी और फिर हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू करेगी। तेहरान में, लोकाचार पुलिस के सदस्यों को सड़कों पर गश्त करते हुए देखा जा सकता है।

रूस के पास क्लस्टर बम का बड़ा भंडार : पुतिन

भाषा । कीव

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि रूस के पास क्लस्टर बम का पर्याप्त भंडारै है और चेतावनी दी कि यदि यूक्रेन ने विवादास्पद हथियार का इस्तेमाल किया तो उसके पास भी जवाबी कार्वाई करने का अधिकार है। अमेरिका से यूक्रेन को क्लस्टर बम की आपूर्ति पर अपनी पहली टिप्पणी में, पुतिन ने रविवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा कि रूस ने यूक्रेन में अपने युद्ध में अब तक क्लस्टर बम का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने कहा, अब तक, हमने ऐसा नहीं किया है, हमने इसका इस्तेमाल नहीं किया है और हमें ऐसी कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। हालांकि रूस और यूक्रेन, दोनों द्वारा क्लस्टर बमों के इस्तेमाल का व्यापक रूप से उल्लेखित किया गया है तथा रूस के हमलों के बाद क्लस्टर बम पाए गए हैं। रुसिया टीवी के रिपोर्टर पावेल ज़रुबिन ने रविवार रात निर्धारित प्रसारण से पहले रविवार को साक्षात्कार के अंश अपने टेलीग्राम चैनल पर प्रकाशित किए। पेंटागन ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा प्रदान किए गए क्लस्टर बम यूक्रेन में आ गए हैं। क्लस्टर बम को उंचाई से हवा में छोड़ा जाता है और इसके अंदर से हजारों की संख्या में छोटे बम निकलते हैं, जो निशाना बनाए गए स्थान पर भारी तबाही मचाते हैं। अतीत में क्लस्टर बम के इस्तेमाल में बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। यही वजह है कि कई देश क्लस्टर बम के इस्तेमाल से परहेज करते हैं। पिछले सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अंतिम निर्णय लेने से पहले, अमेरिकी नेताओं ने महीनों तक इस पेचीदे मुद्दे पर चर्चा की। यूक्रेन ने इन्हें घनी आबादी वाले इलाकों से दूर ही इसके इस्तेमाल करने का वादा किया है। वहीं यूक्रेन की सेना ने रविवार सुबह कहा कि पिछले 24 घंटे में रूस ने 40 हवाई हमलों और रॉकेट लांचर से 46 हमलों के अलावा, ईरान निर्मित दो शाहेद ड्रोन से हमले किए, दो क्रूज मिसाइलें दागी और दो विमान भेदी मिसाइलें छोड़ीं। डोनेत्स्क के गवर्नर पावलो किरिलेंको ने रविवार को कहा कि शनिवार को क्षेत्र के दो निवासियों की मौत हो गई, और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यूक्रेनी अभियोजक जनरल के कार्यालय के अनुसार, देश में अन्य जगहों पर, रविवार को दक्षिणी क्षेत्र खेरसॉन में रूसी सेना द्वारा छोड़े गए एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से आठ और 10 साल की उम्र के दो लड़के घायल हो गए।

अमेरिका में चार लोगों की हत्या का संदिग्ध फरार, तलाश जारी

हैम्पटन (अमेरिका)। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में प्राधिकारी एक व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जिस पर अटलांटा उपनगर में तीन पुरुषों तथा एक महिला की गोली मारकर हत्या करने का संदेह है। हैम्पटन पुलिस प्रमुख जेम्स टर्नर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि संदिग्ध आंद्रे लॉन्गमोर (40) के पास हथियार है और वह खतरनाक हो सकता है। गोलीबारी की यह घटना शनिवार सुबह हुई। अधिकारियों ने हत्या के बारे में बहुत कम जानकारियां दी हैं। टर्नर ने बताया कि एक ही इलाके में एक के बाद एक चार शव मिले हैं। लॉन्गमोर हैम्पटन का रहने वाला है लेकिन उन्होंने इस घटना के पीछे के कारणों की जानकारी नहीं दी। आरोपी हत्याओं के बाद से फरार है और प्राधिकारी उसकी तलाश कर रहे हैं। वे एक कार की भी तलाश कर रहे हैं जिसमें लॉन्गमोर हो सकता है। उसके बारे में सूचना देने वाले व्यक्ति के लिए 10,000 डॉलर का इनाम भी घोषित किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में इस साल सामूहिक गोलीबारी की यह 31वीं घटना है और इनमें अब तक कम से कम 153 लोग मारे जा चुके हैं।

मेकोंग क्षेत्र में शांति, समृद्धि भारत की एक्ट ईस्ट नीति में अहम भूमिका निभाती है : जयशंकर

बैंकॉक । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि मेकोंग क्षेत्र में शांति और समृद्धि भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत क्षेत्र के सभी देशों के लिए सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां 12वीं मेकोंग गंगा सहयोग (एमजीसी) तंत्र की बैठक में जयशंकर ने कहा कि निचला मेकोंग क्षेत्र ऐतिहासिक और समकालीन दोनों ही दृष्टि से भारत के लिए बहुत महत्व रखता है। उन्होंने कहा, हम इस महाद्वीप की प्राचीन नदी सभ्यताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। एमजीसी पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के साथ-साथ परिवहन और संचार में सहयोग के लिए भारत और पांच आसियान देशों - कंबोडिया, लाओस, म्यांमा, थाईलैंड और वियतनाम-की एक पहल है। जयशंकर ने कहा, भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टि को साकार करने के मद्देनजर मेकोंग में शांति और समृद्धि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, मेकोंग गंगा सहयोग हमारे छह सदस्य देशों के बीच समृद्ध ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक संबंधों में निहित सबसे पुराने उप-क्षेत्रीय सहयोग के रूप में एक विशेष स्थान रखता है।

अच्छा होगा अब सीमा हैदर कभी पाक न लौटे : परिवार और पड़ोसी

भाषा । कराची

मुस्लिम समाज की रूढ़ियों को तोड़ने का साहस करते हुए अपने चार बच्चों के साथ चोरी-छिपे भारत गई पाकिस्तानी महिला सीमा गुलाम हैदर का उसके परिवार और पड़ोसियों ने बहिष्कार कर दिया है। वह भारत में, एक हिंदू व्यक्ति के साथ रहने गई है, जिससे एक ऑनलाइन गेम के दौरान उसकी दोस्ती हुई थी। सीमा और सचिन मीणा 2019 में पबजी खेलने के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए और इसके बाद दो चिर-प्रतिद्वंद्वी देशों में।,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रह रहे इन दोनों के बीच एक नाटकीय प्रेम कहानी शुरू हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, सीमा (30) और सचिन (22) दिल्ली के समीप ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रहते हैं, जहां सचिन किराने की दुकान चलाता है। सीमा को बिना वीजा के नेपाल के जरिए अपने चार बच्चों के साथ अवैध तरीके से भारत में घुसने को लेकर चार जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि सचिन को अवैध शरणार्थी को पनाह देने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। हाल में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। सीमा के बच्चों की उम्र सात साल से कम है। सीमा के पड़ोसियों और एक रिश्तेदार ने पीटीआई-भाषा के संवाददाता से कहा कि वे चाहते हैं कि सीमा पाकिस्तान न लौटे। सीमा भारत आने से पहले अपने बच्चों के साथ पिछले तीन साल से पाकिस्तान में किराए के एक मकान में रह रही थी। उसके मकान मालिक के 16 वर्षीय बेटे ने कहा, उसे अपने बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजना चाहिए। वह वहां रह सकती है। अब वह मुस्लिम भी नहीं रही। चार बच्चों की मां और नौकरी करने विदेश गए व्यक्ति की पत्नी के पाकिस्तान के इस रूढ़िवादी समाज में सब कुछ छोड़कर पड़ोसी देश (भारत) में अवैध रूप से जाने की हिमाकत उसके आस-पड़ोस में सभी लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गई है। उसका घर गुलिस्तां-ए-जौहर में कच्ची आबादी के भिट्टैयाबाद में है जो एक संकरी गली में स्थित है और तीन कमरों के मकान में कोई रंग-रोगन नहीं है।

गेहूं और वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर इस साल अल नीनो का प्रभाव

भाषा । कैम्परडाउन (ऑस्ट्रेलिया)

वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएमओ) ने सात वर्षों में पहले अल नीनो प्रभाव की शुरूआत होने की घोषणा की है। उसने यह पूर्वानुमान किया है कि प्रशांत महासागर के सतह के गर्म होने से उत्पन्न मौसमी दशा अल नीनो का प्रभाव 2023 में बना रहेगा। अल नीनो के कारण ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया में गर्म और सूखे मौसम की संभावना बढ़ जाती है जिससे जंगलों में आग लगने और अकाल पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, पेरू और इक्वाडोर में अतिवृष्टि की संभावना होती है जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। मानव जनित कारणों से हो रहे जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर इन प्रभावों को न्यू नॉर्मल (जिसे वर्तमान में सामान्य स्थिति माना जाता है) की झलक माना जा रहा है। इस मौसमी परिवर्तन का कृषि उत्पादन पर प्रभाव और उसके कारण खाद्यान्न की कीमतों में वृद्धि चिंता का विषय है। खास तौर से गेंहू, मक्का और धान के उत्पादन तथा कीमतों पर इसका प्रभाव चिंताजनक है। दुनिया पर अल नीनो का प्रभाव कई रूप में पड़ रहा है, लेकिन यह तय है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी इससे प्रभावित हो रही है। और यह खास तौर से गरीब और ग्रामीण परिवारों के परिप्रेक्ष्य में सही है क्योंकि उनका भविष्य पूरी तरह से जलवायु और कृषि पर आधारित है। वैश्विक खाद्यान्न आपूर्ति और उसकी कीमतों के बहुत ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है। पिछले पांच दशकों में 10 अल नीनो प्रभावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि वैश्विक रूप से कीमतें प्रभावित हुई हैं। अल नीनो के प्रभाव के कारण औसत खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित हुआ है, लेकिन इसके कारण दुनिया में गेंहू, मक्का और धान के भंडार अत्यधिक प्रभावित नहीं हुए हैं। हालांकि, स्थानीय स्तर पर इसका प्रभाव बहुत गंभीर है। मध्यम स्तर के अल नीनो का विशेष भौगोलिक क्षेत्र में उपज पर असर हो सकता है जैसे कि इंडोनेशिया और मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन। कुछ जगहों पर खाद्यान्नों की उपलब्धता और कीमतों पर अल नीनो के प्रभाव का बहुत गंभीर असर हो सकता है और वहां भुखमरी और मानवीय संघर्ष जैसे सामाजिक संकट पैदा हो सकते हैं। दुनिया को खाद्यान्न पर असर: संयुक्त राष्ट्र खाद्यान्न मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, अल नीनो प्रभाव और दुनिया में खाद्यान्न की कीमतों के बीच सीधा संबंध है। हालांकि, इस प्रत्यक्ष संबंध के बावजूद ऐसा कम ही हुआ है जब अल नीनो वाले साल में कीमतों में बहुत ज्यादा वृद्धि देखी गई हो। यहां तक कि पिछले तीन दशकों में दो सबसे गंभीर अल नीनो प्रभाव के दौरान कीमतों कर्मी दर्ज की गई है। इस दौरान अन्य कारकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जैसे... एशियाई वित्तीय संकट, 1997 और वैश्विक वित्तीय संकट 2007 से 2008 तक। गेंहू की आपूर्ति पर प्रभाव:अल नीनो के कारण फसल बर्बाद होने हैं, लेकिन दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पादित फसलों पर अल नीनो का दुष्प्रभाव कम और अच्छा प्रभाव ज्यादा होता है। उदाहरण के लिए अल नीनो से संघर्ष और सूखा से जूझ रहे हॉर्न ऑफ अफ्रीका (जिबूती, इथोपिया, एरिट्रिया और सोमालिया) में मौसम बेहतर होगा। इसका बेहतर उदाहरण गेंहू है। आंकड़े प्रदर्शित करते हैं कि 1980 से ही अल नीनो ने ऑस्ट्रेलिया में गेंहू के उत्पादन को कैसे प्रभावित किया है। सबसे कम प्रभावी नौ अल नीनो प्रभावों में से छह के दौरान उत्पादन में कमी आई है और इनमें से चार में दीर्घकालीक औसम से 30 प्रतिशत कम उत्पादन हुआ है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के शीर्ष तीन गेंहूं निर्यातकों में से एक है और दुनिया का करीब 13 प्रतिशत निर्यात यहीं से होता है।

ग्लोबल वार्मिंग को काबू में रखना आसान नहीं, नौपरिवहन उत्सर्जन पैदा कर सकता है अड़चनें

मेलबर्न। लंदन में दो सप्ताह की गहन वार्ता के बाद वैश्विक नौपरिवहन (शिपिंग) उत्सर्जन को कम करने की एक संशोधित रणनीति सामने आई है। यह नौ परिवहन उद्योग की जलवायु लक्ष्यो मे उल्लेखनीय वृद्धि का प्रतीक है। हालांकि पर्याप्त महत्वाकांक्षी न होने के कारण संशोधित रणनीति की आलोचना की गई है। वैश्विक व्यापार और दुनिया के नौ परिवहन बेड़े में अनुमानित वृद्धि का मतलब है कि निजी जहाजो की संख्या मे आवश्यक कटौती समग्र ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लक्ष्य से कही अधिक है। अंतरराष्ट्रीय नौ परिवहन के नए लक्ष्य हैंः(2008 के आधार बिंदु से) 20 प्रतिशत, 2030 तक 30 प्रतिशत की कटौती की कोशिश। 2040 तक 70 प्रतिशत की कटौती, 80 प्रतिशत के लिए प्रयास। 2050 तक या उसके आसपास शून्य उत्सर्जन। हमारी गणना के अनुसार रणनीति के तहत 2030 तक प्रति जहाज उत्सर्जन मे 60 प्रतिशत तक और 2040 तक 91 प्रतिशत तक कटौती की आवश्यकता होगी।

विपक्षी दल अपनी वंशवादी राजनीति को बचाने में लगे : नड्डा

भाषा। जयपुर

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दल अपनी वंशवादी राजनीति को बचाने के लिए गठबंधन बनाने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की यूपीए (संप्रग) सरकार का मतलब उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार है और पार्टी को राजस्थान में एक मिनट भी सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। नड्डा ने कहा कि विपक्षी दलों का प्रस्तावित गठबंधन देशभक्त लोकतांत्रिक गठबंधन नहीं बल्कि वंश संरक्षण गठबंधन (प्रोटेक्शन ऑफ डायनेस्टी एलायंस) है। नड्डा ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और उसे एक मिनट भी सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान अभियान की शुरुआत करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) पर निशाना साधा और कहा, कांग्रेस का यूपीए का मतलब उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए, सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ काम कर रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज कल विपक्षी दल एक नई बात कहने लगे हैं, पीडीए यानी पैट्रियोटिक डेमोक्रेटिक एलायंस। उन्होंने कहा, ...मैं पीडीए, को वंशवाद संरक्षण गठबंधन कहता हूं...यह वंशवादी राजनीति को बचाने का एक तरीका है। ये सभी लोग अपने परिवार को बचाने के लिए गठबंधन में शामिल होते हैं जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को आगे ले जाने के लिए काम करते हैं। हमें इस अंतर को समझना चाहिए। उन्होंने पिछले महीने पटना में एक दर्जन से अधिक प्रमुख विपक्षी दलों की बैठक में 2024 के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने का संकल्प लेने के बाद कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया कि उनके प्रस्तावित गठबंधन को पैट्रियोटिक डेमोक्रेटिक एलायंस (पीडीए) कहा जा सकता है। ने जदयू और समाजवादी पार्टी जैसे दलों का नाम लिया और कहा कि ए वंशवाद की पार्टियां हैं और एक-दूसरे को कुछ नहीं दे सकतीं। उन्होंने कांग्रेस को मां-बेटे-बेटी की पार्टी करार दिया और कहा कि उन्हें छोड़कर, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत सहित पार्टी के अन्य सभी नेता कांट्रेक्ट (अनुबंध) पर हैं जबकि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सब कांट्रेक्ट (उप-अनुबंध) पर हैं। जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में नड्डा ने राजस्थान में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए पार्टी के चुनाव अभियान नहीं सहेगा राजस्थान की शुरुआत की। यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। राज्य में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। नड्डा ने अभियान और एक थीम वीडियो जारी किया, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराध, उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या, सांप्रदायिक दंगे और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का फेल कार्ड भी जारी किया। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह लोगों को लूटती है और उन पर अत्याचार करती है और इस सरकार ने दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों और गरीबों पर अत्याचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। राज्य की कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान से आए शरणार्थियों के घरों को बुलडोजर से तोड़ने का काम किया है। कार्यक्रम में उन्होंने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए अर्धसैनिक बल के जवानों की वीरांगनाओं - मंजू जाट और मधुबाला से भी मुलाकात की। दोनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर इस साल मार्च में कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने हाल ही में करौली में एक युवती के साथ बलात्कार और हत्या, पिछले साल उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या और बीकानेर के खाजूवाला में एक दलित युवती के साथ बलात्कार और हत्या और अन्य घटनाओं को लेकर अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

जयपुर पहुंचने पर बीजेपी अध्यक्ष का स्वागत करते राजस्थान के भाजपा कार्यकर्ता

भारत है विश्व का उज्ज्वल स्थलः मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया पर कैपिटल ग्रुप की एक हालिया रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि भारत और अधिक विकास की प्रबल इच्छा के साथ एक वैश्विक चमकता सितारा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश धर्मनिरपेक्ष विकास की अवधि के लिए तैयार है, जो प्रत्यक्ष और अचल संपत्ति में महत्वपूर्ण विस्तार से प्रेरित है। मोदी ने ट्विटर पर रिपोर्ट साझा करते हुए कहा, युवाओं और उद्यमियों को ए नौ बिंदु दिलचस्प लगेंगे। उन्होंने कहा, और हां, भारत और अधिक वृद्धि की प्रबल इच्छा के साथ एक वैश्विक चमकता सितारा है। कैपिटल ग्रुप ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि भारत इस दशक में उभरते बाजारों में आगे बढ़ने के लिए तैयार है तो देश में पिछले 10 वर्षों में राजनीतिक स्थिरता रही है, जिससे आर्थिक विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है। कैपिटल ग्रुप ने कहा, अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले राजनीतिक अस्थिरता और बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है, लेकिन हमारा मानना है कि भारत धर्मनिरपेक्ष वृद्धि की अवधि के लिए तैयार है, जो प्रत्यक्ष और अचल संपत्ति निवेश में उल्लेखनीय विस्तार से प्रेरित है। रिपोर्ट में कई प्रमुख पहलुओं को सूचीबद्ध किया गया है, जो अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत को आकर्षक बनाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े धन प्रबंधकों में शुमार कैपिटल ग्रुप ने कहा कि इन पहलुओं में आधार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन कार्यक्रम जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के तहत किए गए सुधार उपाय शामिल हैं। एक अन्य ट्वीट में मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में दो पीएम-मित्रा मेगा टेक्सटाइल पार्क की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा कि ए पार्क महाराष्ट्र के अमरावती और गुजरात के नवसारी में स्थापित किए जाएंगे और इनसे उत्पादकता बढ़ेगी, नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे।

क्विक न्यूज

धर्मांतरण का विवरण मांगने वाला नोटिस आपत्ति के बाद पुलिस ने वापस लिया

इंदौर(मप्र)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में पुलिस ने 40 गिरजाघरों के पदाधिकारियों को धर्मांतरण से जुड़ी गतिविधियों का विवरण मांगते हुए नोटिस भेजा, लेकिन ईसाई समुदाय के विरोध के बाद इन्हें वापस ले लिया। साथ ही, पुलिस ने कहा कि यह गलती से जारी हो गया था। एक ईसाई संगठन के पदाधिकारी ने कहा कि समुदाय के सदस्यों ने पाया कि इंदौर में विभिन्न पुलिस थानों ने पिछले सप्ताह लगभग 40 गिरजाघरों और धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों को नोटिस जारी किया था। इस बारे में पूछे जाने पर इंदौर के पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि जो नोटिस इन लोगों तक पहुंचे है, वे असल में इंदौर के सभी थानाध्यक्षों को भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्षों ने गलती से ईसाई समुदाय के सदस्यों को यह नोटिस भेज दिया। अधिकारी ने कहा कि समुदाय के सदस्यों के विरोध के बाद नोटिस वापस ले लिए गए। यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम के सदस्य सुरेश कैल्टन ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि नोटिस में धर्मांतरण गतिविधियों में शामिल होने के संबंध में आपत्तिजनक सवाल थे। उन्होंने दावा किया, नोटिस में एक सवाल है, जिसमें व्यक्ति से यह घोषणा करने को कहा गया है कि क्या वह या फिर उसका संगठन धर्मांतरण में शामिल है? उन्होंने कहा कि पुलिस का यह कृत्य हमारे संवैधानिक अधिकारों का हनन है। कैल्टन ने कहा, हममें से कोई भी ऐसी गतिविधियों में शामिल नही है और हम नोटिस के खिलाफ उच्च न्यायालय जाएंगे। उन्होंने कहा, इंदौर में ईसाई समुदाय के 60,000 लोग हैं और इनमें से बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित सामाजिक कल्याण गतिविधियों से जुड़े हुए हैं।

बच्चे का जबरन धर्मांतरण कराने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

इंदौर (मध्य प्रदेश)। इंदौर में एक व्यक्ति को आठ साल के एक बच्चे का कथित रूप से धर्मांतरण करने के मामले में गिरफ्तार किया है। बच्चे के पिता की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्वाई की है। पुलिस के अनुसार, बच्चा और उसकी मां 2018 में एक ट्रेन से लापता हो गए थे और पिछले कुछ साल से गिरफ्तार आरोपी के साथ रह रहे थे। शिकायतकर्ता को हाल ही में उनके ठिकाने के बारे मे पता चला। आरोपी ने बच्चे को अपना बेटा बता कर उसका फर्जी जन्म प्रमाण पत्र भी बनवाया है।खजराना थाना के प्रभारी दिनेश वर्मा ने कहा कि व्यक्ति ने 32 वर्षीय आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और शनिवार देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी इंदौर के खजराना इलाके के रजा कॉलोनी का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467, 468, 471 (सभी जालसाजी से संबंधित) और 34 (एक समान मंशा) और मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। वर्मा ने बताया कि शिकायतकर्ता राजस्थान के बाड़मेर का रहने वाला है और उसने 2014 में मध्य प्रदेश के शाजापुर की लड़की से शादी की थी। बच्चा होने के बाद यह महिला अपने पति को बिना बताए 2018 मे ट्रेन से गायब हो गई और अपने बेटे सहित वह आरोपी के साथ रहने लगी। उन्होंने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, भूस्खलन से कई मार्ग बंद

देहरादून। उत्तराखंड के अनेक स्थानों पर रविवार को भी बारिश हुई जिससे भूस्खलन के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई सड़कों पर यातायात अवरूद्ध हुआ।चमोली जिले के जोशीमठ क्षेत्र की नीति घाटी में गिर्थी गंगा नदी में मलबे के साथ अत्यधिक पानी आने के कारण जोशीमठमलारी मोटर मार्ग पर एक पुल का अबेटमेंट (पुल को सहारा देने वाली संरचना) क्षतिग्रस्त हो गया। यह पुल मलारी से आठ किलोमीटर आगे नदी पर है। आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सेना द्वारा निर्मित इस मोटर पुल पर सामान्य लोगों का आवागमन नही था और इसका उपयोग केवल सेना, आइटीबीपी आदि द्वारा किया जाता था। उधर, पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश के कारण बाढ़ से प्रभावित हरिद्वार जिले की चार तहसीलों मे बचाव और राहत कार्य जारी है। धारचूला मे काली नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर 889 मीटर से उपर पहुंच गया है जबकि गंगा समेत कई नदियां चेतावनी के निशान के नजदीक बह रही हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश में पिछले 24 घंटे मे सर्वाधिक 70 मिमी बारिश कपकोट में दर्ज की गई जबकि मसूरी में 61, कर्णप्रयाग मे 57, चमोली में 54.4, नागथात मे 53, देहरादून के मोहकमपुर में 48, विकासनगर में 41 और उत्तरकाशी में 39 मिमी बारिश दर्ज की गई।हरिद्वार जिले की रुड़की, भगवानपुर, लक्सर और हरिद्वार तहसीलों मे राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रतिवादन बल, सेना तथा पुलिस की मदद से बचाव और राहत कार्य चलाए जा रहे है।इन तहसीलों में बाढ़ प्रभावित 71 गांवों के 3,756 परिवार प्रभावित हुए है जिनमें से 81 परिवारों को अस्थाई राहत शिविरों मे रखा गया है।

केदारनाथ मंदिर में मोबाइल फोन लेकर जाने, फोटो और वीडियो बनाने पर लगा प्रतिबंध

देहरादून। हाल मे कई विवादास्पद वीडियो के कारण चर्चा में रहे केदारनाथ मंदिर मे मोबाइल फोन लेकर प्रवेश करने, फोटो लेने और वीडियो बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।मंदिर की व्यवस्थाओ के लिए जिम्मेदार श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने इस संबंध मे मंदिर परिसर में जगह-जगह बोर्ड लगा दिए है। इन बोर्ड में कहा गया है कि मंदिर परिसर मे मोबाइल फोन लेकर प्रवेश न करें, मंदिर के भीतर किसी प्रकार की फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी पूर्णतः वर्जित है और आप सीसीटीवी कैमरों की निगरानी मे है। कुछ अन्य बोर्ड मे मंदिर और मंदिर परिसर मे मर्यादित वस्त्र ही धारण करने को कहा गया है जबकि एक अन्य बोर्ड मे कहा गया है कि मंदिर प्रांगण मे तंबू या शिविर स्थापित करना दंडनीय अपराध है। हिंदी और अंग्रेजी में लिखे इन बोर्ड मे साफ तौर पर कहा गया है कि ऐसा करते पकड़े जाने पर कानूनी कार्वाई की जाएगी। हाल मे गढ़वाल हिमालय में स्थित केदारनाथ मंदिर में बनाए गए ऐसे कई वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए जिन्हें लेकर तीर्थ पुरोहितों से लेकर आम श्रद्धालुओं और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने भी आपत्ति प्रकट की थी और धार्मिक स्थानों पर ऐसे कृत्यों को गलत ठहराया था।

जिलाधिकारी के जलगांव की मस्जिद में प्रवेश पर रोक लगाए जाने के खिलाफ अदालत में याचिका

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के जलगांव जिले मे एक मस्जिद का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट ने एक शिकायत के बाद परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने संबंधी जिलाधिकारी के आदेश के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ का रुख किया है। शिकायत मे दावा किया गया है कि ढांचा मंदिर जैसा प्रतीत होता है। ट्रस्ट के वकील एस एस काजी ने बताया कि याचिका पर 18 जुलाई को सुनवाई होगी। जुम्मा मस्जिद ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष अल्ताफ खान द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया है कि जिलाधिकारी ने 11 जुलाई 2023 को मनमाना और अवैध आदेश पारित किया, जिसके तहत उन्हें मस्जिद की चाबियां एरंडोल नगरपालिका परिषद के मुख्य अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया गया। यह आदेश दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 और 145 के तहत पारित किया गया था, जिसके अनुसार भूमि के विवाद पर अंतिम निर्णय होने तक यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। याचिका के अनुसार, मस्जिद दशकों से अस्तित्व में है और महाराष्ट्र सरकार ने मस्जिद की संरचना को एक प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक घोषित किया था तथा इसे संरक्षित स्मारकों की सूची मे शामिल किया गया है।

संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने के आसार

20 जुलाई से शुरू होगा सदन

भाषा। नई दिल्ली

संसद के 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने मानसून सत्र से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं के बीच आम सहमति बनाने के लिए 19 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। लोकसभा सचिवालय की बुलेटिन के अनुसार, संसद के मानसूत्र सत्र या 17वीं लोकसभा के 12वें सत्र के दौरान लिए जाने वाले सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 21 नए विधेयकों को पेश व पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी

क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 भी शामिल है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए पेश किया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने पीटीआई-भाषा से कहा कि सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने हैं, ऐसे में सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है। मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, संघीय ढांचे पर कथित आक्रमण, महंगाई, अडाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग, महिला पहलवानों के उत्पीड़न पर चर्चा कराने सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हमलावर रुख को देखते हुए सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है।कांग्रेस के नेता के. सुरेश ने कहा, हाल में पार्टी की संसदीय रणनीति समूह की बैठक हुई, जिसमें तय किया गया कि हम मणिपुर हिंसा,रेल सुरक्षा,संघीय ढांचे पर आक्रमण, जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने और महंगाई पर चर्चा कराने की मांग करेंगे। संसद का मानसून सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होगा। 23 दिनों का यह सत्र 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं।

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार कुछ महीनों की मेहमान रह गई हैः भाजपा

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल मे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर हमले तेज करते हुए रविवार को कहा कि ममता बनर्जी नीत सरकार कुछ महीनों की मेहमान रह गई है। उत्तर 24 परगना जिले में अपने बनगांव लोकसभा क्षेत्र मे पार्टी के एक कार्यक्रम मे भाजपा के सांसद शांतनु ठाकुर ने कहा कि टीएमसी सरकार पांच महीने से ज्यादा नही टिक पाएगी।केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री ठाकुर ने कहा, ममता बनर्जी सरकार ने अपनी सार्थकता खो दी है। अगर टीएमसी ने हाल ही मे संपन्न पंचायत चुनावों मे व्यापक धांधली का सहारा नही लिया होता, तो भाजपा को हजारों और सीट पर जीत मिलती। लेकिन टीएमसी सरकार की देखरेख मे यह आखिरी चुनाव होने जा रहा है, जहां राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) समेत राज्य की सारी मशीनरी तटस्थ और निष्पक्ष भूमिका निभाने में विफल रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह सरकार पांच महीने से ज्यादा नही रहेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने पार्टी के पंचायत चुनाव प्रदर्शन की समीक्षा से संबंधित एक संगठनात्मक बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से कहा, किसी भी समय कुछ भी हो सकता है। देखते है क्या होता है। उन्होंने कहा, कौन जानता है कि टीएमसी के कुशासन और आतंक के खिलाफ लोगों का विद्रोह हो जाए। कौन जानता है कि टीएमसी विधायक अचानक ममता बनर्जी के निर्देशों का पालन करने से इनकार कर दे। मै यह नही कह रहा हूं कि ऐसा होगा, ऐसा नही भी हो सकता। लेकिन राजनीति में कुछ भी संभव है। चौदह जुलाई को दिल्ली मे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ अपनी बैठक के बारे में मजूमदार ने कहा,केंद्र पश्चिम बंगाल में निर्दोष लोगों के जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पहले पश्चिम बंगाल में अनुच्छेद 355 लागू करने की मांग करते हुए कहा था कि राज्य मे केंद्रीय हस्तक्षेप जरूरी हो गया है, जहां पंचायत चुनावों के दौरान हिंसा देखी गई थी।

शव निकालने के प्रयास में नदी में डूबा थानेदार, मौत

भाषा। देवास (मध्य प्रदेश)

जिले में जामनेर नदी से रविवार का एक किशोर का शव निकालने की कोशिश कर रहे पुलिस के एक अधिकारी की डूबने से मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि मृतक अधिकारी की पहचान राजाराम वास्कले के रूप में हुई है और वह नेमावर पुलिस थाना के प्रभारी थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सूर्यकांत शर्मा ने कहा, आज दोपहर जामनेर नदी में एक लड़के का शव तैरने की सूचना मिलने के बाद वास्कले वहां गए। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी शव को बाहर निकालने के लिए नदी में उतरे लेकिन पानी के तेज बहाव में फंस गए और डूबने लगे। शर्मा ने बताया कि गोताखोरों ने उन्हें बाहर निकाला और इलाज के लिए नेमावर अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत गंभीर होने पर वहां से उसे हरदा रेफर किया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

असम के मुख्यमंत्री के मियां वाले बयान पर छिड़ा विवाद

● विपक्ष ने दी तीखी प्रतिक्रिया

भाषा। गुवाहाटी

असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी में सब्जियों की कीमतों में वृद्धि को लेकर राजनीतिक विरोधियों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बढ़ते दामों के लिए मियांओं को जिम्मेदार बताया, जिस पर विरोधी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मुख्यमंत्री की टिप्पणी से मियां आहत हुए हैं। वहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा तथा एआईयूडीएफ पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले मिलीभगत करके सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया। शर्मा ने गुवाहाटी में सब्जियों की ऊंची कीमत पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था, गांवों में सब्जियों की कीमत इतनी अधिक नहीं होती। यहां मियां विक्रेता हमसे अधिक दाम लेते हैं। अगर सब्जी बेचने वाले असमिया होते, तो वे अपने ही लोगों को नहीं लूटते। उन्होंने कहा, मैं गुवाहाटी के सभी फुटपाथ को साफ कर दूंगा। मैं अपने असमिया लोगों से आगे आने और अपना व्यवसाय शुरू करने का आग्रह करता हूं। मियां मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है। हाल के वर्षों में इसका इस्तेमाल बढ़ा है। अजमल ने शर्मा के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शब्द मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देते और समुदाय इससे आहत एवं आक्रोशित महसूस कर रहा है। लोकसभा सदस्य अजमल ने कहा, इससे सांप्रदायिक विभाजन पैदा हो रहा है। अगर इससे कोई घटना होती है, तो सरकार और हिमंत विश्व शर्मा इसके लिए जिम्मेदार होंगे। अजमल ने यह भी कहा कि सब्जियों की कीमतें मियां नियंत्रित नहीं करते।उन्होंने असमिया युवाओं से खेती करने का आग्रह करते हुए कहा, हम असमिया युवाओं के कृषि गतिविधियों में शामिल होने का स्वागत करेंगे। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा करेंगे क्योंकि इसके लिए बहुत मेहनत की जरूरत होती है। कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आरोप लगाया कि शर्मा और अजमल दोनों जनता के बीच सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने के लिए यह मियां-असमिया विवाद खड़ा कर रहे हैं। बोरा ने कहा, जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वे दोनों को धार्मिक आधार पर बांटना चाहते हैं। भाजपा बेरोजगारी, महंगाई, अवैध प्रवासियों आदि जैसे मुख्य मुद्दों का हल निकालने में विफल रही है और ध्यान भटकाने के लिए वे इस तरह की रणनीति अपना रहे हैं।

प्रलोभन देकर किया जाने वाला धर्मांतरण स्वीकार्य नहीं : मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन, विशेषकर आर्थिक लाभ के माध्यम से किया गया कोई भी धर्मांतरण स्वीकार्य नहीं हो सकता है। शर्मा यहां एक सहायता अनुदान वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहां 18 संगठनों और विभिन्न धर्मों के 74 उपासना स्थलों में से प्रत्येक को क्रमशः 10 लाख रुपए और पांच लाख रुपए दिए गए। शर्मा ने कहा, अगर कोई व्यक्ति किसी विशेष धर्म के बारे में अध्ययन करके उसकी ओर आकर्षित होता है, तो कोई समस्या नही है। लेकिन जब कोई व्यक्ति प्रलोभनों मे बह जाता है तो यह स्वीकार्य नही हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान सभी नागरिकों को अपनी पसंद का धर्म अपनाने का अधिकार देता है, लेकिन इसमें कहीं भी प्रलोभन देकर धर्मांतरण की बात नही कही गई है।

एआईयूडीएफ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

● असम में परिसीमन की कवायद

भाषा। गुवाहाटी

असम में विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने राज्य विधानसभा और लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से संबंधित प्रस्ताव के मसौदे का विरोध करते हुए रविवार को कहा कि उसने इस कवायद के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। एआईयूडीएफ के संगठन महासचिव और विधायक अमीनुल इस्लाम ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2008 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान संबद्ध अधिनियमों में संशोधनों के कारण परिसीमन आयोग के बजाय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को इस कवायद की जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा, हमने आयोग को यह शक्ति प्रदान करने से संबंधित संशोधनों को चुनौती दी है। इन संशोधनों की वजह से वह अब खुद दिशा-निर्देश बनाकर किसी की कोई जवाबदेही के बिना परिसीमन कर सकता है। एआईयूडीएफ विधायक ने कहा कि आजादी के बाद से परिसीमन आयोग ने परिसीमन किया, आयोग ने नहीं और इसे जारी रखा जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय की ई-कोर्ट सेवाओं पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एआईयूडीएफ ने शनिवार को भारत सरकार के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की। इस्लाम ने कहा, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने के लिए मसौदा प्रस्ताव तैयार किया गया है ताकि भाजपा असम में आगामी विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर सके।

अमरनाथ यात्राः सड़क दुर्घटना में दो श्रद्धालुओं की जान गई

● आठ सीआरपीएफ जवान घायल

भाषा। श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा की चढ़ाई के दौरान रविवार को दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। वहीं गुफा मंदिर में प्रार्थना के लिए जा रहे केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के आठ जवान जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अमरनाथ के गुफा मंदिर के निचले हिस्से में शनिवार को पत्थर गिरने की चपेट में आने से उर्मिलाबेन मोदी (53) की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इस घटना में पर्वत बचाव दल के दो कर्मी और अन्य श्रद्धालुओं को भी चोट आई है। अधिकारी ने कहा कि वहीं एक अन्य घटना में छत्तीसगढ़ के रहने वाले बुजुर्ग मेघनाथ (65) मंदिर जाने वाले पहलगाम मार्ग पर रविवार को अचेत अवस्था में पाए गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि बालटाल मार्ग से अमरनाथ मंदिर की ओर जा रहा सीआरपीएफ का एक वाहन गांदरबल के सिंध नाले में गिर गया, जिसमें आठ जवान घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि घायलों को बाहर निकाला गया और बालटाल बेस कैंप अस्पताल ले जाया गया।

मणिपुर में बिजली के खंभों व पाइप से हथियार बनाए गए

भाषा। सुगनू (मणिपुर)

मणिपुर में पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए हथियार बरामद करने के लिए सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया और उस दौरान जब्त किए गए हथियारों में एक बड़ा हिस्सा ऐसे हथियारों का था जिन्हें उखाड़े गए बिजली के खंभों या गैल्वनाइज्ड लोहे (जीआई) की पाइप से बनाया गया था। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे हथियारों के अलावा, झड़प में शामिल पर्वतीय इलाकों के समूहों के हथियारों में एके राइफल और इंसास राइफल जैसे अन्य नियमित हथियार भी हैं।दक्षिणी मणिपुर के काकचिंग जिले में स्थित इस शहर के अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि इस पर्वतीय समुदाय के लोग पारंपरिक रूप से शिकारी होते हैं और उनमें घातक हथियार बनाने की क्षमता होती है।हाल ही में, यहां के दूरदराज के गांवों के साथ-साथ पड़ोसी चुराचांदपुर जिले में भी कुछ बिजली के खंभे गायब मिले थे जबकि पानी के पाइप उखड़े हुए देखे गए थे।अधिकारियों ने कहा कि ए इसका पर्याप्त संकेत हैं कि इनका इस्तेमाल हथियार बनाने में किया गया, जिनका इस्तेमाल झड़प के दौरान दूसरे समुदाय पर निशाना बनाने के लिए किया जाता है।यह समुदाय परंपरागत रूप से तलवार, भाले, धनुष और तीर का उपयोग करता था। अधिकारियों ने कहा कि बाद में, इन्होंने ऐसी बंदूकों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, जिन्हें थिहनांग भी कहा जाता है।उखाड़े गए बिजली के खंभों का उपयोग स्वदेशी बंदूक बनाने के लिए किया गया, जिसे पम्पी या बम्पी भी कहा जाता है। इनमें लोहे के टुकड़ों और अन्य धातु की वस्तुओं का इस्तेमाल गोलियों या छर्रों के तौर पर किया जाता है। अधिकारियों ने का कि इनका निर्माण ग्रामीण लोहारों द्वारा किया जाता है, जिन्हें थिह-खेंग पा भी कहा जाता है।पहाड़ी समुदाय गुरिल्ला युद्ध की अपनी तकनीकों के लिए भी जाना जाता है और अक्सर सामने आने वाले लोगों पर अचानक हमला करके या खड़ी इलाकों में बड़े पत्थर गिराकर उन पर हमला करके अपनी रक्षा करता है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। तब से अब तक कम से कम 160 लोगों की जान जा चुकी है।तीन मई को मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय झड़पों की पृष्ठभूमि में, सुरक्षा बल राज्य में हिंसा रोकने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। बहुसंख्यक मेइती समुदाय को आशंका थी कि 2008 में हिंसा समाप्ति का समझौता करने वाले कुकी उग्रवादियों ने जातीय संघर्ष के मद्देनजर अपने हथियार वापस ले लिए हैं। कम से कम 25 कुकी समूह समझौते से बंधे हुए हैं और उनके कैडर और नेताओं को निर्दिष्ट शिविरों में रखा गया है। इन कैडर की पहचान राज्य और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा की जाती है। इन समूहों के हथियार और गोला-बारूद को डबल-लॉकिंग सिस्टम के तहत सुरक्षित रखा गया है।अधिकारियों ने बताया कि झड़प के दौरान पुलिस और सेना द्वारा औचक निरीक्षण किया गया और पाया गया कि केवल दो हथियार गायब थे।

अल्काराज ने नोवाक पर गिराई गाज

नोवाक को हराकर विम्बलडन चैम्पियन बने

● 34 मैचों से चले आ रहे नोवाक के अश्वमेधी अभियान को रोका

भाषा । विम्बलडन

यह एक ऐसा फाइनल था जिसे टेनिसप्रेमी बरसों तक याद रखेंगे क्योंकि इसमें अपार अनुभव पर युवा जोश भारी पड़ा। स्पेन के कार्लोस अलकाराज ने विम्बलडन में 34 मैचों से चले आ रहे नोवाक जोकोविच के अश्वमेधी अभियान में नकेल कसते हुए रविवार को पांच सेटों के बेहद रोमांचक फाइनल में जीत दर्ज करके दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अलकाराज ने पहला विम्बलडन खिताब। . 6, 7 . 6, 6 .।, 3 . 6, 6 . 4 से जीता। इसके साथ ही उन्होंने जोकोविच को रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले आठवें और लगातार पांचवें विम्बलडन खिताब से वंचित कर दिया। इसके साथ ही 36 वर्ष के जोकोविच को 24वां ग्रैंडस्लैम जीतकर सेरेना विलियम्स से आगे निकलने के लिए अभी इंतजार करना होगा। स्पेन के 20 वर्ष के अलकाराज विम्बलडन जीतने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। दोनों के बीच में उम्र का अंतर 1974 के बाद से किसी भी ग्रैंड स्लैम फाइनल में सबसे ज्यादा है। दोनों की टक्कर पिछले महीने फ्रेंच ओपन में भी हुई थी लेकिन अलकाराज चोटिल हो गए थे। इस बार उनके पास जोकोविच के हर स्ट्रोक का जवाब देने का दमखम था। उन्होंने 130 मीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से सर्विस की। जोकोविच ने आखिरी बार यहां 2013 में फाइनल गंवाया था। यह उनका रिकॉर्ड 35वां ग्रैंडस्लैम फाइनल था जबकि अलकाराज दूसरी बार ही फाइनल खेल रहे थे। इसके बावजूद तीसरे सेट में उन्होंने 25 मिनट तक चला अद्भुत गेम जीता और मैच में 32 अंक बनाए। उन्होंने पांचवें सेट में बैकहैंड पर शानदार विनर लगाकर जोकोविच की सर्विस तोड़ी। हार के बाद जोकोविच अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सके और नेट पर फेंककर अपना रैकेट तोड़ दिया। चेयर अंपायर ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया।

लक्ष्य सेन अमेरिकी ओपन से बाहर

सेमीफाइनल मे फेंग से हारे

भाषा । काउंसिल ब्लफ्स (अमेरिका)

भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन को अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में चीन के ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त सेन दूसरी वरीयता प्राप्त फेंग के खिलाफ 17-21, 24-22, 17-21 से हार गए। शनिवार की रात को खेला गया बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट का यह मुकाबला एक घंटे 16 मिनट तक चला।विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी फेंग और 12वीं रैंकिंग के सेन के बीच यह मुकाबला काफी करीबी रहा। शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ी 17 अंकों तक बराबरी पर थे लेकिन के बाद चीन के खिलाड़ी ने आक्रामक रवैया दिखाया जबकि भारतीय खिलाड़ी ने कुछ गलतियां की। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेन ने हालांकि दूसरे गेम में अच्छी वापसी की। पहले गेम की तरह दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियां की और 22 अंक तक दोनों बराबरी पर थे। लक्ष्य ने इसके बाद लगातार दो अंक बनाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा और निर्णायक गेम पहले गेम की पुनरावृति था। फेंग ने शुरू में बढ़त बनाई और इंटरवल तक वह 11-8 से आगे थे। सेन ने हालांकि हार नहीं मानी और 17 अंकों तक स्वयं को मुकाबले में बनाए रखा। चीन के खिलाड़ी ने इसके बाद दबाव बनाया तथा मैच अपनी झोली में डाला।सेन का फेंग के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 5-2 है।

द्रविड़ की सलाह का पालन कर रहे जितेश एशियाई खेलों की चुनौती के लिए तैयार

नई दिल्ली। एशियाई खेलो के लिए भारतीय टीम मे जगह बनाने बनाने वाले आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि वह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की सलाह का पालन कर रहे , जिन्होने विदर्भ के इस खिलाड़ी अपना नैसर्गिक खेल जारी रखने को कहा था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले दो सत्र मे अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले जितेश भारतीय टीम के डेसिंग रूम का हिस्सा रह चुके है। इस साल की शुरूआत मे संजू सैमसन के चोटिल होने के बाद राष्ट्रीय टीम मे जगह बनाने वाले इस खिलाड़ी को हालांकि पदार्पण का मौका नही मिला था। इस 29 साल के खिलाड़ी ने पीटीआई - भाषा से कहा , खेल मे सुधार को लेकर हमेशा चर्चा होती है। हां , कुछ महीने पहले घरेलू सरजमी पर खेली गई श्रृंखला मे जब मै टीम का हिस्सा बना था तब राहुल सर से बात हुई थी। एशियाई खेलो का आयोजन 23 सितंबर से चीन के हांगझोउ मे होगा। भारत पहली बार इन खेलो मे अपनी क्रिकेट टीम भेजेगा। एशियाई खेलो मे पुरुषो के क्रिकेट मैच 28 सितंबर से शुरू होगे। जितेश से पूछा गया कि द्रविड़ ने क्या सलाह दी तो उन्होने बताया कि कोच ने कहा था , जैसी बल्लेबाजी कर रहे हो , वैसे ही करते रहो। हम भविष्य के लिए यही देख रहे है। हमे ऐसे खिलाड़ी ही चाहिए इस क्रम (बल्लेबाजी मे पांचवे या छठे क्रम पर) पर। भारतीय कोच की बाते इस खिलाड़ी के दिमाग मे बैठ गई। टी -20 क्रिकेट मे फिनिशर की भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी के पास आसानी से बड़े शॉट खेलने की क्षमता के साथ धैर्य की जरूरत होती है।

कप्तानी का लुत्फ उठा रहा हूं, दक्षिण क्षेत्र का गेंदबाजी आक्रमण शानदार रहा: हनुमा विहारी

बेंगलुरु। हनुमा विहारी ने रविवार को यहां अपनी अगुआई मे दक्षिण क्षेत्र को दलीप ट्राफी खिताब दिलाने के बाद कहा कि इस समय वह कप्तानी का लुत्फ उठा रहे है। विहारी ने फाइनल की दो पारियो मे 105 रन का योगदान दिया। इस प्रदर्शन से निश्चित रूप से भारतीय टीम मे वापसी के प्रयास को मजबूती मिलेगी लेकिन इस समय वह अपने इस कप्तानी के अनुभव का आनंद ले रहे है। विहारी अब पूरे घरेलू सत्र मे मध्य प्रदेश के लिए खेलेगे। उन्होने कहा, निश्चित रूप से मैने कप्तानी का लुत्फ उठाया। और जब आपके पास ऐसी टीम हो तो आप कप्तानी का आनंद उठाओगे ही। विहारी ने दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजी आक्रमण की प्रशंसा करते हुए कहा, जब आपकी टीम मे इस तरह का गेंदबाजी आक्रमण हो तो कप्तानी का दबाव कम हो जाता है। हमारी योजना थी कि उन्हे तीन रन प्रति ओवर से कम पर ले आएं और गेंदबाजो ने पूरी तरह से रणनीति पर अमल किया।

डिसिल्वा और मैथ्यूज की अर्धशतकीय पारियों से श्रीलंका संभला

गॉल । श्रीलंका)। धनंजय डिसिल्वा (नाबाद 94) और पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज (64) के बीच पांचवे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन रविवार को यहां खराब शुरुआत से उबरते हुए स्टंप्स तक छह विकेट पर 242 रन बनाए। बारिश के कारण दिन मे महज 65.4 ओवर का खेल ही हो पाया। श्रीलंका की टीम एक समय 54 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी लेकिन उपकप्तान डिसिल्वा और मैथ्यूज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए टीम को मुश्किल परिस्थितियो से बाहर निकाला। इस साझेदारी के अबरार अहमद (59 रन पर एक विकेट) ने मैथ्यूज को आउट कर तोड़ा। मैथ्यूज ने 109 गेद की पारी मे नौ चौके लगाए। डिसिल्वा ने इसके बाद विकेटकीपर सदीरा समरविक्रमा (36) के साथ छठे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। कामचलाऊ गेंदबाज आगा सलमान ने समरविक्रमा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इस विकेट के गिरते ही खराब रोशनी के कारण दिन के खेल को रोक दिया गया। डिसिल्वा ने अपने शतक से छह रन दूर है। उन्होने अब तक 157 गेद की पारी मे 10 चौके और तीन छक्के जड़े है। इससे पहले तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने तीन विकेट लेकर टेस्ट क्रिकेट मे वापसी की जिससे पाकिस्तान ने श्रीलंका के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। पाकिस्तान के दोनो तेज गेंदबाजो अफरीदी और नसीम शाह ने शुरू से ही श्रीलंका के बल्लेबाजो को परेशानी मे रखा।

कैरी को लॉर्ड्स में बेयरस्टो को आउट करने का खेद नही

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी को लॉर्ड्स मे जॉनी बेयरस्टो को विवादास्पद तरीके से स्टंप आउट करने का कोई खेद नही है और उन्होने कहा कि वह भी पहले इस तरह से आउट हो चुके है। एशेज के दूसरे टेस्ट मैच मे कैरी के बेयरस्टो को आउट करने के तरीके पर विवाद पैदा हो गया था और कई विशेषज्ञो ने इसे खेल भावना के खिलाफ करार दिया था। मैच के चौथे दिन बेयरस्टो ऑल राउंडर कैमरन ग्रीन का बाउंसर छोड़ने के बाद यह सोच कर की गेंद डेड बॉल हो चुकी है, क्रीज से बाहर निकल आए लेकिन कैरी ने गेंद विकेटो पर मार दी और इस तरह से बल्लेबाज स्टंप आउट हो गया। कैरी ने चौथे एशेज टेस्ट से पहले मैनचेस्टर मे कहा, मै भी कुछ अवसरो पर इस तरह से आउट हो चुका हूं और मैने भी इससे पहले बल्लेबाजो को इस तरह से आउट करने का प्रयास किया है। दक्षिण आस्ट्रेलिया मे मेरे पहले ए ग्रेड के मैच मे मै इस तरह से आउट हो गया था। मै तब क्रीज छोड़कर चला गया था। मै निराश था लेकिन तब मेरा कप्तान मेरे पास आया और उन्होने कहा कि अगली बार तुम्हे क्रीज पर पांव बनाए रखना याद रहेगा। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच जीता था लेकिन इंग्लैड के दर्शको ने उनकी जमकर हूटिंग की थी।

पदक महिलाओं के खिलाफ अपराध से लड़ने वाले लोगों को समर्पित: संगीता

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के विरोध मे शामिल रहे छह प्रमुख पहलवानो मे से एक संगीता फोगट ने हंगरी मे रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता मे जीते गए अपने कांस्य पदक को महिलाओ के खिलाफ अपराध से लड़ रहे लोगो को समर्पित किया है। संगीता और उनके पति बजरंग पुनिया बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगभग एक महीने तक चले धरने मे शामिल थे। बृजभूषण के खिलाफ कई महिला पहलवानो ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए है।

अटवाल संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर

एग्रोन। भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल पीजीए टूर की कैलिग कंपनीज चैम्पियनशिप के तीसरे दौर मे एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 30वे स्थान पर है। सीनियर खिलाड़ियो (50 साल से अधिक उम्र के) के टूर्नामेंट मे अटवाल ने शुरुआती दो दौर मे एक समान दो ओवर का कार्ड खेला था।

अशोक की डेना ओपन में शीर्ष 10 में वापसी

सिलवेनिया (अमेरिका)। भारत की अदिति अशोक तीसरे दौर मे बोगी रहित चार अंडर 67 के स्कोर से एलपीजीए टूर के डेना ओपन गोल्फ टूर्नामेंट मे शीर्ष 10 मे वापसी करने मे सफल रही। मौजूदा सत्र मे चार प्रतियोगिताओ मे शीर्ष 10 मे रहने वाली अदिति संयुक्त रूप से नौवे स्थान पर चल रही है। उनका 54 होल के बाद कुल स्कोर 10 अंडर है।

आरसीबी करेगी हेसन और बांगड़ के अनुबंध की समीक्षा

बेंगलुरु। रॉयल चैलेजर्स बेंगलोर (आरसीबी) अपने कोचिग स्टाफ मे फेरबदल कर सकती है क्योकि फ्रेंचाइजी क्रिकेट परिचालन निदेशक माइक हेसन और मुख्य कोच संजय बांगड़ के अनुबंध की समीक्षा कर रही है। आईपीएल के कोचिग स्टाफ के अनुबंध का नवीनीकरण सितंबर मे होना है और आरसीबी ने संकेत दिया कि किसी भी फैसले पर पहुंचने से पहले उनके प्रदर्शन को गंभीरता से देखा जाएगा।

डागर ने अरामको टीम सीरीज के कट में बनाई जगह

लंदन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने अरामको टीम सीरीज गोल्फ के दूसरे दौर के दूसरे हाफ मे शानदार वापसी करते हुए एक ओवर 74 के कार्ड के साथ कट मे प्रवेश किया। इस 22 साल की खिलाड़ी ने शुरुआती दौर मे पांच ओवर का स्कोर किया था और दूसरे दौर मे सात होल के खेल के बाद उनका स्कोर आठ ओवर था। उन्होने इसके बाद शानदार वापसी की और एक ओवर का कार्ड खेला।

यूनिटी कालेज फाइनल में

लखनऊ। लामार्टिनियर कालेज के मैदान पर रविवार से शुरू सीआईएससीई जोनल स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले दिन यूनिटी कालेज ने दोहरी सफलता हासिल करते हुए खिताबी दौर में जगह पक्की कर ली। यूनिटी कालेज ने पहले मैच में सीएमएस राजाजीपुरम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 2.0 गोल से हरा दिया। यूनिटी की ओर से तालिब अब्बास और अरहम हैदर ने एक एक गोल की सफलता हासिल की जबकि सीएमएस की ओर से एक मात्र गोल करन ने दागा।यूनिटी ने दोपहर बाद खेले गये अपने दूसरे मैच में स्प्रिंग डेल को 5-1 गोल से हराया। यूनिटी की ओर से मैच के हीरो रहे तालिब हैदर ने हैट्रिक दागकर टीम के खाते में तीन गोल दर्ज किये जबकि दूसरे खिलाड़ी लारेब को दो गोल की सफलता मिली। वहीं स्प्रिंग डेल की ओर से एक मात्र गोल मोहित ने किया। यूनिटी कालेज की जीत पर कालेज के प्रधानाचार्य कैस्टीलिनो फ्रांसिस और कालेज के सचिव डॉ नजमुल हसन ने बधाई देते हुए खिताबी मुकाबला जीतने के लिए हौसला बढ़ाया।

महिला बल्लेबाजों ने फिर किया निराश

बांग्लादेश से वनडे मे पहली बार हारी भारतीय महिला टीम

भाषा । मीरपुर

भारतीय टीम का बल्लेबाजी में लचर प्रदर्शन जारी रहा जिससे बांग्लादेश ने अपने गेंदबाजों की बदौलत रविवार को यहां बारिश से प्रभावित शुरूआती महिला एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 रन से जीत हासिल की। यह बांग्लादेश की मेहमान टीम पर वनडे में पहली जीत है जिससे उसने तीन मैचों की श्रृंखला में।-0 से बढ़त बना ली। भारत की युवा तेज गेंदबाज अमनजौत कौर ने वनडे में पदार्पण पर 31 रन देकर चार विकेट हासिल किए जिससे बांग्लादेश की टीम 43 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम इस आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए 35.5 ओवर में महज 113 रन के भीतर सिमट गई। करीब एक घंटे की बारिश के कारण मैच 44-44 ओवर का कर दिया गया था और भारत को डकवर्थ लुईस पद्धति से 154 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। भारत की बल्लेबाजी इससे पहले हुई टी20 श्रृंखला में भी लचर रही थी जिसमें टीम दूसरे मैच में 95 रन पर ही सिमट गई थी, लेकिन गेंदबाजों की बदौलत इसे जीतने में सफल रही थी।बांग्लादेश ने हालांकि तीसरे और अंतिम मैच में भारत को उसकी लचर बल्लेबाजी के कारण हरा दिया था।अनुभवी खिलाड़ी दीप्ति शर्मा 20 रन की पारी खेलकर शीर्ष स्कोरर रहीं। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। बांग्लादेश की मध्यम गति की गेंदबाज मारूफा अख्तर ने सात ओवर में 29 रन देकर चार विकेट झटके और लेग स्पिनर राबिया खान ने 7.5 ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट प्राप्त किए। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना (11 रन) इस बार भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही और आउट होने वाली पहली खिलाड़ी रहीं। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पूनिया 2021 के बाद पहली बार भारतीय टीम में वापसी कर रही हैं, लेकिन वह 27 गेंद खेलकर 10 रन ही बना सकी और 30 रन के स्कोर पर आउट होने वाली टीम की दूसरी खिलाड़ी रहीं। स्कोर में सात रन ही जुड़े थे कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (05 रन) नाहिदा अख्तर की गेंद पर पगबाधा हो गईं। विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया (15 रन) को राबिया ने अपना पहला शिकार बनाया, इससे स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। मध्यक्रम को संभालने की जिम्मेदारी जेमिमा रोड्रिग्स (10 रन) के कंधों पर थीं, लेकिन उनकी खराब फॉर्म जारी रही और वह राबिया की दूसरी शिकार बनीं।

स्कोरबोर्ड

बांग्लादेश पारी : खातून का हरमनप्रीत बो अमनजोत 13,अख्तर रन आउट 00,हक का भाटिया बो अमनजोत 27, सुल्ताना पगबाधा बो अमनजोत 39,मोनी का रोड्रिग्स बो वैद्य 08,खान का मंधाना बो अमनजोत 10, अख्तर का मंधाना बो दीप्ति शर्मा 02,फहिमा नाबाद 12,सुल्ताना बो वैद्य 16,मारूफा रन आउट 06,शोर्ना एबसेट हर्ट ,अतिरिक्त : 19,कुल : 43 ओवर मे 152 रन पर सभी आउट,विकेट पतन :।-14, 2-14, 3-63, 4-81, 5-103, 6-106, 7-116, 8-142, 9-152,गेंदबाजी : वस्त्राकर 9-0-37-0,दीप्ति 9-3-26-।,कौर 9-2-31-4,राणा 8-3-11-0,बारेड्डी।-0-11-0, वैद्य 7-0-36-2

भारत पारी :पूनिया का मुर्शिदा खातून बो मारूफा अख्तर 10,मंधाना का निगार सुल्ताना बो मारूफा अख्तर 11,भाटिया बो राबिया खान 15,हरमनप्रीत पगबाधा बो नाहिदा अख्तर 05,जेमिमा का मुर्शिदा खातून बो राबिया खान 10 शर्मा का रितु मोनी बो नाहिदा अख्तर 20, अमनजोत का निगार सुल्ताना बो मारूफा अख्तर 15, राणा बो मारूफा अख्तर 00, वैद्य नाबाद 10,वस्त्राकर का निगार सुल्ताना बो सुल्ताना खातून 07, बारेड्डी रन आउट 02 अतिरिक्त : 08,कुल योग : 35.5 ओवर मे 113 रन पर सभी आउट ,विकेट पतन :।-13, 2-30, 3-37, 4-44, 5-61, 6-91, 7-91, 8-91, 9-102 ,गेंदबाजी : अख्तर 7-0-29-4,नाहिदा 7-0-16-।,सुल्ताना 8-।-20-।,मोनी।-0-4-0,खान 7.5-0-30-3, खातून 5-।-14-0

सेसकाटून में उप विजेता रही करमन कौर

भाषा । सेसकाटून (कनाडा)

भारत की करमन कौर थांडी और कनाडा की उनकी जोड़ीदार स्टेसी फुंग रविवार को यहां आईटीएफ डब्ल्यू60 सेसकाटून चैलेंजर्स टूर्नामेंट की महिला युगल स्पर्धा में उप विजेता रहे। करमन और स्टेसी की जोड़ी को फाइनल में अमेरिका की एबिगेन रेनचेल और एलेना स्मिथ को कड़ी टक्कर देने के बावजूद 60 हजार डॉलर इनामी प्रतियोगिता में तीन सेट में 6-4, 4-6, 7-10 से हार झेलनी पड़ी।करमन और स्टेसी ने सेमीफाइनल में कारमन कोर्लें और इवाना कोर्लें की अमेरिकी जोड़ी को 6-4, 5-7, 11-9 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

दक्षिण क्षेत्र ने जीती दलीप ट्रॉफी

भाषा । बेंगलुरु

दक्षिण क्षेत्र ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को यहां पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से करारी शिकस्त देकर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। पश्चिम क्षेत्र ने 298 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 182 रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम 222 रन बनाकर आउट हो गई। दक्षिण क्षेत्र की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर साईं किशोर और तेज गेंदबाज वासुकी कौशिक ने चार चार विकेट लिए। दक्षिण क्षेत्र में 14वीं बार दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे उसने पश्चिम क्षेत्र से पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। पिछले साल

●पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से हराया

फाइनल में पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया था। प्रियांक पंचाल ने सुबह अपनी पारी 92 रन से आगे बढ़ाई लेकिन वह इसमें केवल तीन रन जोड़कर पवेलियन लौट गए। उन्होंने तेज गेंदबाज विदवथ कावेरप्पा की गेंद पर विकेटकीपर रिकी भुई को कैच थमाया। इससे पश्चिम क्षेत्र की रही सही उम्मीद ही समाप्त हो गई। कावेरप्पा को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।अतीत सेठ (नौ) और धर्मेंद्रसिंह जडेजा (15) ने आठवें विकेट के लिए 23 रन जोड़े लेकिन इस से वह हार का अंतर ही कम कर पाए। धर्मेंद्र जडेजा ने साईं किशोर की गेंद पर लंबा शॉट खेलने के प्रयास में वाशिंगटन सुंदर को कैच थमाया। इसके बाद उन्होंने सेठ को भी आउट किया।

भारत 27 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा

● एशियाई एथलेटिक्स प्रतियोगिता

भाषा । बैंकॉक

आभा खटुआ ने रविवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन हैरान करते हुए महिला गोला फेंक स्पर्धा में 18.06 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए रजत पदक अपने नाम किया जबकि ज्योति याराजी और पारूल चौधरी ने प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक जीता। भारत प्रतियोगिता में 27 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। आभा ने 17.13 मीटर के अपने पिछले निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में लगभग एक मीटर (93 सेंटीमीटर) का सुधार करते हुए चार किलो के गोले को अपने चौथे प्रयास में 18.06 मीटर की दूरी तक फेंका। आभा का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 17.10 मीटर का रहा। चीन की सोंग जियायुआन (18.88 मीटर) ने इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

साबले ने डायमंड लीग में छठे स्थान के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

सिलेसिया (पोलैंड)। अविनाश साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज मे रविवार को सिलेसिया डायमंड लीग मीट मे छठे स्थान पर रहने के बाद 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया।राष्ट्रीय चैंपियन साबले ने आठ मिनट 11:63 सेकंड का समय लिया, जो उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय आठ मिनट 11.20 सेकंड से थोड़ा अधिक है। इस 28 साल के खिलाड़ी ने हालांकि पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग मार्क आठ मिनट 15 सेकंड को काफी अंतर से पीछे छोड़ दिया। ओलंपिक क्वालीफिकेशन का समय एक जुलाई 2023 से शुरू हुआ है और यह 30 जून 2024 तक जारी रहेगा। मोरोक्को के विश्व और ओलंपिक चैंपियन ईल बक्काली सौफिएन मीट रिकॉर्ड समय आठ मिनट 03.16 सेकंड के साथ विजेता बने। कीनिया के अब्राहम किबिवोट (आठ मिनट 08.03 सेकंड) और लियोनार्ड किप्केमोई बेट (आठ मिनट 09.45 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

आभा ने अनुभवी मनप्रीत कौर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की जो रविवार को 17 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। भारत ने प्रतियोगिता में छह स्वर्ण के अलावा 12 रजत और नौ कांस्य पदक भी जीते। भारत ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन आठ रजत और पांच कांस्य पदक के साथ कुल 13 पदक जीते। गुरुवार को एशियाई चैंपियनशिप की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं ज्योति ने 23.13 सेकेंड के निजी सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 200 मीटर का भी रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में सिंगापुर की शांति पेरेरा 22.70 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। इससे पहले ज्योति का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23.29 सेकेंड था जो उन्होंने सेमीफाइनल में किया था। उन्होंने मई में फेडरेशन कप में 23.42 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। लंबी दूरी की दिग्गज धाविका पारूल चौधरी ने भी 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक के साथ अपना दूसरा पदक जीता।

भारतीय भारोत्तोलकों ने 20 पदक के साथ खत्म किया अभियान

भाषा । ग्रेटर नोएडा

लवप्रीत सिंह और पूर्णिमा पांडे ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप के आखिरी दिन अपने-अपने वर्ग में पदक जीते जिससे भारत ने रविवार को यहां अपना अभियान 20 पदकों के साथ खत्म किया। पिछले सत्र में रजत पदक जीतने वाले लवप्रीत ने पुरूषों के 109 किग्रा वर्ग में रजत जबकि गत चैम्पियन पूर्णिमा ने कांस्य पदक जीता। पंजाब के लवप्रीत ने कुल 341 किग्रा (154 किग्रा 187 किग्रा) वजन उठाकर एक बार फिर दूसरा स्थान हासिल किया। वह हालांकि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के 355 किग्रा (163 किग्रा 192 किग्रा) के पदक जीतने वाले प्रयास को दोहराने में नाकाम रहे। फिजी के तनिएला तुईसुवा रैनिबोगी ने 363 किग्रा (163 किग्रा 200 किग्रा) के साथ स्वर्ण जबकि इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ्स 340 किग्रा (155 किग्रा 185 किग्रा) के साथ इस स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 87 किग्रा से अधिक के वजन वर्ग में गत चैम्पियन पूर्णिमा इस बार कांस्य पदक ही जीत सकीं। पूर्णिमा ने 227 किग्रा (102 किग्रा 125 किग्रा) उठाया, जो उनके 2021 के कुल वजन से दो किलोग्राम कम है। इस स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक समोआ की खिलाड़ियों ने जीता।

अभिषेक बने बाक्सिंग संघ के मुख्य संरक्षक

● चेयरमैन दीपक शर्मा व उप चेयरमैन होंगे ईशेंद्र पाण्डेय

लखनऊ। बाक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ की वार्षिक साधारण सभा की केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित बैठक में अगले चार साल 2023-2027 के लिए कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। आज चुनाव परिणाम की घोषणा निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट मनीष जायसवाल ने की। ये चुनाव उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के पर्यवेक्षक डाक्टर रोहित पाण्डेय की मौजूदगी में संपन्न हुए। नवगठित कार्यकारिणी में मुख्य संरक्षक अभिषेक प्रकाश ;वरिष्ठ आईएएस उत्तर प्रदेश सरकारद्ध और संरक्षक आरडी द्विवेदी व मनीष सिंह होंगे। एसोसिएशन के चेयरमैन दीपक शर्मा व उप चेयरमैन ईशेंद्र पाण्डेय होंगे। अध्यक्ष अतुल अग्निहोत्रीए सचिव सहदेव सिंह व कोषाध्यक्ष विशाल राज को पुन रू चुना गया है। बाक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ की नवगठित कार्यकारिणी में चुने गए लोगों ने लखनऊ में मुक्केबाजी के उज्जवल भविष्य के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इन चुनावों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर कबीर अहमद को चुना गया है। उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह बिष्ट ओलंपियनभुवन चंद्र पाण्डेय, ईश्वर सिंह, सलीम, मनोज पटेल, रईस खान, पंकज मिश्रा, केएन पाठक व क्षितिज चौधरी,दिनेश टेकरीवाल, प्रणव श्रीवास्तवए अरविंद प्रसाद व स्मिता पाण्डेय चुने गए। संयुक्त सचिव प्रमोद कुमार गुप्ता, चंद्रपाल, विजय सिंह, अनूप कुमार,संतोष कुमार सिंहए कृपाशंकर,आनंद शर्मा होंगे। कार्यकारिणी सदस्यों में संजय भगत, विक्रम सिंह, विजय प्रताप, शिखा चौहान, पुष्कर सिंह, रिक्की शमा, आंचल सहू, मोहम्मद अली दुर्गेश गौतम,रोहित धानुक व ग्राम सिंह का निर्वाचन हुआ।

भारतीय निशानेबाजों की शानदार शुरुआत

● जूनियर विश्व चैपियनशिप

नई दिल्ली। प्रतिभावान निशानेबाजों शुभम बिस्ला और सेनयम ने रविवार को कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भारत को स्वर्णिम शुरुआत दिलाते हुए क्रमशः पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीते। शुभम का आईएसएसएफ जूनियर स्तर पर यह पहला स्वर्ण पदक है जबकि सेनयम ने पिछले महीने सुहल जूनियर विश्व कप में खिताबी सफलता को चांगवोन में भी दोहराया। भारत ने प्रतियोगिता के पहले दिन दांव पर लगे दोनों स्वर्ण पदक जीते और पदक तालिका में शीर्ष पर चल रहा है। शुभम पहले रेंज पर उतरे और उन्होंने पुरुष एयर पिस्टल फाइनल में 244.6 अंक के साथ खिताब जीता। चीन के बु शुआइहैंग 239.6 अंक के साथ उनसे काफी पीछे रहे। कोरिया के किम केंगह्युन ने 218.2 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले शुभम ने क्वालीफिकेशन दौर में 578 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। बू 585 अंक के साथ शीर्ष पर रहे थे। अमित शर्मा (576) और सागर भार्गव (575) भी क्वालीफाइंग में क्रमशः छठे और आठवें स्थान के साथ फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। फाइनल में सागर चौथे और अमित पांचवें स्थान पर रहे। सेनयम ने महिला एयर पिस्टल फाइनल में 242.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कोरिया की ओ ई जिन ने 239.4 अंक के साथ रजत जबकि चीन की याओ शियानशुन ने 218.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।